डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

# रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 15.09.2025 से 21.09.2025

▶ वर्ष-42 ▶ अंक-38 ▶ मूल्य ₹ 10.00

## संक्षिप्त खबर

### प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों को मिली आर्थिक मदद

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से प्रदेश के 11 जिलों के 17 हजार 500 किसानों को 20 करोड़ 60 लाख रुपये की बाढ़ राहत राशि का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने बीते दिनों प्रदेश में अतिवृष्टि के कारण फसलों को हुई क्षति के मुआवजे के रूप में प्रभावित किसानों के खातों में सिंगल क्लिक के जरिए राहत राशि का हस्तांतरण किया। मुख्यमंत्री ने प्रभावित किसानों से वर्चुअल संवाद करते हुए कहा कि प्रदेश के अन्नदाताओं की खुशहाली और उनकी मुस्कान ही हमारी सरकार की ताकत है। मौसम की मार में हम किसानों को बेसहारा नहीं रहने देंगे। हमारी सरकार सुख-दुख सहित हर परिस्थिति में किसानों के साथ है।

### स्वच्छता और पर्यावरण के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने फिर रचा इतिहास

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वच्छता और पर्यावरण के क्षेत्र में इंदौर, जबलपुर और देवास को 'स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2025' सम्मान प्राप्त होने पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता और पर्यावरण के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने फिर इतिहास रचा है। मध्यप्रदेश के इन शहरों के नागरिकों की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता, अटूट संकल्प और अद्वितीय जनभागीदारी सराहनीय है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने नई दिल्ली में 'स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2025' के पुरस्कार समारोह में विभिन्न श्रेणियों में इंदौर को प्रथम, जबलपुर को द्वितीय और देवास को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया।

### माता शबरी के नाम से होंगे आवासीय कन्या शिक्षा परिसर

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की घोषणा के परिपालन में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित कन्या शिक्षा परिसरों का नाम अब माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर होगा। राज्य सरकार ने इसके आदेश जारी कर दिए हैं। मुख्यमंत्री ने शहडोल प्रवास के दौरान कन्या शिक्षा परिसरों का नाम माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर करने की घोषणा की थी। प्रदेश में जनजातीय वर्ग की बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 82 कन्या शिक्षा परिसरों और आठ आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित हो रहे हैं।

### भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

---

**मुख्यमंत्री ने निःशुल्क स्कूटी वितरण और बालिकाओं को सैनिटेशन एवं हाइजीन की राशि अंतरण कार्यक्रम को संबोधित किया**

# विद्यार्थी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा और योग्यता करें स्थापित

*मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शासकीय स्कूलों में बारहवीं कक्षा में प्रथम स्थान अर्जित करने वाले विद्यार्थियों को स्कूटी प्रदान की*

- प्रदेश के प्रतिभाशाली 7832 विद्यार्थियों को वितरित की गई स्कूटी।
- राज्य सरकार विद्यार्थियों को हरसंभव प्रोत्साहन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध।
- मुख्यमंत्री ने सेनिटेशन एवं हाइजीन के लिए 20 लाख से अधिक बालिकाओं को 61.12 करोड़ रुपये से अधिक राशि अंतरित की।

**भोपाल,** प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में बच्चों के लिए बेहतर भविष्य का अवसर है। प्रदेश के विद्यार्थियों को स्कूटी, लैपटॉप, साइकिल, कॉपी-किताबें सहित अनेक सौगातें मिल रही हैं। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से 12वीं बोर्ड परीक्षा में स्कूल के टॉपर रहे 7 हजार 832 बच्चों को स्कूटी दी गई है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को निःशुल्क स्कूटी वितरण और 20 लाख से अधिक बालिकाओं को सैनिटेशन एवं हाइजीन के लिए 61 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की भावना के अनुरूप प्रतिभावान विद्यार्थियों को गति से आगे बढ़ने के लिए उपलब्ध कराया गया साधन है। हम स्कूटी से आगे बढ़ इन विद्यार्थियों को मंत्री और अधिकारी के रूप में देश-प्रदेश की व्यवस्थाओं का संचालन कर, जनसामान्य का कल्याण और सेवा करते हुए देखना चाहते हैं।

**प्रधानमंत्री श्री मोदी से विश्व के बड़े मंच की गरिमा**

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में विश्व में भारत का समय चल रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए संकल्पित हैं। भारतीयों ने ऐतिहासिक रूप से हर मुश्किल परिस्थिति में अपनी क्षमता और योग्यता के आधार पर दुनिया में पहचान बनाई है। नेताजी सुभाषचंद्र बोस इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। ब्रिटिश राज के दौरान उन्होंने अपनी योग्यता के बल पर भारतीयता की श्रेष्ठता विश्व में स्थापित की। भारत में लोकतंत्र की सबसे अच्छी खूबसूरती है कि यहां सामान्यजन भी देश और राज्य का सर्वोच्च पद प्राप्त कर सकते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी इसके श्रेष्ठतम उदाहरण हैं। वर्तमान में विश्व के बड़े से बड़े मंच की गरिमा प्रधानमंत्री श्री मोदी की मौजूदगी से ही पूर्ण होती है।

**शासकीय स्कूलों की स्थिति में हो रहा सुधार**

मध्यप्रदेश के शासकीय स्कूलों की स्थिति में निरंतर सुधार हो रहा है। राज्य सरकार बच्चों के लिए सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्हें श्रेष्ठतम शैक्षणिक सुविधाएं और अनुभव देने के उद्देश्य से ही प्रदेश में सांदीपनि विद्यालय की स्थापना हो रही है।

**5 लाख से अधिक विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरित**

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले 15 सालों में 1300 करोड़ रुपये से 5 लाख से अधिक विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरित किए। लगभग 3 हजार करोड़ रुपये से एक करोड़ से अधिक साइकिलें वितरित की गईं। वहीं, टॉपर विद्यार्थियों को 250 करोड़ रुपये से 23 हजार से अधिक विद्यार्थियों को स्कूटी दी जा चुकी है। बदलते दौर में प्रदेश के युवा नौकरी करने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनें इसके लिए राज्य सरकार औद्योगीकरण का अभियान चला रही है।

# प्रधानमंत्री श्री मोदी धार जिले में देश के पहले पीएम मित्र पार्क का 17 सितंबर को करेंगे शिलान्यास

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 17 सितंबर को ग्राम भैसोला, बदनावर जिला धार में आगमन सहित वहां अन्य कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की यात्रा से जनजातीय बहुल मालवा अंचल में किसानों को एक बहुत बड़ी सौगात मिलने जा रही है। प्रदेश का धार, झाबुआ, उज्जैन और निमाड़ का खरगोन, बड़वानी सबसे बड़ा कपास उत्पादक क्षेत्र है। ऐसे में केंद्र सरकार मध्यप्रदेश में कॉटन आधारित बड़े इंडस्ट्रियल पार्क की स्थापना करने जा रही है, यह देशभर में मंजूर 7 पीएम मित्र पार्क में से पहले पार्क का भूमि-पूजन होने जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मित्र पार्क से 1 लाख प्रत्यक्ष और 2 लाख से अधिक अप्रत्यक्ष, कुल 3 लाख रोज़गार के अवसर सृजित होंगे।

**स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का होगा शुभारंभ**

प्रधानमंत्री श्री मोदी 17 सितम्बर को 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान का शुभारंभ 'सुमन सखी' चैटबॉट को लॉन्च करेंगे। पीएम मित्र पार्क का शिलान्यास करेंगे। जनजातीय स्व-सहायता समूहों से स्वदेशी उत्पादों की खरीद और यूपीआई से भुगतान, सेवा पर्व एवं आदि कर्मयोगी अभियान का शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री 'एक बगिया माँ के नाम' अभियान के तहत महिला लाभार्थियों को पौधों का वितरण, एक करोड़ सिकल सेल कार्ड के वितरण सहित 'स्वदेशी पखवाड़े' का शुभारंभ भी करेंगे।

# जीएसटी सुधार, आम आदमी को सुविधा और समृद्धि देने वाला उपहार

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में मंत्रिपरिषद की बैठक के पहले मंत्रीगण को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में नये जनरेशन के जीएसटी रिफॉर्म के माध्यम से जो सुधार किया है, वह आम आदमी, किसानों, एमएसएमई, मध्यम वर्ग, महिलाओं और युवाओं के जीवन को स्वावलंबी बनायेगा। यह आम आदमी के जीवन को सुविधा देने वाला उपहार है। इस बार पूरा देश स्वदेशी से समृद्धि के संकल्प के साथ दीपावली मनाएगा। स्वदेशी से स्वावलंबन के दीप घर-घर जलेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सब को जीएसटी सुधारों की जानकारी जन-जन तक पहुंचानी चाहिए। संचार के सभी माध्यमों से इसका प्रचार-प्रसार किया जाये। प्रदेशवासियों के लिए गर्व का विषय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 17 सितंबर को धार जिले के बदनावर में पीएम मित्र पार्क का शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार, स्वदेशी, एक पेड़ माँ के नाम, एक बगिया माँ के नाम, पीएम-जनमन योजना, धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान और मिशन कर्मयोगी की थीम पर कार्यक्रम आयोजित होगा।

# पीएम मित्र पार्क से प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया और विकसित भारत के संकल्प को करेंगे साकार

**कोलकाता,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कोलकाता में आयोजित निवेश संभावनाओं पर इंटरैक्टिव सेशन को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में उत्पादित आर्गेनिक कॉटन की मांग अनेक देशों में है। प्रदेश टेक्सटाइल का हब बनने की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में 7 पीएम मित्र पार्क स्वीकृत किये, उसमें से पहले पीएम मित्र पार्क का भूमिपूजन करने प्रधानमंत्री श्री मोदी धार जिले में आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों का आह्वान किया कि वे मध्यप्रदेश आएं, राज्य सरकार निवेशकों को पीएम मित्र पार्क में हरसंभव सहायता और सुविधा उपलब्ध कराएगी। धार का पीएम मित्र पार्क भारत के औद्योगिक विकास की यात्रा में महत्वपूर्ण आयाम जोड़ेगा।

**भरोसेमंद और अवसरों से भरा राज्य**

मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों के इंटरैक्टिव सेशन में मध्यप्रदेश को निवेश और औद्योगिक विकास के लिए सबसे भरोसेमंद और अवसरों से भरा राज्य बताया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति, देश के मध्य में स्थित होने के कारण उत्तम कनेक्टिविटी, विश्वस्तरीय आधारभूत ढांचा और औद्योगिक शांति इसे उद्योगपतियों के लिए आदर्श निवेश स्थल बनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह पार्क राज्य के टेक्सटाइल और गारमेंट सेक्टर को वैश्विक मानकों तक पहुंचाने के साथ रोज़गार और आर्थिक विकास में नए आयाम खोलेगा। कोलकाता इंटैक्टिव सेशन में 14 हजार 600 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए।

**हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेंगे**

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मित्र पार्क से राज्य में उत्पादन और प्रोसेसिंग के उच्च मानक स्थापित होंगे, जिससे निवेशकों को लाभ के साथ रोज़गार के अवसर भी सुनिश्चित होंगे। मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि आइये हम संकल्प लें कि स्वदेशी अपनायेंगे, हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेंगे और प्रधानमंत्री के 'मेक इन इंडिया' और विकसित भारत के संकल्प को पूरी शक्ति के साथ साकार करेंगे।

## 6 सितम्बर

### न्यायपालिका उम्मीदों और संविधान के आदर्शों के बीच पुल - सीजेआई

● सीजेआई श्री बीआर गवई ने कहा कि भारत और नेपाल दोनों देशों में

न्यायपालिका लोगों की उम्मीदों और संविधान में दर्ज आदर्शों के बीच एक पुल की तरह काम करती है। उन्होंने कहा कि अदालतों का काम सिर्फ विवादों का निपटारा करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि न्याय, समानता और मानव गरिमा के सिद्धांत व्यवहार में लागू हों। नेपाल-भारत न्यायिक संवाद-2025 में बोलते हुए सीजेआई श्री गवई ने कहा कि अदालतें कानून की व्याख्या करते हुए शासन के विकास को दिशा देती हैं, जनता का भरोसा बढ़ाती हैं और यह साबित करती हैं कि लोकतंत्र सिर्फ संस्थाओं से नहीं, बल्कि उन मूल्यों से चलता है जिन्हें वे अपनाती और दर्शाती हैं। सीजेआई गवई ने यह भी कहा कि आज की न्यायपालिका सिर्फ कानून की किताबों तक सीमित नहीं है। अब वह समाज की बुनियादी संरचनाओं की रक्षा करने के साथ-साथ नैतिक और सामाजिक सुधारों को भी बढ़ावा देती है।

● यूरोपियन संघ (ईयू) ने गूगल पर करीब 3.5 अरब डॉलर का भारी जुर्माना लगाया है। यूरोपियन संघ ने यह जुर्माना गूगल की प्रतिस्पर्द्धा-विरोधी विज्ञापन तकनीक (एडटेक) इस्तेमाल करने के लिए लगाया है। वहीं, गूगल ने इस फैसले को गलत बताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी यूरोपियन संघ के इस फैसले की आलोचना की है।

## 7 सितम्बर

### चीन से सीमा विवाद सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौती - सीडीएस

● चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि भारत

के सामने सबसे बड़ी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती चीन के साथ सीमा विवाद है। इसके बाद पाकिस्तान की प्रॉक्सी वॉर और उसकी 'हजार जख्म देकर भारत को कमजोर करने' की रणनीति दूसरी सबसे बड़ी चुनौती है। गोरखपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनरल चौहान ने कहा कि भारत को दो परमाणु संपन्न दुश्मनों से एक साथ खतरा है। इसलिए हमें हर तरह की पारंपरिक जंग के लिए तैयार रहना होगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्रीय अस्थिरता और भविष्य की हाईटेक जंग की तैयारी भी बड़ी चुनौतियां हैं।

● कनाडा में विदेशी छात्रों के लिए सख्ती बढ़ रही है। इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज एंड सिटीजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2025 में स्टूडेंट वीजा के 62 प्रतिशत आवेदन खारिज किए गए। यह वर्ष 2024 के 52 प्रतिशत और पिछले वर्षों के औसतन 40 प्रतिशत रिजेक्शन रेट से ज्यादा है। रिकॉर्ड बताते हैं कि यह रिजेक्शन रेट पिछले दस वर्षों में सबसे ज्यादा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इसका सबसे ज्यादा नुकसान भारतीय छात्रों को हुआ है। उनके 80 प्रतिशत वीजा आवेदन खारिज कर दिए गए। उल्लेखनीय है कि कनाडा में घरों की कमी हो रही है, इंफ्रास्ट्रक्चर पर दबाव बढ़ रहा है और स्थानीय राजनेताओं द्वारा विदेशियों की संख्या कम करने की मांग हो रही है। इन तीन वजहों के चलते ही वीजा रिजेक्शन बढ़ गया है।

## 8 सितम्बर

### भारत-भूटान के बीच हाइड्रोपावर समझौता

● भारत और भूटान के बीच स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए

570 मेगावॉट वांगचू हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को लेकर समझौता हुआ है। यह समझौता अदाणी पावर लिमिटेड और भूटान की ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन के बीच हुआ। भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे ने इस समझौते को भारत-भूटान के स्वच्छ ऊर्जा सहयोग में एक ऐतिहासिक कदम बताया है। उल्लेखनीय है कि भूटान की जीडीपी का करीब 25 प्रतिशत हिस्सा हाइड्रोपावर निर्यात से आता है। भारत-भूटान का नया समझौता भूटान को स्थिर कमाई देगा। वहीं, भारत को ग्रीन ऊर्जा का मजबूत स्रोत और भारत के पूर्वोत्तर में विकास को नई ताकत देगा।

● जर्मनी ने यूरोप का अब तक का सबसे शक्तिशाली सुपरकम्प्यूटर 'जुपिटर' लॉन्च किया। यह सिस्टम इतना तेज है कि हर सेकंड में एक के बाद 18 शून्य तक गणनाएं कर सकता है। इससे यूरोप पहली बार एक्सस्केल कम्प्यूटिंग के स्तर पर पहुंच गया है। 'जुपिटर' को जुलिच सुपरकम्प्यूटिंग सेंटर में लगाया गया है। इसकी लागत करीब 5 हजार168 करोड़ रुपये है। यह सुपरकम्प्यूटर बड़े एआई मॉडल तैयार करने और जटिल रिसर्च के लिए अहम साबित होगा।

## 9 सितम्बर

### चैटबॉट को हिंदी सिखाने के लिए मेटा कर रही है नियुक्ति

● मेटा इंस्टाग्राम, वाट्सएप और मैसेंजर के लिए एआई चैटबॉट डिजाइन कर रही है। इन चैटबॉट को हिंदी, स्पेनिश, पुर्तगाली और इंडोनेशियाई भाषा सिखाने के लिए अमेरिका में इन भाषा में पारंगत लोगों की नियुक्ति की जा रही है। इन्हें प्रति घंटे 55 डॉलर (4800 रुपये) ऑफर किए जा रहे हैं। इसके साथ ही आवेदकों को स्टोरी टेलिंग और कैरेक्टर डेवलपमेंट में 6 वर्ष का अनुभव होना चाहिए।

● ब्रिटेन की नई गृह मंत्री शबाना महमूद ने आव्रजन पर सख्त रुख अपनाया। उन्होंने चेतावनी दी कि जो देश अवैध प्रवासियों को वापस नहीं लेंगे, उनके लिए वीजा निलंबित हो सकता है। महमूद ने 'फाइव आइज' समूह की बैठक में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और कनाडा के मंत्रियों से मुलाकात की। हाल ही में एक हजार से अधिक प्रवासी अवैध रूप से ब्रिटेन पहुंचे हैं। महमूद ने कहा कि जो देश सहयोग नहीं करेंगे, उनके लिए वीजा कटौती संभव है। उनका मुख्य उद्देश्य देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

## 10 सितम्बर

### अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप के लिए 30 सितंबर तक होंगे आवेदन

● अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप के लिए आवेदन शुरू हो गए हैं। प्रथम चरण में आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर है। इसमें ऐसी छात्राएं आवेदन कर सकती हैं जिन्होंने सरकारी स्कूलों से कक्षा 10वीं और 12वीं की पढ़ाई की हो और साथ ही किसी प्रामाणिक उच्च शिक्षा संस्थान में डिग्री या डिप्लोमा कार्यक्रम में प्रवेश लिया हो। इसमें सभी सरकारी और चुनिंदा निजी संस्थान शामिल होंगे। डिग्री या डिप्लोमा कार्यक्रम की अवधि के लिए प्रति वर्ष 30 हजार रुपये दिए जाएंगे। ढाई लाख छात्राओं को स्कॉलरशिप मिलेगी। चार वर्षीय बीएससी नर्सिंग प्रोग्राम करने वाली छात्राओं को उन चार वर्षों में 1.20 लाख रुपये की छात्रवृत्ति मिलेगी।

● डीपटेक फाउंडर्स ऐसे स्टार्टअप स्थापित कर रहे हैं, जिनके लिए वर्षों के रिसर्च, डेवलपमेंट, भारी पूंजी और धैर्य की जरूरत होती है। ऐसे स्टार्टअप देश-दुनिया में परिवर्तनकारी समाधान लाने का वादा करते हैं। ये इकोसिस्टम को उपभोक्ता-केंद्रित ऐप और मार्केटप्लेस से आगे साइंस की मुश्किल समस्याएं सुलझाने वाले स्टार्टअप इकोसिस्टम की ओर ले जा रहे हैं। मसलन, बेंगलुरु स्थित जोवियन एयरोस्पेस अंतरिक्ष में सैटेलाइट का एक समूह तैनात करने की योजना बना रहा है। ये सैटेलाइट जहाजों और विमानों सहित संपत्तियों पर नजर रखने के लिए सिग्नल इंटेलिजेंस देंगे। बेंगलुरु की ही दिगंतारा का मिशन अंतरिक्ष में फैला मलबा हटाने के लिए डिटेक्टर बनाना है। चेन्नई की द ईप्लेन कंपनी इलेक्ट्रिक अर्बन एयर-टैक्सी डिजाइन कर रही है, जो शहरी ट्रैफिक को सुगम बनाएगी। उल्लेखनीय है कि डीपटेक टेक्नोलॉजी गहरे वैज्ञानिक शोध, नए इनोवेशन और लंबे समय के रिसर्च पर आधारित होती है।

## 11 सितम्बर

### मीडिया संस्थानों में फैक्ट-चेकिंग सिस्टम और लोकपाल अनिवार्य करने की सिफारिश

● फेक न्यूज को लोकतंत्र और कानून

व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा बताते हुए संसद की स्थायी समिति ने सख्त कदम उठाने की सिफारिश की है। समिति ने कहा

है कि प्रिंट, डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थानों में फैक्ट-चेकिंग सिस्टम और आंतरिक 'लोकपाल' अनिवार्य हो। इसके साथ ही फेक न्यूज फैलाने वालों पर जुर्माना बढ़े। समिति ने सिफारिशें की हैं कि फेक न्यूज की परिभाषा स्पष्ट हो, सीमा पार फेक न्यूज से निपटने के लिए अंतर-मंत्रालयी टास्क फोर्स बने और मीडिया साक्षरता स्कूली शिक्षा में शामिल हो। समिति ने एआई से महिलाओं और बच्चों को लेकर बनाए जा रहे फेक कंटेंट पर भी चिंता जताई है। ऐसे मामलों में सख्त सजा और बैन जैसे कदम उठाने को कहा है। एआई से बने कंटेंट पर लेबलिंग अनिवार्य करने और इसके लिए लाइसेंसिंग की व्यवस्था पर विचार करने को भी कहा है।

● निर्वाचन आयोग जल्द पूरे देश में वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तारीख तय करेगा। अधिकारियों के मुताबिक, यह प्रक्रिया साल के अंत से पहले शुरू हो सकती है। आयोग का उद्देश्य है कि वोटर लिस्ट से अवैध प्रवासियों को हटाया जाए और कोई भी योग्य नागरिक लिस्ट से ना छूटे। दिल्ली में राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों की बैठक हुई। इसमें बताया गया कि अगले साल 5 राज्यों (असम, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल और पुडुचेरी) में विधानसभा चुनाव हैं। इसलिए एसआईआर की प्रक्रिया जल्द शुरू कर सकते हैं। बैठक में यह भी तय किया गया कि वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए जरूरी दस्तावेजों को आसान बनाया जाएगा।

● वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि कैसे सोने के नैनोकण अमीनो एसिड और लवण जैसे कुछ दैनिक अणुओं के संपर्क में आने पर अपना व्यवहार बदल देते हैं, जिससे अधिक स्मार्ट बायोसेंसर, बेहतर नैदानिक उपकरण और यहां तक कि अधिक विश्वसनीय दवा वितरण प्रणालियों का मार्ग प्रशस्त होता है। उनका रंग और प्रकाशिक प्रतिक्रिया इस बात पर निर्भर करती है कि वे अकेले हैं या एक साथ समूहित हैं। जब वे एकत्रित होते हैं, तो उनके प्रकाशिक गुण बदल जाते हैं, यही कारण है कि बायोसेंसर और इमेजिंग में उनका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

## 12 सितम्बर

### भारत-मॉरीशस में हुए कई द्विपक्षीय समझौते

● प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र

रामगुलाम से मुलाकात की। इस दौरान भारत-मॉरीशस में विज्ञान-प्रौद्योगिकी, समुद्र विज्ञान और जल-मानचित्रण जैसे कई अहम द्विपक्षीय समझौते हुए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत और मॉरीशस का रिश्ता केवल साझेदारी का नहीं, बल्कि परिवार जैसा है। वहीं, प्रधानमंत्री श्री रामगुलाम ने काशी में मिले स्वागत को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि भारत हमेशा मॉरीशस की प्रगति में साथ रहा है।

● चीन की राजधानी बीजिंग में चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेज के रिसर्चर्स ने एक नया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम पेश किया। इसका नाम 'स्पाइकिंगब्रेन 1.0' है। यह दुनिया का पहला ब्रेन-जैसा एआई मॉडल है। यह मॉडल पारंपरिक एआई सिस्टम्स की तुलना में 100 गुना तेज काम करता है और बहुत कम डेटा में 'तैयार' हो जाता है। यह मॉडल लंबे डेटा सीक्वेंस को प्रोसेस करने में कुशल है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

**एजेंसी देना है**

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश के छिन्दवाड़ा, धार, रतलाम, राजगढ़ एवं नीमच में एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालयीन समय में संपर्क करें
0755-2760006

प्रमुख आकर्षण
• कॅरियर की ख़बरें
• सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
• खेल जगत की उल्लेखनीय ख़बरें
• सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
• मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
• विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही ख़रीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

वर्ष 42, अंक 38 15.09.2025 से 21.09.2025

रोज़गार और निर्माण

rojgaraurnirman.in

• प्रबंध संचालक - दीपक सक्सेना
• सम्पादक - रंजना चितले
• प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
• प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
• आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
• वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

## सम्पादकीय

# हरियाली, समृद्धि और महिला सशक्तिकरण का अनुपम उदाहरण है एक बगिया मां के नाम परियोजना

मध्यप्रदेश ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि विकास केवल बड़े उद्योगों और शहरी परियोजनाओं से नहीं, बल्कि गांवों, खेतों और परिवारों की खुशहाली से मापा जाता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम अभियान 2.0' से प्रेरणा लेकर मध्यप्रदेश में 'एक बगिया मां के नाम' योजना प्रारंभ हुई। इस योजना का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में यह परियोजना प्रदेश के सिंगरौली, खंडवा, रायसेन और देवास जैसे जिलों में लक्ष्य से अधिक सफलतापूर्वक संचालित हुई है। यह उपलब्धि विकास के साथ-साथ सामाजिक बदलाव की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक महिला को आत्मनिर्भर बनाना है। योजना के अंतर्गत स्व-सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को फल, सब्जी, औषधीय पौधों और अन्य उपयोगी वृक्षों की बगिया लगाने के लिए आर्थिक सहायता, प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण, पोषण सुरक्षा, आय वृद्धि और पारिवारिक समृद्धि को साथ लेकर चलना इस योजना का लक्ष्य है। प्रदेश में 31 हजार 300 महिलाओं को योजना से लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। यह संख्या स्वयं में इस बात का प्रमाण है कि योजना व्यापक स्तर पर लागू हो रही है। महिलाओं को बगिया लगाने, पौधों की देख-रेख, जैविक खेती, बीज संरक्षण और विपणन तक की सुविधाएं दी जा रही हैं। इससे वे केवल परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी नहीं संभाल रही हैं, बल्कि गांव की पर्यावरणीय संरचना को भी मजबूत कर रही हैं। इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसका संचालन स्व-सहायता समूह की महिलाओं के माध्यम से हो रहा है। स्व-सहायता समूह पहले से ही छोटे बचत कार्यक्रमों, कुटीर उद्योगों और सामूहिक आर्थिक गतिविधियों से जुड़ा है। अब उन्हें बगिया लगाने, पौधों की देख-रेख और जैविक खेती से जोड़कर आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया गया है। इससे महिलाओं में नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने का कौशल और आर्थिक सशक्तिकरण की भावना विकसित हो रही है। यह पहल उन महिलाओं के लिए लाभदायक है जो पहले परिवार की सीमाओं तक सीमित थीं। अब वे पर्यावरण संरक्षक, उत्पादक और ग्राम अर्थव्यवस्था की सक्रिय भागीदार बन रही हैं। एक बगिया मां के नाम परियोजना अंतर्गत किए जा रहे पौधरोपण की मध्यप्रदेश इलेक्ट्रिक डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा ड्रोन के माध्यम से मॉनिटरिंग की जा रही है ताकि चयनित जमीन, गड्ढे सहित पौधों की यथास्थिति के बारे में आसानी से जानकारी प्राप्त हो सके। इसके साथ ही प्रदेश में पहली बार पौधरोपण का कार्य सिपरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जा रहा है। जलवायु के साथ ही किस जमीन पर कौन सा फलदार पौधा उपयोगी है, पौधा कब और किस समय लगाया जाएगा, पौधों की सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी कहां पर उपलब्ध है, यह सब वैज्ञानिक पद्धति (सिपरी सॉफ्टवेयर) के माध्यम से पता लगाया जा रहा है। साथ ही जमीन के उपयोगी नहीं पाए जाने पर पौधरोपण का कार्य नहीं होगा। परियोजना अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रथम 3 जिले, 10 जनपद पंचायत और 25 ग्राम पंचायत को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके साथ ही पर्यवेक्षण के लिए अलग से एक डैशबोर्ड बनाया गया है। इसके माध्यम से प्रतिदिन किस जिले में कितना कार्य हो रहा है, इसकी निगरानी की जा रही है। एक बगिया मां के नाम परियोजना का लाभ लेने के लिए चयनित हुई समूह की महिला के पास बगिया लगाने के लिए भूमि भी निर्धारित की गई है। चयनित महिला के पास न्यूनतम 0.5 डिसमिल या अधिकतम एक एकड़ जमीन होना अनिवार्य है। परियोजना के क्रियान्वयन में अभी तक 10 जिले आगे हैं। इसमें सिंगरौली, खंडवा, रायसेन, देवास, छिंदवाड़ा, आगर मालवा, बैतूल, खरगोन, सागर और बड़वानी जिले शामिल हैं। वहीं टॉप 10 ब्लॉक में चितरंगी, खंडवा, पंधाना, खालवा, बैढ़न, छैगांव माखन, पुनासा, देवसर, हरसूद और मुलताई शामिल है।

# भारत करेगा मलक्का स्ट्रेट में पेट्रोलिंग, सिंगापुर का मिला समर्थन

भारत आगामी दिनों में दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक मलक्का स्ट्रेट में पेट्रोलिंग शुरू करने जा रहा है। यह समुद्री मार्ग एशिया और वैश्विक व्यापार के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। भारत की यह पहल समुद्री सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक व्यापार के हित में महत्वपूर्ण कदम है। इससे भारत की नौसैनिक क्षमता बढ़ेगी और एशिया-प्रशांत क्षेत्र में उसकी भूमिका मजबूत होगी। साथ ही यह पहल समुद्री सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को भी बढ़ावा देगी। मलक्का स्ट्रेट वही जगह है, जहां से चीन का लगभग 80 प्रतिशत एक्सपोर्ट और इंपोर्ट का काम होता है। साथ ही दुनिया का 40 प्रतिशत तेल और मालवाहक जहाज इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं। इसलिए इसे ट्रेड लाइफलाइन भी कहा जाता है। भारत की इस पहल को सिंगापुर ने समर्थन दिया है। सिंगापुर खुद भी इस समुद्री मार्ग का महत्वपूर्ण हिस्सा है, भारत के साथ सुरक्षा सहयोग बढ़ाना चाहता है। इंडियन नेवी ने इस पेट्रोलिंग के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। समुद्री सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारत का उद्देश्य व्यापार मार्गों की रक्षा करना, समुद्री डकैती रोकना और ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित बनाए रखना है। मलक्का स्ट्रेट का रणनीतिक महत्व सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है। इस मार्ग की सुरक्षा से पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। चीन की आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर पड़ सकता है, जिससे भारत की समुद्री शक्ति और कूटनीतिक स्थिति मजबूत होगी।

मलक्का स्ट्रेट को दुनिया की समुद्री धमनी के नाम से भी जाना जाता है। यह बेहद संकरा मार्ग है, जो हिंद महासागर को प्रशांत महासागर से जोड़ता है। पश्चिमी एशिया से आने वाला भारत का 80 प्रतिशत कच्चा तेल और गैस इसी रास्ते से आता है। चीन, जापान, साउथ कोरिया जैसे बड़े देशों की ऊर्जा निर्भरता भी इसी रास्ते पर निर्भर है।

**- विकास तिवारी**

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

### 17 सितम्बर : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जन्मदिन विशेष

# मध्यप्रदेश को सेवा संकल्प के साथ समृद्धि की सौगात भी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 17 सितम्बर को मध्यप्रदेश आ रहे हैं। यह उनके जन्मदिन की तिथि है। उस दिन वे मध्यप्रदेश में एक ओर जनसेवा के लिए 'सेवा पखवाड़े' का शुभारंभ करेंगे और दूसरी ओर प्रदेशवासियों की समृद्धि के लिए 'पीएम मित्र पार्क' की आधारशिला भी रखेंगे। टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज के लिये यह पीएम मित्र पार्क धार जिले में स्थापित होने जा रहा है।

17 सितम्बर को प्रधानमंत्री अपनी जीवन यात्रा के 75 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं। उनकी यात्रा से मध्यप्रदेश को अनोखी सौगात मिलने जा रही है। ऐसी सौगात जिससे मध्यप्रदेश में समृद्धि बढ़ेगी और वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा भी। यह सौगात है मध्यप्रदेश में "पीएम मित्र पार्क"। यह पार्क टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज के लिये एक ऐसा परिसर होगा जिसमें कच्चे कपास यानि कपास के रेशे से विश्व स्तर का वस्त्र निर्माण होगा। केंद्र सरकार पूरे देश में ऐसे कुल सात पार्क बनाने जा रही है। इनमें से एक पार्क मध्यप्रदेश में स्थापित होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अपने जन्मदिन पर धार जिले की बदनावर तहसील के अंतर्गत भैसोला गांव में इस पार्क की आधारशिला रखेंगे। पीएम मित्र पार्क की आधारशिला का आयोजन कई बिन्दुओं से महत्वपूर्ण है। यह मोदी जी का मध्यप्रदेश के प्रति विशेष लगाव है जिसके चलते वे अपने जन्मदिन पर इस पार्क की आधारशिला रखने जा रहे हैं। दूसरी महत्वपूर्ण बात है कि इस योजना के अंतर्गत बनने वाला यह देश का पहला पार्क है। देश के अन्य राज्यों में बनने वाले पीएम मित्र पार्क की आधारशिला इसके बाद रखी जायेगी। उनके जन्मदिन पर इस पार्क की आधारशिला के रूप मध्यप्रदेश को मिलने वाली यह दूसरी बड़ी सौगात है। इससे पहले वर्ष 2022 में मोदी जी के जन्मदिन पर मध्यप्रदेश को चीतों की सौगात मिली थी। प्राकृतिक संपदा और सौन्दर्य से परिपूर्ण मध्यप्रदेश चीता विहीन हो गया था। लेकिन मोदी जी की पहल पर नामीबिया से चीते भारत आये और मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में छोड़े गये। मध्यप्रदेश से उनके विशेष लगाव चलते ही मध्यप्रदेश को अपनी विशिष्ट योजनाओं पर केन्द्र से सहज सहयोग मिल रहा है। इसी कड़ी में यह पीएम मित्र पार्क की अनूठी सौगात है। जिससे वस्त्र निर्माण उद्योग में मध्यप्रदेश की ख्याति वैश्विक स्तर पर स्थापित होगी।

मध्यप्रदेश को समृद्धि की यह सौगात मिलने में यदि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विशेष अनुग्रह है वहीं स्थान के चयन में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का विशेष अध्ययन और दूरदर्शिता भी है। मालवा के इस क्षेत्र की अनेक विशेषताएं हैं। प्रागैतिहासिक कालीन मानव सभ्यता के लिये विख्यात मालवा क्षेत्र सांस्कृतिक दृष्टि से भी उन्नत रहा है। यह कपास उत्पादन के लिये भी अपनी अलग पहचान रखता है। इसके अतिरिक्त यह क्षेत्र अनुसूचित जनजातीय जनसंख्या बाहुल्य क्षेत्र है। अब इस पीएम मित्र पार्क स्थापित होने के बाद मालवा की संस्कृति से पूरा विश्व परिचित होगा, दूसरा क्षेत्र के कपास उत्पादन किसानों को लाभ होगा और तीसरा इस क्षेत्र के अनुसूचित जनजातीय समाज को रोज़गार और विकास के अधिक अवसर मिलेंगे।

### टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज के लिए 'पीएम मित्र पार्क' योजना का स्वरूप

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर और सशक्त भारत संकल्प के अनुरूप भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय ने 'एकीकृत वस्त्र पार्क योजना' तैयार की है। इसके अंतर्गत 'पीएम मित्र पार्क' विकसित किये जा रहे हैं। इनका पूरा नाम 'पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल' है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देशभर में ऐसे सात पार्क स्थापना को स्वीकृति दी है। इन पार्कों के निर्माण के वर्ष 2027-28 तक के लिये 4 हजार 445 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह योजना वर्ष 2021 में तैयार की गई थी। इसका उद्देश्य कपड़ा निर्माण उद्योगों को बढ़ावा देना है। परिधान के निर्माण में भारत को अग्रणी बनाना है। यहां स्थापित कपड़ा इकाइयों का स्वरूप विश्व स्तरीय होगा। इनका उत्पादन भी विश्व स्तरीय होगा। यह टेक्सटाइल पार्क अपने आप में संपूर्ण होंगे। यह एक ऐसी परिकल्पना है जिसमें एक ही स्थान पर कताई, बुनाई, प्रसंस्करण, रंगाई, छपाई से लेकर परिधान निर्माण तक सारे काम एक ही स्थान पर होंगे। अर्थात कच्चा कपास आयेगा और स्तरीय वस्त्र तैयार होकर ही पार्क से निकलेगा। एक ही स्थान पर एकीकृत वस्त्र निर्माण श्रृंखला से उद्योग की लागत भी कम होगी जिसका प्रभाव वस्त्र के मूल्यों पर भी पड़ेगा। इससे भारत अपनी आवश्यकता की पूर्ति के साथ निर्यात करके वैश्विक वस्त्र मानचित्र पर भारत की साख भी स्थापित कर सकेगा। प्रत्येक पार्क में लगभग एक लाख लोगों को प्रत्यक्ष और दो लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रोज़गार मिलेगा।

### मध्यप्रदेश में सबसे पहले रखी जा रही है 'पीएम मित्र पार्क' की आधारशिला

इन्दौर संभाग के धार जिला अंतर्गत बदनावर के पास भैसोला ग्राम के समीप यह पार्क कुल 2158 एकड़ भूमि में स्थापित होगा। इस पार्क के निर्माण पर लगभग 2000 करोड़ रुपये की लागत आने की संभावना है।

आज से लगभग ढाई सौ वर्ष पहले लोकमाता अहिल्याबाई ने भी कपास उत्पादन एवं वस्त्र निर्माण की लघु इकाइयों को प्रोत्साहित किया था। उनके समय मालवा क्षेत्र की महेश्वर साड़ी की साख अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रही है। निर्माण की पूर्णता के बाद यह पार्क टेक्सटाइल इंडस्ट्री का विशाल हब बनेगा और कपड़ा उद्योग में मध्यप्रदेश की साख अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित होगी। इस पार्क में कताई, बुनाई, प्रोसेसिंग, रंगाई, छपाई, और परिधान निर्माण जैसी गतिविधियां होंगी।

इस पार्क का प्रबंधन भारत सरकार और मध्यप्रदेश शासन द्वारा संयुक्त रूप से किया जायेगा। इसके प्रबंधन के लिये गठित 'एमपीआईडीसी' में मध्यप्रदेश राज्य शासन की सहभागिता 51 प्रतिशत और केन्द्र सरकार की भागीदारी 49 प्रतिशत होगी। मध्यप्रदेश सरकार ने इस पार्क की अधोसंरचना विकास के लिए टेंडर भी जारी कर दिये हैं। प्रथम चरण के अधोसंरचना विकास पर लगभग 773 करोड़ रुपये की लागत आना है। इस टेक्सटाइल पार्क में निवेश के लिए निवेश के प्रस्ताव भी आ गये हैं। इस पार्क के ले-आउट को अंतिम रूप देने से पहले विश्व स्तर की कपड़ा इकाइयों से सुझाव लिये गये हैं।

### प्रधानमंत्री के चार मंत्रों के अनुरूप है यह 'पीएम मित्र पार्क'

भारत को आत्मनिर्भर बनाने के अपने संकल्प को पूरा करने के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ मंत्र दिये हैं। इनमें 'जो जितना पिछड़ा उतनी प्राथमिकता', दूसरा वोकल फॉर लोकल, तीसरा 'GYAN का सम्मान' और चौथा 'विकास भी विरासत भी'। धार जिले में स्थापित होने जा रहे 'पीएम मित्र पार्क' में मोदीजी के ये सभी विकास सूत्र सार्थक होंगे। यह पीएम मित्र पार्क मालवा क्षेत्र और प्रदेश के विकास को नई ऊंचाइयां देगा। यहां स्थापित होने वाली वस्त्र निर्माण इकाइयां स्थानीय कपास और रेशों के आधार पर निर्मित होंगी। ये उत्पाद वैश्विक स्तर का होगा और इसे अंतर्राष्ट्रीय बाजार मिलेगा। विरासत की दृष्टि से धार क्षेत्र केवल मध्यप्रदेश ही नहीं देश के स्तर पर भी महत्वपूर्ण है। मांडू और भोजशाला के अवशेष देखने विश्व स्तर के पर्यटक आते हैं। इस पीएम मित्र पार्क का स्वरूप वैश्विक होगा। इससे इस क्षेत्र की विरासत के प्रति वैश्विक आकर्षण बढ़ेगा और सबसे महत्वपूर्ण है इस टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज सेक्टर के निर्माण से स्थानीय गरीब, किसान युवा और महिलाओं को प्रत्यक्ष और परोक्ष रोज़गार भी मिलेगा जो प्रदेश में सामाजिक समृद्धि के नये द्वार खोलेगा।

### सेवा पखवाड़े का शुभारंभ भी करेंगे

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अपने जन्मदिन 17 सितम्बर को टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज के लिए पीएम मित्र पार्क की आधारशिला रखने के साथ दो महत्वपूर्ण अभियान की शुरुआत भी करेंगे। इनमें एक 'स्वस्थ्य नारी सशक्त परिवार' और दूसरा 'सेवा पखवाड़ा'। नारी परिवार की ही नहीं समाज और राष्ट्र की भी केन्द्र होती है। यदि नारी स्वस्थ्य है तो परिवार, समाज और राष्ट्र समृद्ध होंगे। इसी बात को ध्यान में रखकर सरकार प्रधानमंत्री के जन्मदिन 17 सितम्बर से 'स्वस्थ्य नारी तो सशक्त परिवार' अभियान आरंभ करने जा रही है। इस अभियान के अंतर्गत महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाने के साथ चर्चा-संगोष्ठियों में स्वस्थ्य रहने के प्रति जागरूक भी किया जायेगा।

इस अभियान का शुभारंभ करने के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी अपनी मध्यप्रदेश यात्रा में दूसरा अभियान 'सेवा पखवाड़े' का शुभारंभ भी करेंगे। इस पखवाड़े को सेवा पर्व के रूप में मनाया जायेगा। इस दौरान प्रदेश में नागरिक सेवाओं और सुविधाओं की बेहतरी और इन्हें सहज रूप से नागरिकों तक पहुंचाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस दौरान सभी जिलों में सेवा गतिविधियों के माध्यम से राज्य सरकार अपनी जनहितकारी योजनाओं से जन सामान्य को अवगत करायेगी तथा सेवा शिविर लगा उनके क्रियान्वयन में आने वाली कठिनाइयों का निराकरण भी किया जायेगा। इस अभियान में जिला प्रशासन, स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक, राजनैतिक एवं धार्मिक संगठनों से जुड़े कार्यकर्ता भी अपनी सहभागिता करेंगे। सेवा पखवाड़े के दौरान 17 से 24 सितम्बर तक रक्तदान शिविर और स्वास्थ्य शिविर भी लगाये जायेंगे। 27 सितम्बर को 'नमो मैराथन' का आयोजन किया जाएगा। पर्व के दौरान विकास मेले एवं प्रदर्शनी के अलावा विद्यार्थियों की प्रतियोगिता भी होंगी। साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

इस अभियान की सफलता के लिए सात प्रमुख विभागों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं विभिन्न जिलों में आकस्मिक निरीक्षण भी करेंगे और वहां हो रहे सेवा पर्व कार्यक्रम में शामिल होंगे।

**- रमेश शर्मा**

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

# भारतीय नौवहन निगम लिमिटेड

(भारत सरकार का उद्यम)
शिपिंग हाउस, 245, मैडम कामा रोड, नरीमन पॉइंट, मुंबई-400021, भारत
टेलीफोन: 22026666 * वेबसाइट: www.shipindia.com * ट्विटर: @shippingcorp * CIN No. : L63030MH1950GOI008033

## सहायक प्रबंधकों एवं कार्यकारियों की भर्ती (विज्ञापन संख्या HR 06/2025)
## ऑनलाइन पंजीकरण और शुल्क का भुगतान – 06/09/2025 से 27/09/2025 तक

भारतीय नौवहन निगम लिमिटेड पचपन (55) सहायक प्रबंधकों और बीस (20) कार्यकारियों के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।

**पद / श्रेणी : सहायक प्रबंधक (E2)***

| क्र. सं. | विभाग | रिक्तियाँ | अनिवार्य योग्यता |
|---|---|---|---|
| 1 | प्रबंधन | 20 | दो वर्ष का फुल-टाइम एमबीए / एमएमएस / समतुल्य कोर्स / पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा बिजनेस मैनेजमेंट / मैनेजमेंट / शिपिंग/ लॉजिस्टिक्स / मरीन / सप्लाई चेन मैनेजमेंट / इंटरनेशनल ट्रेड / फॉरेन ट्रेड / फाइनेंस में, यूजीसी / एआईसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्थान / कॉलेज से, न्यूनतम 60% अंकों के साथ। |
| 2 | वित्त | 8 | इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) से योग्य चार्टर्ड एकाउंटेंट (CA) जिसके साथ अनिवार्य आर्टिकलशिप और ICAI की सदस्यता पूरी की हो, या ICMAI (इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया) से योग्य कॉस्ट अकाउंटेंट (CMA) जिसके साथ अनिवार्य आर्टिकलशिप और ICMAI की सदस्यता पूरी की हो। |
| 3 | मानव संसाधन / कार्मिक | 4 | दो वर्ष का फुल-टाइम एमबीए/ एमएमएस/ स्नातकोत्तर डिग्री या स्नातकोत्तर डिप्लोमा/ समकक्ष कोर्स जिसमें विशेषता पर्सनल मैनेजमेंट/ एचआरडी/ एचआरएम/ इंडस्ट्रियल रिलेशंस/ लेबर वेलफेयर में हो, यूजीसी / एआईसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान/कॉलेज से न्यूनतम 60% अंक के साथ। |
| 4 | विधि | 2 | विधि में पूर्णकालिक डिग्री (स्नातक के बाद 3 वर्ष / 12वीं के बाद 5 वर्ष) यूजीसी/बीसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान/कॉलेज से न्यूनतम 60% अंकों के साथ। |
| 5 | इंजीनियरिंग (सिविल) | 2 | सिविल इंजीनियरिंग में 4 वर्ष की पूर्णकालिक स्नातक डिग्री/ समकक्ष कोर्स यूजीसी / एआईसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान/कॉलेज से न्यूनतम 60% अंकों के साथ। |
| 6 | इंजीनियरिंग (इलेक्ट्रिकल) | 2 | इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 4 वर्ष की पूर्णकालिक स्नातक डिग्री/समकक्ष कोर्स यूजीसी / एआईसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान/कॉलेज से न्यूनतम 60% अंकों के साथ। |
| 7 | इंजीनियरिंग (मैकेनिकल) | 8 | मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 4 वर्ष की पूर्णकालिक स्नातक डिग्री/समकक्ष कोर्स यूजीसी / एआईसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान/कॉलेज से न्यूनतम 60% अंको के साथ। |
| 8 | इंजीनियरिंग (सूचना प्रौद्योगिकी) | 3 | इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी/कंप्यूटर साइंस में 4 वर्ष की पूर्णकालिक स्नातक डिग्री/समकक्ष कोर्स या यूजीसी / एआईसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान/कॉलेज से 2 वर्ष की पूर्णकालिक मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन्स (MCA) न्यूनतम 60% अंकों के साथ। |
| 9 | फायर एंड सेफ्टी | 2 | फायर एंड सेफ्टी इंजीनियरिंग में 4 वर्ष की पूर्णकालिक स्नातक डिग्री, यूजीसी / एआईसीटीई मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान/कॉलेज से न्यूनतम 60% अंकों के साथ। |
| 10 | नेवल आर्किटेक्ट | 2 | नेवल आर्किटेक्चर में 4 वर्ष की पूर्णकालिक स्नातक डिग्री, यूजीसी / एआईसीटीई मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान/कॉलेज से न्यूनतम 60% अंकों के साथ। |
| 11 | कंपनी सचिव | 2 | इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (ICSI) से योग्य कंपनी सचिव (CS) जिसके साथ अनिवार्य आर्टिकलशिप पूरी की हो और ICSI की सदस्यता प्राप्त हो। |
| | कुल | 55 | |

*** सहायक प्रबंधक (E2) के पद के लिए, संबंधित क्षेत्र में कम से कम एक वर्ष का अनुभव वांछनीय है।**
**विधि शाखा में सहायक प्रबंधक (E2) के पद के लिए, कंपनी सचिव (CS) योग्यता वांछनीय है।**

**पद / श्रेणी : कार्यकारी (E0)****

| क्र. सं. | विभाग | रिक्तियाँ | अनिवार्य योग्यता |
|---|---|---|---|
| 1 | वित्त | 10 | तीन वर्ष की पूर्णकालिक बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (BBA) / बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (BMS) / वित्त में स्नातक डिग्री / समकक्ष कोर्स जिसमें वित्त और/या लेखांकन में विशेषज्ञता हो, जो एआईसीटीई अनुमोदित और/या यूजीसी मान्यता प्राप्त कॉलेज/विश्वविद्यालय से हो, न्यूनतम 60% अंकों के साथ। |
| 2 | मानव संसाधन / कार्मिक | 6 | तीन वर्ष की पूर्णकालिक स्नातक डिग्री (BBA) / बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (BMS) / समकक्ष कोर्स जिसमें विशेषता पर्सनल मैनेजमेंट / एचआरडी/ एचआरएम/ इंडस्ट्रियल रिलेशंस/ लेबर वेलफेयर में हो, एआईसीटीई से स्वीकृत और/या यूजीसी से मान्यता प्राप्त कॉलेज/विश्वविद्यालय से न्यूनतम 60% अंकों के साथ। |
| 3 | मास कम्युनिकेशन | 2 | तीन वर्ष की पूर्णकालिक बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (BBA) / स्नातक डिग्री / समकक्ष पाठ्यक्रम जिसमें मास कम्युनिकेशन में विशेषज्ञता हो, एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित और/या यूजीसी मान्यता प्राप्त कॉलेज / विश्वविद्यालय से न्यूनतम 60% अंकों के साथ। |
| 4 | हिंदी | 2 | (a) मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से हिंदी में स्नातकोत्तर डिग्री, जिसमें अंग्रेजी अनिवार्य या वैकल्पिक विषय के रूप में हो या डिग्री स्तर पर परीक्षा की माध्यम भाषा के रूप में हो;<br>अथवा<br>(b) मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में स्नातकोत्तर डिग्री, जिसमें हिंदी अनिवार्य या वैकल्पिक विषय के रूप में हो या डिग्री स्तर पर परीक्षा की माध्यम भाषा के रूप में हो;<br>अथवा<br>(c) मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से हिंदी या अंग्रेजी के अलावा किसी अन्य विषय में स्नातकोत्तर डिग्री, जिसमें हिंदी माध्यम हो और अंग्रेजी अनिवार्य या वैकल्पिक विषय के रूप में हो या डिग्री स्तर पर परीक्षा की माध्यम भाषा के रूप में हो;<br>अथवा<br>(d) मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से हिंदी या अंग्रेजी के अलावा किसी अन्य विषय में स्नातकोत्तर डिग्री, जिसमें अंग्रेजी माध्यम हो और हिंदी अनिवार्य या वैकल्पिक विषय के रूप में हो या डिग्री स्तर पर परीक्षा की माध्यम भाषा के रूप में हो;<br>अथवा<br>(e) मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से हिंदी या अंग्रेजी के अलावा किसी अन्य विषय में स्नातकोत्तर डिग्री, जिसमें हिंदी और अंग्रेजी दोनों अनिवार्य या वैकल्पिक विषय के रूप में हों या दोनों में से किसी एक को परीक्षा की माध्यम भाषा के रूप में लिया गया हो और दूसरे को डिग्री स्तर पर अनिवार्य या वैकल्पिक विषय के रूप में लिया गया हो। |
| | कुल | 20 | |

**** कार्यकारी पद के लिए संबंधित क्षेत्र में न्यूनतम एक वर्ष का अनुभव अनिवार्य है।**

सामान्य/OBC-NCL/EWS उम्मीदवारों के लिए गैर-रिफंडेबल आवेदन शुल्क ₹500/- (रुपये पाँच सौ मात्र) और SC/ST/PwBD/ESM उम्मीदवारों के लिए गैर-रिफंडेबल सूचनात्मक शुल्क ₹100/- (रुपये एक सौ मात्र) जमा करना होगा। पंजीकरण की प्रक्रिया तभी पूरी मानी जाएगी जब शुल्क अंतिम भुगतान तिथि से पहले या उसी दिन ऑनलाइन माध्यम से जमा किया गया हो।

**आवेदन की अंतिम तिथि 27/09/2025 होगी।**

अधिक जानकारी के लिए कृपया SCI की वेबसाइट पर जाएं: **www.shipindia.com > Career > Shore Personnel > Current Recruitment > Recruitment of Assistant Managers and Executives**

***कार्गो मंजिल तक पहुँचाए, जीवन को राह दिखाए***

## पुलिस मुख्यालय, गृह (पुलिस) विभाग
## म.प्र. शासन के अंतर्गत आरक्षक संवर्ग (कार्यपालिक) की सीधी भर्ती परीक्षा 2025 हेतु चयन परीक्षा के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं

| आवेदन पत्र भरने की तिथि | ऑनलाइन परीक्षा पद्धति | आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि |
|---|---|---|
| 15.09.2025 से 29.09.2025 तक | समय सारणी | 15.09.2025 से 04.10.2025 तक |

| संभावित परीक्षा दिनांक | परीक्षा की पाली | अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग समय | उत्तर अंकित का समय |
|---|---|---|---|
| 30 अक्टूबर 2025 से प्रारंभ | प्रथम | प्रात: 07:30 से प्रात: 08:30 बजे तक | प्रात: 09:30 से 11:30 बजे तक (02 घंटे) |
| | द्वितीय | दोपहर 12:30 से दोपहर 01:30 बजे तक | दोपहर 02:30 से 04:30 बजे तक (02 घंटे) |

**आवेदन पत्र भरने की प्रकिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश :-**

1. परीक्षा के नियम, विभागवार रिक्त पदों की आरक्षण तालिकाएं एवं परीक्षा संचालन नियम से संबंधित विस्तृत नियम पुस्तिका मण्डल की वेबसाइट **www.esb.mp.gov.in** पर उपलब्ध रहेगी, जिसमें उल्लेखित समस्त नियमों/जानकारी का अध्ययन करके ही आवेदन पत्र भरा जावे।
2. वेबसाइट **www.esb.mponline.gov.in** के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है।
3. संभावित परीक्षा शहर- भोपाल, इंदौर, जबलपुर, खण्डवा, नीमच, रतलाम, रीवा, सागर, सतना, सीधी एवं उज्जैन।
4. **परीक्षा शुल्क***

| | | |
|---|---|---|
| सीधी भर्ती पदों हेतु | अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए | रु. 500/- (प्रति प्रश्न पत्र) |
| | केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/ई.डब्ल्यू.एस. अभ्यर्थियों के लिए | रु. 250/- (प्रति प्रश्न पत्र) |
| पुलिस विभाग की विभागीय परीक्षा शुल्क | अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए | रु. 200/- (प्रति प्रश्न पत्र) |
| | केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/ई.डब्ल्यू.एस. अभ्यर्थियों के लिए | रु. 100/- (प्रति प्रश्न पत्र) |

**ऑनलाइन आवेदन-** कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क 60/- देय होगा। इसके अतिरिक्त रजिस्टर्ड सिटिजन यूजर के माध्यम से लॉगिन कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क 20/- देय होगा।

**विशेष निर्देश**

1. अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है।
2. मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान-पत्र लाना अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान-पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान-पत्र, पेन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, पासपोर्ट, में से कोई एक को चयनित कर सकता है। यू.आई.डी.ए.आई. (UIDAI) के द्वारा सत्यापित (Verify) होने पर ही ई आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान-पत्र के अभाव में परीक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा।
3. अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिर्दिष्ट मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड/ई-आधार कार्ड की छायाप्रति/आधार नंबर/आधार VID की जानकारी लाना अनिवार्य है।
4. परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है। अत: जिन अभ्यर्थियों का आधार नंबर लॉक है वह परीक्षा दिनांक को परीक्षा केंद्र पर उपस्थिति के पूर्व आधार अनलॉक करवाना सुनिश्चित करें।
5. परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात विलम्ब से आने पर अभ्यर्थियों की प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
6. परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, लॉग टेबल्स, डिजीटल घड़ी, नकल पर्चा एवं sun glasses (धूप का चश्मा) आदि का उपयोग पूर्णत: वर्जित है।
7. ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अत: आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
8. परीक्षा केंद्र पर आवेदक को परीक्षा हाल में प्रवेश हेतु मण्डल वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
9. किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात् परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।
10. आवेदन-पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण मण्डल द्वारा नहीं किया जाकर नियुक्ति प्रकिया के दौरान सम्बंधित विभाग द्वारा किया जाता है। अत: कम्प्यूटर आधारित (Online) परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibility) पूर्णत: प्राविधक (Provisional) होगी।

**विशेष नोट : मण्डल अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/परीक्षा पाली/शहरों/केन्द्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है।**

**विज्ञापन क्र. 75/2025** **संचालक**

**मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल**
**Madhya Pradesh Employees Selection Board (MPESB)**
**'चयन भवन' मेन रोड नं. - 1, चिनार पार्क (ईस्ट) भोपाल-462011**
**Fax : +91-755-2550498, Website : www.esb.mp.gov.in**
R-51551/2025 म.प्र. माध्यम/122079/2025

---

MPMETRO

## मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड
**(भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन का संयुक्त उपक्रम)**
**द्वितीय तल, स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ऑफिस बिल्डिंग, कालीबाड़ी रोड, भेल, सेक्टर-ए, बरखेड़ा, भोपाल-462022**

### भर्ती के लिए विज्ञापन

मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (MPMRCL), भारत सरकार और मध्यप्रदेश सरकार का संयुक्त उपक्रम, भोपाल मेट्रो रेल परियोजना और इंदौर मेट्रो रेल परियोजना को मध्यप्रदेश राज्य में क्रियान्वित कर रहा है।

तत्काल आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु MPMRCL द्वारा निम्नलिखित पद के लिए आवेदन आमंत्रित है :-

**GENERAL MANAGER/ADDITIONAL GENERAL MANAGER OPERATION & MAINTENANCE**

यह विज्ञापन केवल सांकेतिक है। रिक्त पदों का विस्तृत विवरण एमपीएमआरसीएल की वेबसाइट **www.mpmetrorail.com** के कॅरियर विकल्प में उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी के लिए कृपया विज्ञापन क्र. 3956/HRD/MPMRCL-070/2025, **दिनांक 10.09.2025** देखें।

रिक्त पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन की **अंतिम तिथि 16.10.2025 है।**

म.प्र. माध्यम/122010/2025 R-51539/2025 **प्रबंध संचालक**

---

## MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
**(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)**
**3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)**
**No./10275/22/D-12/MPRRDA/2025 Bhopal, Dated : 08.09.2025**

### NOTICE INVITING TENDER NO. 1238 (PMGSY-BRIDGE-PART)

Online Tenders for Construction of Bridges with 5 years defect liability & maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in.** as detailed below ;

- **Name of Work -** Construction of Bridges under PMGSY including maintenance for Five year after construction.

| S. No. | Name of District | No. of Packages | No. of Bridge | Total PAC (In Rs.) |
|---|---|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
| 1 | Indore | 1 | 1 | 7967679.00 |

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission:** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the website which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchased online from **09.09.2025 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **23.09.2025 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P.M./121948/2025 **CHIEF GENERAL MANAGER (ADMIN./TENDER)**

**''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।**

R-51537/2025

---

## MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY
**(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)**
**3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)**
**No./10506/22/D-12/MPRRDA/2025 Bhopal, Dated : 11.09.2025**

### NOTICE INVITING TENDER No. 1239 (PMGSY-BRIDGE-BW)

Online Tenders for Construction of Bridges with 5 years defect liability & maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in** detailed below :

- **Name of Work -** Construction of Bridges under PMGSY including maintenance for Five year after construction

| S. No. | Name of District | No. of Packages | Total PAC (In Rs.) |
|---|---|---|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) |
| 1 | Chhindwara | 2 | 34949700.00 |

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission:** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the website which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchased online from **12.09.2025 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **26.09.2025 (17:00 hrs.).**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. Madhyam/122028/2025 **CHIEF GENERAL MANAGER (ADMIN./TENDER)**

**''मेरी सड़क'' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।**

R-51542/2025

---

## M.P. TEXTBOOK CORPORATION
**"Pustak Bhawan" Arera Hills, Bhopal-462011**
**Tel. : 0755-2551565, E-mail : info.mptbc@mp.gov.in**
**No./7327/mptbc/2025 Bhopal, Dated : 11.09.2025**

### NOTICE INVITING APPLICATIONS FOR EMPANELMENT OF QUALITY MANAGEMENT MONITORS (PAPER/PRINTING) AND PRINTING TECHNOLOGY INTERN

M.P. Textbook Corporation, an undertaking of Government of Madhya Pradesh, invites applications for empanelment of Quality Management Monitors (paper/printing) and Printing Technology Intern from persons having Degree/Diploma in Paper/Printing Technology. Details are available on the website **https://mptbcho.mp.gov.in** Individuals interested may send their applications on prescribed format by registered post/E-Mail so as their applications should reach to the Managing Director, M.P. Textbook Corporation, Pustak Bhawan, Arera Hills, Bhopal or alternatively the application can be deposited at the Head Office of M.P. Textbook Corporation, Bhopal, **latest by 5.30 PM of 18.09.2025.** Interested persons may contact Mr. Sanjeev Kumar Tyagi, General Manager on his mobile No. 9179018774 or 0755-2551565 for queries.

M.P. Madhyam/122023/2025 **MANAGING DIRECTOR**

R-51541/2025

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग नरसिंहपुर (म.प्र.)

## निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 16/वर्ष 2025-20/कार्य.यं. नरसिंहपुर, दिनांक : 10.09.2025

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

| टेण्डर आई डी | जिला | कार्य का प्रकार | कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में) | धरोहर राशि | निविदा फार्म की राशि | आमंत्रण क्र. | कार्य समयावधि | भौतिक रूप से लिफाफा प्रस्तुत करने का कार्यालय (मूल एफ.डी.आर. एवं अन्य दस्तावेज) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| **क्र./कार्य का नाम -1. नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत करेली एवं तेन्दूखेड़ा रेस्ट हाउस एप्रोच मार्ग लंबाई 0.70 कि.मी. का बी.टी. रिन्युवल कार्य। (सातवां आमंत्रण)** | | | | | | | | |
| 2025_PWDRB_410420_7 | नरसिंहपुर | बी.टी. रिन्युवल | 13.93 | 28,000 | 2,000 | सातवां आमंत्रण | 1 माह (वर्षाऋतु रहित) | सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें। |
| **क्र./कार्य का नाम -2. नरसिंहपुर उपसंभाग नरसिंहपुर के अंतर्गत भवनों के साधारण मरम्मत, विशेष समस्त, डिपाजिट, रंगाई, पुताई एवं अन्य समस्त प्रकार के मरम्मत कार्य हेतु जोनल टेण्डर।** | | | | | | | | |
| 2025_PWDRB_450639_1 | नरसिंहपुर | वार्षिक संधारण भवन | 19.98 | 40,000 | 2,000 | प्रथम आमंत्रण | 4 माह (वर्षाऋतु रहित) | सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें। |
| **क्र./कार्य का नाम -3. नरसिंहपुर उपसंभाग नरसिंहपुर के अंतर्गत भवनों के साधारण मरम्मत, डिपाजिट, एवं अन्य समस्त प्रकार मूल गौण कार्य हेतु जोनल टेण्डर।** | | | | | | | | |
| 2025_PWDRB_454640_1 | नरसिंहपुर | वार्षिक संधारण भवन | 19.99 | 40,000 | 2,000 | प्रथम आमंत्रण | 4 माह (वर्षाऋतु रहित) | सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें। |
| **क्र./कार्य का नाम -4. गाडरवारा उपसंभाग के अंतर्गत लाखा रेहली मार्ग लंबाई 2.10 कि.मी. का बी.टी. रिन्युवल कार्य। (तृतीय आमंत्रण)** | | | | | | | | |
| 2025_PWDRB_410417_3 | नरसिंहपुर | बी.टी. रिन्युवल | 23.25 | 46,500 | 5,000 | तृतीय आमंत्रण | 3 माह (वर्षाऋतु सहित) | सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें। |
| **क्र./कार्य का नाम -5. नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत ओल्ड एन.एच.-26 (सतधारा) कपूरनाथ हाउस से सूरज कुण्ड तट तक पुलिया सहित मार्ग लंबाई 0.50 कि. मी. का निर्माण कार्य।** | | | | | | | | |
| 2025_PWDRB_450642_1 | नरसिंहपुर | निर्माण | 95.92 | 96,000 | 10,000 | प्रथम आमंत्रण | 04 माह (वर्षाऋतु सहित) | सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें। |
| **क्र./कार्य का नाम -6. नरसिंहपुर उपसंभाग के अंतर्गत कोठिया से नर्मदा घाट मार्ग लंबाई 2.20 कि.मी. एवं लिंगा (भौरझिर) से नर्मदा घाट मार्ग लंबाई 0.50 कि.मी. का निर्माण कार्य।** | | | | | | | | |
| 2025_PWDRB_450643_1 | नरसिंहपुर | निर्माण | 395.63 | 3,96,000 | 15,000 | प्रथम आमंत्रण | 08 माह (वर्षाऋतु सहित) | सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें। |
| **क्र./कार्य का नाम -7. गोटेगांव उपसंभाग के अंतर्गत बगासपुर सहजपुर से बकौरी मार्ग लंबाई 5.00 कि.मी. का निर्माण कार्य।** | | | | | | | | |
| 2025_PWDRB_450644_1 | नरसिंहपुर | निर्माण | 470.81 | 4,71,000 | 15,000 | प्रथम आमंत्रण | 08 माह (वर्षाऋतु सहित) | सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत करें। |
| | | **योग** | **1039.51** | | | | | |

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 22.09.2025 (17.00)** बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मूल धरोहर राशि (ई.एम.डी.) एवं अन्य सभी दस्तावेज ऑनलाइन प्रस्तुत दिनांक 22.09.2025 (17.30) बजे तक उपरोक्तानुसार संबंधित पोर्टल में प्राप्त की जावेगी।

**कार्यपालन यंत्री**
**लोक निर्माण विभाग (भ/स)**
**संभाग नरसिंहपुर**

**जी-18610/51549/2025**

## कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र उज्जैन

दूरभाष नं. : 0734-2524462, ई-मेल : cepwdujjain@mp.nic.in

निविदा सूचना क्र. 12/सामान्य/मु.अ./2025-26/ उज्जैन, दिनांक : 04.09.2025

## निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु प्रतिशत दर के आधार पर निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

| क्र. | जिला | टेण्डर आई.सी. क्रमांक | कार्य का नाम | ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में) | कार्य की समयावधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | मंदसौर | 2025_PW-DRB_449511_1 | जड़वासा से खजुरिया सारंग सगवाली मार्ग लम्बाई 10.92 किमी मार्ग का निर्माण कार्य विद्युत कार्य सहित। | 1364.93 | 12 माह वर्षाकाल सहित |
| 2 | मंदसौर | 2025_PW-DRB_449515_1 | नलखेड़ा से हनुमंतिया मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 6.50 किमी पोल शिफ्टिंग कार्य सहित। | 728.90 | 12 माह वर्षाकाल सहित |
| 3 | मंदसौर | 2025_PW-DRB_449518_1 | लिल्दा से नाहरगढ़ पित्याखेड़ी मार्ग लंबाई 5.50 किमी का निर्माण कार्य पोल शिफ्टिंग कार्य सहित। | 786.18 | 12 माह वर्षाकाल सहित |
| 4 | मंदसौर | 2025_PW-DRB_449520_1 | धमनार से छाजूखेड़ा व्हाया बाबरेचा दलोदा, लदुसा, लुहारी, छायन, रसूलपुरा मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 22.03 किमी पोल शिफ्टिंग कार्य सहित। | 2381.34 | 18 माह वर्षाकाल सहित |
| 5 | मंदसौर | 2025_PW-DRB_449521_1 | असावती पहुंच मार्ग उन्नयन एवं चौड़ीकरण कार्य लंबाई 6.80 किमी पोल शिफ्टिंग कार्य सहित। | 976.74 | 12 माह वर्षाकाल सहित |
| 6 | मंदसौर | 2025_PW-DRB_449522_1 | कुण्डला से मर्मिया मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 6.15 किमी पोल शिफ्टिंग कार्य सहित। | 599.62 | 12 माह वर्षाकाल सहित |
| 7 | मंदसौर | 2025 PW-DRB_449523_1 | करनाखेड़ी से झांगरिया सारंग मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 4.89 किमी पोल शिफ्टिंग कार्य सहित। | 533.79 | 12 माह वर्षाकाल सहित |
| 8 | मंदसौर | 2025_PW-DRB_449525_1 | बरूजना फंटा से छोटी गुढ़भेली हरसोल व्हाया बंद पिपलिया मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 6.95 किमी पोल शिफ्टिंग कार्य सहित। | 745.20 | 12 माह वर्षाकाल सहित |
| 9 | मंदसौर | 2025_PW-DRB_449527_1 | धाकड़खेड़ी से रामनगर मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 5.26 किमी पोल शिफ्टिंग कार्य सहित। | 502.09 | 12 माह वर्षाकाल सहित |
| 10 | मंदसौर | 2025_PW-DRB_449528_1 | सुवासरा गुराड़ियाकला मार्ग वाया अंगारी मार्ग का चौड़ीकरण और उन्नयन कार्य पोल शिफ्टिंग कार्य सहित लंबाई 22.50 किमी। | 4145.91 | 24 माह वर्षाकाल सहित |
| 11 | मंदसौर | 2025_PW-DRB_449530_1 | ढाबला देवल से रूनिजा मार्ग का चौड़ीकरण और उन्नयन कार्य पोल शिफ्टिंग कार्य सहित लंबाई 8.00 किमी। | 1138.08 | 12 माह वर्षाकाल सहित |
| 12 | देवास | 2025_PW-DRB_449531_1 | खातेगांव के ग्राम खेडी से छीपानेर हेलीपेड मार्ग का निर्माण कार्य। | 515.15 | 12 माह वर्षाकाल सहित |
| 13 | शाजापुर | 2025_PW-DRB_449532_1 | पोचानेर से सलुल्डिया घाघ मार्ग लम्बाई 5.10 कि.मी का निर्माण कार्य मय युटिलिटी शिफ्टिंग कार्य। | 594.20 | 12 माह वर्षाकाल सहित |
| 14 | शाजापुर | 2025_PW-DRB_449533_1 | डाडियाखेडी से नांदनी व्हाया अलनिया मार्ग लम्बाई 8.52 कि.मी का निर्माण कार्य मय युटिलिटी शिफ्टिंग कार्य। | 910.86 | 12 माह वर्षाकाल सहित |

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं ऑनलाइन बिड सबमिशन की **अंतिम दिनांक 29.09.25 सायं 5.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

**मुख्य अभियंता**
**लोक निर्माण विभाग**
**उज्जैन परिक्षेत्र उज्जैन**

**जी-18640/51552/2025**

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र. 1 सागर

फोन नं. : 07582-222296, ई-मेल आईडी : eepwdsagar@nic.in

एनआईटी नं.-15/2025-26/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण सागर, दिनांक : 11.09.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

**क्रमांक एवं कार्य का नाम :- 1.** लो.नि.वि. उपसंभाग खुरई के अन्तर्गत सेक्शन बीना के आवासीय भवनों एवं आस-पास के गैरआवासीय भवनों में साधारण मरम्मत, विशेष मरम्मत कार्य अनुमानित लागत 40.00 लाख

| पोर्टल टेंडर क्र. | जिला | ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. में) | अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में) | कार्य पूर्ण करने का समय (माह वर्षाकाल सहित) | रिमार्क |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2025_PWDRB_450981_1 | सागर | 4000000/- | 50000/- | 5000/- | 06 माह वर्षाकाल सहित | प्रथम आमंत्रण |
| **क्रमांक एवं कार्य का नाम :- 2.** लो.नि.वि. उपसंभाग खुरई के अन्तर्गत सेक्शन बीना के गैरआवासीय भवनों एवं आस-पास के गैरआवासीय भवनों में साधारण मरम्मत, विशेष मरम्मत कार्य अनुमानित लागत 40.00 लाख | | | | | | |
| 2025_PWDRB_450986_1 | सागर | 4000000/- | 50000/- | 5000/- | 06 माह वर्षाकाल सहित | प्रथम आमंत्रण |
| **क्रमांक एवं कार्य का नाम :- 3.** लो.नि.वि. उपसंभाग खुरई के अन्तर्गत मार्गों की सुरक्षा एवं सौंदर्यीकरण कार्य अनुमानित लागत 40.00 लाख | | | | | | |
| 2025_PWDRB_450987_1 | सागर | 4000000/- | 50000/- | 5000/- | 06 माह वर्षाकाल सहित | प्रथम आमंत्रण |
| **क्रमांक एवं कार्य का नाम :- 4.** लो.नि.वि. उपसंभाग बण्डा के अन्तर्गत आवासीय भवनों में व्हाइट वाशिंग और कलर वाशिंग कार्य अनुमानित लागत 19.70 लाख | | | | | | |
| 2025_PWDRB_450988_1 | सागर | 1970000/- | 39400/- | 2000/- | 06 माह वर्षाकाल सहित | प्रथम आमंत्रण |
| **क्रमांक एवं कार्य का नाम :- 5.** लो.नि.वि. उपसंभाग बण्डा के अन्तर्गत गैरआवासीय भवनों में व्हाइट वाशिंग और कलर वाशिंग कार्य अनुमानित लागत 19.45 लाख | | | | | | |
| 2025_PWDRB_450989_1 | सागर | 1945000/- | 38900/- | 2000/- | 06 माह वर्षाकाल सहित | प्रथम आमंत्रण |
| **क्रमांक एवं कार्य का नाम :- 6.** लो.नि.वि. उपसंभाग खुरई के अन्तर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. रिन्यूवल कार्य लं. 7.90 कि.मी. अनुमानित लागत 145.64 लाख<br>1- बेसरा किशनगढ़ मार्ग लं. 5.50 किमी में बी.टी. रिन्यूवल कार्य अनुमानित लागत 100.66 लाख<br>2- तलापार दुगाहा खिलान मार्ग लं. 2.40 कि.मी. में बी.टी. रिन्यूवल कार्य अनुमानित लागत 44.98 लाख | | | | | | |
| 2025_PWDRB_451303_1 | सागर | 14564000/- | 145640/- | 12500/- | 06 माह वर्षाकाल सहित | प्रथम आमंत्रण |

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 12.09.2025 समय 10:00 से दिनांक 23.09.2025 समय 05:30 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

**कार्यपालन यंत्री**
**लो.नि.वि. (भ./स.) संभाग क्र. 1 सागर**

**जी-18613/51550/2025**

# मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर

## सहायक प्राध्यापक (संगीत) परीक्षा-2024 दिनांक 27.07.2025 (रविवार)

## साक्षात्कार हेतु लघु सूची कृत अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची

**विज्ञप्ति क्र. - 8485/31/2025/अनु.-10** **इंदौर, दिनांक : 04.09.2025**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा **सहायक प्राध्यापक (संगीत) परीक्षा-2024** हेतु विज्ञापन जारी किया गया था जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

01. विज्ञापन क्रमांक-36/2024/30.12.2024, ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 26.03.2025

| | |
|---|---|
| (1) | शुद्धि पत्र क्रमांक-01/17-44/2024 दिनांक 26.03.2025 (सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के विभिन्न विज्ञापनों के संबंध में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि में वृद्धि की सूचना)। |
| (2) | शुद्धि पत्र क्रमांक-02/17-44/2024 दिनांक 17.04.2025 (सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी परीक्षा-2024 के आयोजन की सूचना विषयक)। |

02. उपरोक्त विज्ञापन के अंतर्गत **सहायक प्राध्यापक (संगीत) परीक्षा-2024** जिला मुख्यालय इंदौर के केन्द्रों पर दिनांक 27.07.2025 (रविवार) को दो सत्रों में प्रथम प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन प्रातः 10:00 से 11:00 बजे तक एवं द्वितीय प्रश्न पत्र संगीत दोपहर 01:00 से 04:00 बजे तक आयोजित की गई थी।

03. उपरोक्तानुसार जारी विज्ञापन एवं शुद्धि पत्रों के माध्यम से विज्ञापित पदों की कुल संख्या निम्नानुसार है :-

| श्रेणीवार/वर्गवार कुल विज्ञापित | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्र. | विवरण | UR | SC | ST | OBC | EWS | TOTAL |
| (अ) | कुल रिक्तियों की संख्या (TOTAL POST) | - | 1 | - | - | 1 | 2 |
| (ब) | अतिथि विद्वानों हेतु आरक्षित पदों की संख्या (Reser. For Guest faculty) | - | - | - | - | - | - |
| (स) | कुल रिक्तियों में से महिलाओं के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या (FEMALE) | - | - | - | - | - | - |
| (द) | कुल रिक्तियों में से दिव्यांगजन हेतु आरक्षित पद रिक्तियों की संख्या (PH) | LD(OH)-1, HH-1 | | | | | 2 |

सामान्य प्रशासन विभाग के "पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक, भोपाल, दिनांक 29 सितम्बर 2022" में दिये गये निर्देशों एवं आयोग के निर्णय अनुसार सहायक प्राध्यापक (संगीत) परीक्षा-2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग में घोषित किया जाना है। सहायक प्राध्यापक (संगीत) परीक्षा-2024 हेतु मुख्य भाग 87 प्रतिशत (14 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों) तथा (ब) प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनारक्षित श्रेणी हेतु) के पदों के रिक्ति विवरण विज्ञापन में प्रकाशित किया गया है। उक्त परीक्षा के विज्ञापन में मुख्य भाग हेतु ही पद विज्ञापित है। प्रावधिक भाग के पदों की संख्या निरंक है। उपरोक्तानुसार सहायक प्राध्यापक (संगीत) परीक्षा-2024 के परीक्षा परिणाम में **मुख्य भाग-अ** के लिये साक्षात्कार हेतु विज्ञापित पदों के 3 गुना+समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से लघुसूचीकृत कुल-7 अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :-

**MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION**
**ASSISTANT PROFESSOR EXAM 2024 (MUSIC)-PART-A (MAIN)**
**LIST OF CANDIDATES PROVISIONALLY SHORTLISTED FOR INTERVIEW**

| S. No. | Roll No. | S. No. | Roll No. | S. No. | Roll No. |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 750009 | 4. | 750043 | 7. | 750056 |
| 2. | 750012 | 5. | 750045 | | |
| 3. | 750025 | 6. | 750055 | | |

**साक्षात्कार हेतु अभिलेख प्रेषित करने के संबंध में निर्देश**

**मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर**

**परिशिष्ट प्रपत्र - 01**

| | |
|---|---|
| विज्ञापन क्रमांक :- 36/2024 दिनांक 30.12.2024 | पद/परीक्षा का नाम :- सहायक प्राध्यापक (संगीत) परीक्षा-2024 |
| अनुक्रमांक-........................................ | अभ्यर्थी का नाम :- ........................................ |

| स. क्र. | दस्तावेज का विवरण | संलग्न अभिलेख के पृष्ठ क्रमांक | संलग्नक के पृष्ठों की कुल संख्या |
|---|---|---|---|
| 1 | उपरोक्त परीक्षा के लिए भरे गए ऑनलाइन आवेदन पत्र की छायाप्रति। | पृष्ठ क्र.-... से ... तक | ........... |
| 2 | उपरोक्त परीक्षा के प्रवेश पत्र की छायाप्रति। | पृष्ठ क्र.-... से ... तक | ........... |
| 3 | उपस्थिति पत्रक-1 मूल प्रति। | पृष्ठ क्र.-... से ... तक | ........... |
| 4 | व्यक्तिगत विवरण पत्रक-1 मूल प्रति एवं 5 छायाप्रतियां। (केवल मूल प्रति पर नम्बरिंग करना है। छायाप्रतियों पर नम्बरिंग नहीं करना है।) | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 5 | अनुप्रमाणन फॉर्म-3 मूल प्रति। | पृष्ठ क्र.-... से ... तक | ........... |
| 6 | घोषणा पत्र (किसी भी चयन/परीक्षा से विवर्जित (Debar) नहीं होने संबंधी) 01 मूल प्रति। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 7 | हाईस्कूल की अंकसूची। (छायाप्रति) | पृष्ठ क्र.-... से ... तक | ........... |
| 8 | हायर सेकेण्डरी की अंकसूची। (छायाप्रति) | पृष्ठ क्र.-... से ... तक | ........... |
| 9 | अर्हता से संबंधित समस्त वर्षों की अंकसूचियाँ एवं उपाधि (ऑनलाइन आवेदन दिनांक 10.04.2025 अथवा उसके पूर्व जारी) (छायाप्रति)। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 10 | यू.जी.सी. नेट/मध्यप्रदेश राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) उत्तीर्ण प्रमाण पत्र। (ऑनलाइन आवेदन दिनांक 10.04.2025 अथवा उसके पूर्व जारी) (छायाप्रति)। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 11 | प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत अतिथि विद्वानों के लिए निर्धारित प्रारूप में अध्यापन अनुभव प्रमाण पत्र। (ऑनलाइन आवेदन दिनांक 10.04.2025 अथवा उसके पूर्व जारी) (छायाप्रति)। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 12 | मध्यप्रदेश के मूल निवासी होने की स्थिति में म.प्र. राज्य का रोज़गार कार्यालय का जीवित पंजीयन प्रमाण-पत्र (आयोग कार्यालय में अभिलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 13 | मूल निवासी/स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र की प्रति। (प्रमाण-पत्र में प्रकरण क्रमांक, गोलसील, जावक क्रमांक, दिनांक का उल्लेख होना आवश्यक है।) (ऑनलाइन आवेदन दिनांक 10.04.2025 अथवा उसके पूर्व जारी) (छायाप्रति)। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 14 | आरक्षित श्रेणी होने की स्थिति में सक्षम अधिकारी द्वारा जारी म.प्र. शासन का जाति प्रमाण पत्र। विवाहित महिलाओं के मामले में स्वयं के नाम के साथ पिता के नाम का जाति प्रमाण पत्र (जाति प्रमाण पत्र में जारी करने की दिनांक, गोल सील एवं प्रकरण क्रमांक का उल्लेख होना आवश्क है। अन्य राज्य के जारी जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे।) **(म.प्र. शासन की सेवाओं हेतु निर्धारित प्रारूप में जाति प्रमाण-पत्र मान्य होंगे) (ऑनलाइन आवेदन दिनांक 10.04.2025 अथवा उसके पूर्व जारी) (छायाप्रति)।** | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 15 | म.प्र. का मूल निवासी होने की स्थिति में अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को क्रीमीलेयर श्रेणी के अंतर्गत न आने संबंधी प्रस्तुत किए जाने वाला घोषणा पत्र-01 मूल प्रति। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 16 | मध्यप्रदेश का मूल निवासी होने की स्थिति में ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 10.04.2025 अथवा उसके पूर्व जारी वित्तीय वर्ष 2024-2025 को वैध प्रमाण पत्र की प्रति। (छायाप्रति) | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 17 | महिला अभ्यर्थियों हेतु विवाहोपरांत उपनाम परिवर्तन की स्थिति में शपथ पत्र की प्रति। (छायाप्रति) | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 18 | शासकीय सेवक होने की स्थिति में विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति। अनापत्ति प्रमाण पत्र न हो तो परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 10.04.2025 अथवा उसके पूर्व विभाग में अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र की प्रति संलग्न करें। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 19 | मध्यप्रदेश शासन की सेवा में सेवारत होने की स्थिति में शासकीय सेवक हेतु अभिवचन पत्र-1 मूल प्रति। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 20 | अभ्यर्थी का स्वयं का पहचान पत्र। (आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र/पेन कार्ड/फोटोयुक्त बैंक पास बुक की प्रति/शासकीय कर्मचारी होने की स्थिति में नियोक्ता द्वारा जारी परिचय पत्र की प्रति/ड्रायविंग लायसेंस) (छायाप्रति) | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 21 | दिव्यांग अभ्यर्थी होने की स्थिति में दिव्यांगता के प्रमाण पत्र की छायाप्रति। (ऑनलाइन आवेदन दिनांक 10.04.2025 अथवा उसके पूर्व जारी) (छायाप्रति)। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 22 | न्यायालयीन प्रकरण होने की स्थिति में अनुप्रमाणन फार्म के पृष्ठ क्रमांक 4 कंडिका 16 एवं पृष्ठ क्रमांक 17 में अंकित न्यायालयीन प्रकरण के संबंध में दस्तावेजों की छायाप्रति। (03 प्रतियों में) | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 23 | आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विज्ञापित पदों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक **भाग (13 प्रतिशत) के आधार अभ्यर्थी "अभिवचन" पत्र की पूर्ति कर आयोग कार्यालय में साक्षात्कार दिवस को अनिवार्यतः प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे।** | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 24 | अन्य कोई दस्तावेज जो अभ्यर्थी प्रस्तुत करना चाहता है। | पृष्ठ क्र.-... से ... तक | ........... |
| | **कुल संलग्नक दस्तावेजों की संख्या (अंकों में)** | | |

**अभ्यर्थी के हस्ताक्षर :- ........................................**

05. साक्षात्कार हेतु लघु सूची कृत अभ्यर्थी विज्ञापन अनुसार वांछित अपनी अर्हता संबंधी समस्त दस्तावेज उपरोक्त परिशिष्ट प्रपत्र-01 अनुसार क्रम में प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित/स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर अभ्यर्थी अपना नाम, अनुक्रमांक, पृष्ठ क्रमांक एवं संलग्न अभिलेख के कुल पृष्ठों की संख्या स्पष्टतः अंकित कर **दिनांक 25.09.2025** तक आयोग कार्यालय प्रेषित करें। डाक विभाग या अन्य किसी माध्यम से प्रेषित किए गए अभ्यर्थियों के दस्तावेज आयोग कार्यालय में विलंब से प्राप्त होने पर आयोग जिम्मेदार नहीं होगा न ही इस संबंध में कोई पत्र व्यवहार मान्य किया जाएगा। अतः अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक अपने दस्तावेज आयोग कार्यालय भेजना सुनिश्चित करें। जिन अभ्यर्थियों के दस्तावेज अंतिम तिथि तक प्राप्त नहीं होंगे उनके विषय में यह माना जाएगा कि वे साक्षात्कार में भाग नहीं लेना चाह रहे हैं, उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। अभ्यर्थी द्वारा आवेदन पत्र में दी गई समस्त जानकारियों की आयोग कार्यालय द्वारा सूक्ष्म जांच करने के उपरांत सही पाए जाने पर ही अभ्यर्थी को साक्षात्कार की पात्रता होगी। साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।

06. ऐसे आवेदक जिनके अभिलेख आयोग कार्यालय में दिनांक 25.09.2025 तक प्राप्त नहीं होते हैं वे आयोग द्वारा निर्धारित विलम्ब शुल्क के साथ निर्धारित समयावधि में अपने अभिलेख आयोग कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर विलंब शुल्क की नगद राशि एम.पी.टी.सी. 6 के माध्यम से आयोग की लेखा शाखा में जमा कर सकते हैं :-

| | | |
|---|---|---|
| 01. | निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात् कार्यालयीन 05 दिवस तक राशि रुपये 3,000/- (तीन हजार मात्र)। | दिनांक 26.09.2025 से 03.10.2025 तक |
| 02. | साक्षात्कार हेतु आमंत्रण पत्र जारी होने के दिनांक के 01 दिवस पूर्व तक राशि रुपये 25,000/- (पच्चीस हजार मात्र)। | - |

उपरोक्तानुसार विलंब शुल्क के साथ निर्धारित तिथि के पश्चात् डाक अथवा अन्य किसी माध्यम से आयोग को प्रेषित किए गए आवेदकों के अभिलेख प्राप्त होने पर आयोग की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी न ही इस संबंध में कोई पत्र व्यवहार मान्य किया जाएगा।

**महत्वपूर्ण टीप :-**

1. सूची में दर्शाए गए परीक्षा परिणाम पूर्णतः प्रावधिक हैं। यदि अभ्यर्थी सहायक प्राध्यापक (संगीत) परीक्षा-2024 के लिए अधिसूचित नियमों एवं शर्तों को पूर्ण नहीं करते हैं तो साक्षात्कार हेतु उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जाएगी।
2. आरक्षित वर्ग के वे अभ्यर्थी जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांकों के बराबर या अधिक हैं उन्हें नियमानुसार मुख्य तथा प्रावधिक दोनों ही भागों में अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
3. सहायक प्राध्यापक (संगीत) परीक्षा-2024 के साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।
4. न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
5. ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटिपूर्ण, अपूर्ण, असत्य जानकारी देने अथवा आयोग द्वारा जारी विज्ञापन में चाही गई वांछित औपचारिकताएं पूर्ण न करने के परिणाम स्वरूप चयन के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।
6. साक्षात्कार हेतु प्रावधिक रूप से अर्ह अभ्यर्थियों की सूची आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर उपलब्ध है। यह स्पष्ट किया जाता है कि मुद्रण त्रुटियों के लिए आयोग जिम्मेदार नहीं होगा एवं आयोग कार्यालय में रखी परीक्षा परिणाम की सूची ही प्रमाणिक मानी जाएगी।
7. लिखित परीक्षा परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कोई तकनीकी त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि संज्ञान में आती है तो आयोग के पास परीक्षा परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
9. अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने अभिलेख **दिनांक 25.09.2025 तक** निम्न पते पर भेजना सुनिश्चित करें :-

प्रति,

**सचिव,**
**मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग,**
**रेसीडेंसी एरिया, इंदौर**

अभ्यर्थी अपने अभिलेख के लिफाफे पर **सहायक प्राध्यापक (संगीत) परीक्षा-2024 के साक्षात्कार हेतु अभिलेख** अवश्य लिखें।

**जी-18431/51529/2025** **उप परीक्षा नियंत्रक**

## राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश
## (लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन)
## लिंक रोड नंबर 3, पत्रकार भवन, भोपाल-462003

### विज्ञापन

**विज्ञा.क्र./एन.एच.एम./एच.आर./2025/3237** **भोपाल, दिनांक : 06.09.2025**

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन म.प्र. अन्तर्गत संविदा जिला महिला पोषण प्रशिक्षक के रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करता है, यह अनुबंध 31 मार्च 2026 तक के लिये होगा, जिसे आगामी वर्षों की वार्षिक कार्ययोजना में स्वीकृत अनुसार नवीनीकृत किया जा सकेगा -

| क्र. | पदनाम | रिक्त पद | मासिक मानदेय | अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव | आयु सीमा |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | संविदा महिला पोषण प्रशिक्षक | 15 | 22100/- रुपये प्रतिमाह | बी.एस.सी. फूड एवं न्यूट्रिशियन **या** बी.एस.सी. क्लीनिकल न्यूट्रिशियन एवं डायटेटिक्स **या** बी.एस.सी. होम साइंस ( फूड एवं न्यूट्रिशियन) **या** बी.एस.सी. ह्यूमन न्यूट्रिशियन | 21-40 वर्ष अधिकतम आयु सीमा में (अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, निःशक्तजन/महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित) अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट) (01.01.2025 की स्थिति में) |

आवेदन एम.पी. ऑनलाइन के वेबपोर्टल **http://www.mponline.gov.in** एवं **http://iforms.mponline.gov.in** के माध्यम से किया जा सकता है, आवेदन के लिए लिंक दिनांक 04.09.2025 से उपलब्ध की जायेगी। ऑनलाइन जमा करने की **अंतिम तिथि 24.09.2025** है। ऑफलाइन आवेदन किसी भी स्थिति में मान्य/स्वीकार नहीं किये जावेंगे।

**2. पद हेतु आरक्षण निम्नानुसार होगा:-**

| पदनाम | कुल पद | अनारक्षित (27%) | अनुसूचित जनजाति (20%) | अनुसूचित जाति (16%) | अन्य पिछड़ा वर्ग (27%) | आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (10%) | रिक्तियों में से म.प्र. के मूल निवासी दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित पदों की संख्या (6%) | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | (दृष्टिबाधित एवं कम दृष्टि) 1.5% | (बहरे कम सुनने वाले) 1.5% | (लोको मीटरडिसेबिलिटी सम्मिलित है जैसे सेरेब्रल पाल्सी, कुष्ठ रोग मुक्त, बौनापन, एसिड अटैक पीड़ित मस्कूलर डिस्ट्राफी) 1.5% | (ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी और बहुविकलांगता) 1.5% |
| **संविदा महिला पोषण प्रशिक्षक** | 15 | 5 | 3 | 2 | 4 | 1 | 0 | 0 | 1 | 0 |

- दिव्यांगजन का आरक्षण क्षैतिजिक (Horizontal) के आधार पर 06 प्रतिशत का प्रस्ताव तैयार किया गया है। निःशक्तजनों के लिए कुल रिक्तियों में से 06 प्रतिशत पद निःशक्तजन के लिए आरक्षित हैं, जिस श्रेणी का निःशक्तजन इन पदों के लिए चयनित होगा उसे उसी श्रेणी हेतु मान्य किया जावेगा। यह पद प्रत्येक श्रेणी की बिना वर्ग/ओपन नियुक्तियों में सम्मिलित है।

3. निर्धारित प्रारूप में नहीं किये गए अथवा अपूर्ण आवेदन स्वमेव निरस्त माने जायेंगे।
4. अंतिम तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।
5. मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन म.प्र. किसी भी आवेदन को बिना कारण बताये स्वीकृत निरस्त करने अथवा प्रक्रिया को निरस्त करने का अधिकार होगा।

**जी-18408/51527/2025** **अपर मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश**

## राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश
## (लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन)
## लिंक रोड नंबर 3, पत्रकार भवन, भोपाल-462003

### विज्ञापन

**विज्ञा.क्र./एन.एच.एम./एच.आर./2025/3264** **भोपाल, दिनांक : 09.09.2025**

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन म.प्र. के राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम अन्तर्गत टेली मानस सेल हेतु संविदा काउन्सलर के रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करता है, यह अनुबंध 31 मार्च 2026 तक के लिये होगा, जिसे आगामी वर्षों की वार्षिक कार्ययोजना में स्वीकृत अनुसार नवीनीकृत किया जा सकेगा :-

| क्र. | पदनाम | रिक्त पद | मासिक मानदेय | अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव | आयु सीमा |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | संविदा काउन्सलर | 14 | 30000/- रुपये प्रतिमाह | Bachelors in Psychology or Social Work (Regular/Distance/Open mode) or Nursing (Regular) from a recognized educational institution. With 2-Years of post UG qualification experience in Mental Health Counselling. **Or** Masters in clinical Psychology/Social Work Sociology/Psychology from a recognized educational institution in regular/distance/open mode. | 21-40 वर्ष अधिकतम आयु सीमा में (अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, निःशक्तजन/महिलाओं (अनारक्षित/आरक्षित) अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट) (01.01.2025 की स्थिति में) |

आवेदन एम.पी. ऑनलाइन के वेबपोर्टल **http://www.mponline.gov.in** एवं **http://iforms.mponline.gov.in** के माध्यम से किया जा सकता है, आवेदन के लिए लिंक दिनांक 09.09.2025 से उपलब्ध की जायेगी। ऑनलाइन जमा करने की **अंतिम तिथि 27.09.2025** है। ऑफलाइन आवेदन किसी भी स्थिति में मान्य/स्वीकार नहीं किये जावेंगे।

**2. पद हेतु आरक्षण निम्नानुसार होगा:-**

| पदनाम | कुल पद | अनारक्षित (27%) | | अनुसूचित जनजाति (20%) | | अनुसूचित जाति (16%) | | अन्य पिछड़ा वर्ग (27%) | | आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (10%) | | रिक्तियों में से म.प्र. के मूल निवासी दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित पदों की संख्या (6%) | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | ओपन | महिला | ओपन | महिला | ओपन | महिला | ओपन | महिला | ओपन | महिला | (दृष्टिबाधित एवं कम दृष्टि) 1.5% | (बहरे कम सुनने वाले) 1.5% | (लोको मीटरडिसेबिलिटी सम्मिलित है जैसे सेरेब्रल पाल्सी, कुष्ठ रोग मुक्त, बौनापन, एसिड अटैक पीड़ित मस्कूलर डिस्ट्राफी) 1.5% | (ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी और बहुविकलांगता) 1.5% |
| संविदा काउन्सलर | 14 | 3 | 2 | 2 | 1 | 1 | 1 | 2 | 1 | 1 | 0 | - | - | 1 | - |

- दिव्यांगजन का आरक्षण क्षैतिजिक (Horizontal) के आधार पर 06 प्रतिशत का प्रस्ताव तैयार किया गया है। निःशक्तजनों के लिए कुल रिक्तियों में से 06 प्रतिशत पद निःशक्तजन के लिए आरक्षित हैं, जिस श्रेणी का निःशक्तजन इन पदों के लिए चयनित होगा उसे उसी श्रेणी हेतु मान्य किया जावेगा। यह पद प्रत्येक श्रेणी की बिना वर्ग/ओपन नियुक्तियों में सम्मिलित है।

3. निर्धारित प्रारूप में नहीं किये गए अथवा अपूर्ण आवेदन स्वमेव निरस्त माने जायेंगे।
4. अंतिम तिथि के पश्चात् प्राप्त होने वाले आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।
5. मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन म.प्र. किसी भी आवेदन को बिना कारण बताये स्वीकृत निरस्त करने अथवा प्रक्रिया को निरस्त करने का अधिकार होगा।

**जी-18440/51530/2025** **अपर मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश**

## M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED
**(Government of Madhya Pradesh Undertaking)**
**SECRETARIAT FOR SINGLE WINDOW SYSTEM**
**21, Arera Hills, Bhopal-462011 M.P. (India) CIN : U51102MP1977SGC001392**
**Tel. : (91) 755-2571830, 2575618, 3523555, 3523505, E-mail : helpdesk@mpidc.co.in**
**Website : www.invest.mp.gov.in**

**MPIDC/CE/Tech-RFP/2025/238** **Date : 12.09.2025**

### NOTICE INVITING TENDER

Madhya Pradesh Industrial Development Corporation Ltd. (MPIDC Ltd.) invites online percentage rate bids for the following work from registered contractors and firms for the following work :

| NIT No. | Name of Work | District | Probable Amount of Contract (in Rs. Cr) |
|---|---|---|---|
| 238 | Infrastructure Development Work of Industrial Park at Chainpura, Distt. Guna | Guna | 218.48 |

The Tender documents can be downloaded from the e-procurement Portal- **https://mptenders.gov.in – MPIDC HO** shortly.

M.P. Madhyam/122076/2025 R-51548/2025 **CHIEF ENGINEER**

# मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में डिजिटल बदलाव का ग्लोबल लीडर बन रहा है मध्यप्रदेश

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और वैश्विक साझेदारी के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। अब तक गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक ही गूगल क्लाउड जैसी तकनीकी कंपनियों और अंतर्राष्ट्रीय निवेश के लिए प्रमुख माने जाते थे, अब मध्यप्रदेश भी इस सूची में शामिल होकर देश के डिजिटल भविष्य का प्रमुख केंद्र बन गया है।

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान द्वारा Transformative Change, Sustainable Outcome विषय पर नीति संवाद आयोजित किया गया। ट्रांसफोर्मेटिव चेंज, सस्टेनेबल आउटकम के इस आयोजन ने साबित किया कि मध्यप्रदेश केवल नीतियां बनाने वाला राज्य नहीं है, बल्कि उन्हें वैश्विक संस्थानों और टेक्नोलॉजी कंपनियों के साथ मिलकर धरातल पर लागू करने की दिशा में भी अग्रसर है।

नीति संवाद में वर्ल्ड बैंक के ग्लोबल लीड श्री परमेश शाह और Google Cloud के स्ट्रैटेजी हेड श्री सिद्धार्थ प्रकाश विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों विशेषज्ञों ने कहा कि मध्यप्रदेश का विजन और प्रतिबद्धता उसे पूरे देश के लिए एक Lighthouse State बना सकती है।

# विश्वविद्यालयों में रोज़गारपरक कोर्स संचालन के लिए हो रही है विशेष पहल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उच्च शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान करते हुए

**भोपाल,** राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण कर शुभारंभ किया। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि विद्यार्थी अपने माता-पिता और गुरुजनों के योगदान के प्रति हमेशा कृतज्ञ रहें। सफलता के बाद भी उनका हमेशा सम्मान करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नए, डिजिटल और 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने में विश्वविद्यालयों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है।

**भारतीय परंपरा के अनुरूप आयोजित किए जा रहे हैं दीक्षांत समारोह**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारतीय अपनी क्षमता से विश्व में पहचान बना रहे हैं। अतीत की गलतियों को सुधारते हुए दीक्षांत समारोह अब भारतीय परंपरा के अनुरूप आयोजित किए जा रहे हैं। प्रदेश में सबसे पहले वर्ष 2020 में शिक्षा नीति लागू की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सभी भाषाओं के अध्ययन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सभी राज्यों में बोली जाने वाली भाषाएं हमारी राष्ट्रभाषा हैं।

- **दीक्षांत, शैक्षणिक यात्रा की पूर्णता के साथ, समाज और राष्ट्र की सेवा यात्रा का शुभारंभ अवसर।**
- **दीक्षांत समारोह सिर्फ डिग्री प्राप्त करने का उत्सव नहीं, विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और गुरुजनों के मार्गदर्शन का है प्रतिफल।**
- **राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विद्यार्थियों को उपाधि और स्वर्ण पदक प्रदान किए।**

मध्यप्रदेश सरकार ने राष्ट्रभाषा हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई कराने की पहल की है, जिसे काफी सराहना मिल रही है। शिक्षा को केवल नौकरियों से न जोड़ा जाए, यह समाज में ज्ञान के सतत प्रसार का माध्यम है। राज्य में कुलपति को कुलगुरु की नई संज्ञा मिली है, जिसे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली ने भी अपनाया है। प्रदेश के विश्वविद्यालयों में नवाचारों के साथ कृषि संकाय और फैशन डिजाइनिंग जैसे रोज़गारपरक पाठ्यक्रम की पढ़ाई कराई जा रही है।

## सुशासन का मिले सबको लाभ यही है हमारा लक्ष्य - मुख्यमंत्री

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय से समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के हर नागरिक और जरूरतमंद को सुशासन का सीधा लाभ मिले, यही सरकार का मूल लक्ष्य है। इसलिए प्रदेश के हर नागरिक को सुशासन का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। हरसंभव तरीके से अपनी दक्षता और क्षमता बढ़ायें। जिले में लंबित प्रकरणों पर पैनी नजर रखें। योजनाओं का समय-सीमा में क्रियान्वयन सुनिश्चित हो, इसके लिए बेहतर से बेहतर प्रबंधन करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को यह निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने समाधान ऑनलाइन में आए प्रदेश के 12 जिलों के विभिन्न श्रेणी के प्रकरणों की सीधी सुनवाई की और आवेदकों से रू-ब-रू बात कर उनके मामले के निराकरण की स्थिति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने नागरिक सेवाओं में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी कलेक्टर सरकार की योजनाओं के डिलेवरी सिस्टम की बेहतरी और मजबूती के लिये सतत प्रयास करें। नागरिकों के काम समय पर हों और उन्हें अपनी छोटी-छोटी जरूरतों के लिये यहां-वहां भटकना न पड़े, यह हर हाल में सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि आवेदकों की समस्याएं रूटीन कोर्स में जिला स्तर पर ही निराकृत हो जाएं, आवेदकों को सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करने की स्थिति ही नहीं आनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों का तय समय-सीमा में ही निराकरण किया जाये। यदि कोई मसला समाधान ऑनलाइन तक आ रहा है, तो यह गंभीर विषय है। सुशासन के तहत स्थानीय स्तर पर ही आवेदकों को उनकी समस्या का निदान मिल जाये।

## मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के प्रदेश प्रवास की तैयारियों की जानकारी प्राप्त की

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आगामी 17 सितम्बर को धार जिले में आगमन के संबंध में की जा रही तैयारियों की विभागवार जानकारी प्राप्त की। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन सहित संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम की रूपरेखा की जानकारी प्राप्त कर पीएम मित्र पार्क के शिलान्यास सहित 'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार और पोषण' अभियान के संबंध में निर्देश दिए। प्रदेश में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक यह अभियान और स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की जन्मदिन के अवसर पर मध्यप्रदेश को पीएम मित्र पार्क की सौगात मिल रही है। यह देश के सात पीएम मित्र पार्क में से प्रथम पार्क होगा, जहां शीघ्र कार्य प्रारंभ हो रहा है। मुख्यमंत्री ने विभिन्न औद्योगिक इकाइयों को आमंत्रित किया है। धार जिले सहित मालवा-निमाड़ अंचल के कपास उत्पादक किसानों के जीवन में पीएम मित्र पार्क निर्णायक परिवर्तन लाने का माध्यम बनेगा। पीएम मित्र पार्क के माध्यम से एक लाख लोगों को प्रत्यक्ष और दो लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार मिलेगा।

## छत्तीसगढ़ को अतिवृष्टि में मदद करना हमारा दायित्व - मुख्यमंत्री

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छत्तीसगढ़ में अतिवृष्टि और बाढ़ से निर्मित स्थिति के संदर्भ में कहा है कि पड़ोसी राज्य की मदद करना हमारा दायित्व है। मध्यप्रदेश सरकार की ओर से मदद की भावना से 5 करोड़ रुपये की राशि और एक ट्रेन राहत सामग्री, छत्तीसगढ़ भेजी जा रही है। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा सहित कई क्षेत्रों में बाढ़ से बहुत क्षति हुई है। छत्तीसगढ़ सरकार प्रभावित क्षेत्रों में नागरिकों की सहायता के लिए जिस तत्परता से कार्य कर रही है, वह सराहनीय है। राज्य सरकार प्रदेश के आसपास के हालातों पर लगातार निगाह रख रही है।

## मुख्यमंत्री ने किया मऊगंज के जल प्रपात का अवलोकन

**रीवा,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मऊगंज जिले के प्रवास पर नई गढ़ी जनपद पंचायत के बहुती जल प्रपात का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने वाटरफॉल के नजदीक जाकर व्यू प्वाइंट से जलप्रपात की गिरती हुई दूधिया जल धारा और वहां बनने वाले इंद्रधनुष की आभा को देखा।

मुख्यमंत्री ने बहुती जल प्रपात के समीप कार्यक्रम स्थल पर गौपूजन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव से जंगल में विचरण करने वाली गौमाताओं को अपनी एक आवाज में अपने पास बुलाने की कला रखने वाले रकरी गांव के गौसेवक सौखीलाल यादव ने भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री का प्रजापिता ब्रह्मकुमारी आश्रम की दीदीओं द्वारा सम्मान कर उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किए। मुख्यमंत्री का बहुती पहुंचने पर पारंपरिक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मऊगंज की लोक कला की छात्राओं ने बघेली शैली नृत्य और स्थानीय लोक कलाकारों के दल ने अहिरहाई लोकनृत्य की प्रस्तुति देकर स्वागत किया।

**पर्यटक स्थल के रूप में किया जा रहा है विकसित**

कलेक्टर मऊगंज संजय जैन ने बताया कि बहुती जल प्रपात को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने एवं जन सुविधाओं के विकास के लिए 10 करोड़ रुपये लागत की कार्ययोजना प्रस्तावित की गई है। कलेक्टर ने बताया कि बहुती प्रपात के अप स्ट्रीम में स्टॉप डैम का निर्माण प्रस्तावित है। स्टॉप डैम में जल का संचय होने से वाटर फॉल की जल धारा का बारह माह सदा अविरल प्रवाह बना रहेगा।

**प्रदेश का सबसे ऊंचा बहुती जल प्रपात**

बहुती जल प्रपात रीवा से 75 किलोमीटर दूर मऊगंज जिले में स्थित है। यह विन्ध्य क्षेत्र ही नहीं पूरे मध्यप्रदेश का सबसे ऊंचा जलप्रपात है। बहुती में सेलर नदी 650 फिट की ऊंचाई से दो धाराओं में विभक्त होकर गिरती है। नीचे सुंदर कुंड और चारों ओर घने वन हैं। बहुती में अनंत जलराशि लंबवत चट्टानों पर गिरती है। जुलाई से सितम्बर माह तक इस प्रपात की सुंदरता मनमोहक होती है।

## स्थानांतरण से प्रभावित अतिथि विद्वानों को विकल्प भरने का दें अंतिम अवसर

**भोपाल,** उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने मंत्रालय स्थित प्रतिकक्ष में, उच्च शिक्षा विभाग की बैठक लेकर विविध विभागीय गतिविधियों एवं कार्यों के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने फॉलन आउट अतिथि विद्वानों को, जो मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित सहायक प्राध्यापकों की पदस्थापना से या स्थानांतरण से प्रभावित हुये है, ऐसे अतिथि विद्वानों के प्रकरणों में विचार करते हुये पृथक से विकल्प भरने का अंतिम अवसर प्रदान करने के निर्देश दिये।

श्री परमार ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न महाविद्यालयों में एकल संकाय से बहुसंकाय एवं स्नातक से स्नातकोत्तर किए जाने को लेकर भी विस्तृत चर्चा कर, आवश्यक निर्देश दिए। श्री परमार ने विद्यार्थियों की उपस्थिति को लेकर, परफॉर्मेंस इंडेक्स तैयार करने की कार्ययोजना पर क्रियान्वयन करने को कहा। श्री परमार ने नकल पर नकेल कसने, परीक्षा पद्धति को पारदर्शी बनाने के लिए डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली एवं विधि महाविद्यालय से जुड़े विषयों सहित अन्य बिंदुओं पर व्यापक चर्चा कर, आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

## संबल योजना सच्चे अर्थों में श्रमिक भाई-बहनों का सहारा - मुख्यमंत्री

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय से संबल योजना के 7 हजार 953 हितग्राहियों के खातों में 175 करोड़ रुपये अंतरित कर संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति में मान्यता है कि 'परहित सरिस धर्म नहिं भाई' यानी दूसरों की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है और संबल योजना दूसरों की सेवा करने की इसी भावना को चरितार्थ करने का मार्ग है। राज्य सरकार की इस पहल का ही परिणाम है कि संबल योजना सच्चे अर्थों में श्रमिक भाई-बहनों का सहारा बनी हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि यह राशि श्रमिक भाई-बहनों के लिए बड़ी मदद साबित होगी। प्रदेश में 1 करोड़ 77 लाख से अधिक श्रमिक इस योजना में

पंजीकृत हैं। पंजीयन की प्रक्रिया लगातार जारी है। इस अवसर पर पंचायत और ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम से सभी जिले वर्चुअली रूप से जुड़े।

**श्रमिकों के कल्याण के लिए 'श्रीपहल' को मंज़ूरी**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संबल योजना की शुरुआत वर्ष 2018 में हुई थी, तब से अब तक कुल 7 लाख 60 हजार 886 प्रकरणों में 7 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि हितग्राहियों को वितरित की जा चुकी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गरीबी देखी है, इसलिए वे गरीबों का दुख और उनकी जरूरतें समझते हैं। संबल योजना उसी मुश्किल वक्त के साथी का नाम है। इसी क्रम में श्रमिकों के स्वास्थ्य, शिक्षा और रोज़गार में मदद के लिए को 'श्रीपहल' को मंज़ूरी प्रदान की गई है।

**श्रमिकों की नई श्रेणी बनाकर संबल योजना में किया शामिल**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार सबका साथ और सबका विकास की राह पर अग्रसर है। मार्च 2024 से घर-घर जाकर सामान और सेवायें देने वाले गिग एवं प्लेटफार्म श्रमिकों की नई श्रेणी बनाकर संबल योजना में शामिल किया गया है। श्रमिक भाई-बहन संबल योजना में रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं और सभी आर्थिक हितलाभ ले रहे हैं। संबल योजना के जरिए श्रमिक भाई-बहनों और उनके परिवार के जीवन को आसान और बेहतर बनाने तथा उनका बेहतर भविष्य गढ़ने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

# पर्यावरण की स्वच्छता के लिए समाज और सरकार करें साझा प्रयास - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंत्रालय में पर्यावरण विभाग की गतिविधियों की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए

- उज्जैन और जबलपुर में जू कम रेस्क्यू सेंटर के निर्माण में लाएं गति।
- स्वच्छ पर्यावरण से ही स्वस्थ और समृद्ध बनेगा मध्यप्रदेश।
- भोपाल में बॉयोडायवर्सिटी पार्क की स्थापना की तैयारी।

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में पर्यावरण विभाग की गतिविधियों की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण की शुचिता बनाये रखना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण से ही प्रदेश के हर नागरिक का जीवन स्वस्थ और समृद्ध बनेगा। उन्होंने निर्देश दिए कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी विभाग आपसी सामंजस्य और सहयोग के साथ कारगर कदम उठाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल एवं वायु की शुद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए। इन दो विशेष घटकों की शुद्धता पर ही संपूर्ण पर्यावरण की स्वच्छता निर्भर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उज्जैन और जबलपुर में जू कम रेस्क्यू सेंटर की स्थापना होनी है। इस कार्य में गति लाएं और जल्द से जल्द इस कार्य को अंजाम दिया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि पर्यावरण की शुद्धता से ही हम सबका जीवन सुरक्षित रह सकता है और यह संदेश समाज तक भी पूरी जिम्मेदारी से पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की बेहतरी केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज को भी आगे आना होगा। समाज और सरकार के साझा प्रयास ही पर्यावरण को स्वच्छ और संरक्षित बनाए रख सकते हैं। बड़े तालाब में डल झील की तरह शिकारे चलाने की कार्यवाही जल्द से जल्द पूरी की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन एक वृहद विषय है। इसके लिए कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य आधारित कार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भोपाल, इंदौर, उज्जैन एवं ग्वालियर के अलावा जबलपुर, रीवा, सागर एवं खजुराहो में भी हीट कंट्रोल के लिए एक्शन प्लान बनाकर उसे क्रियान्वित किया जाए। मुख्यमंत्री ने हर्ष जताते हुए कहा कि प्रदेश में अमरकंटक, पचमढ़ी और पन्ना पहले से ही यूनेस्को बायोस्फियर रिजर्व घोषित हैं। इसके अलावा अब कान्हा, पेंच एवं बांधवगढ़ को भी यूनेस्को बायोस्फियर रिजर्व घोषित कराने के लिए समुचित कार्यवाही की जाए।

अपर मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण श्री अशोक बर्णवाल ने भोपाल के शाहपुरा क्षेत्र में करीब 100 हेक्टेयर क्षेत्र में स्टेट ऑफ द आर्ट के सहयोग से बॉयो डायवर्सिटी पार्क की स्थापना करने की विभागीय योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह संभवत: देश का पहला बॉयो डायवर्सिटी पार्क होगा। यह अहम जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री ने इसे देश का मॉडल बॉयो डायवर्सिटी पार्क बनाने के निर्देश दिए। भोपाल शहर को जैव विविधता के संरक्षण के मामले में एक नई पहचान देने वाले इस नवाचार के लिए सभी कार्यवाहियां तेजी से पूरी की जाएं।

बैठक में अपर मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण श्री बर्णवाल ने बताया कि बड़े तालाब में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही मानसून अवधि के बाद की जाएगी।

# पीएम जनमन योजना में सरकार के साथ समाज भी जुड़े - राज्यपाल

**भोपाल,** राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने पीएम जनमन योजना की प्रगति की राजभवन में समीक्षा बैठक को संबोधित किया। राज्यपाल ने कहा कि पीएम जनमन योजना जनजातीय वर्ग के कल्याण की अभूतपूर्व योजना है और यह समाज के वंचित वर्गों के उत्थान का प्रयास है। समरस समाज के निर्माण की इस पहल में सरकार के साथ समाज को भी सहयोग के लिए आगे आना चाहिए। राज्यपाल ने आह्वान किया कि पीएम जनमन आवास योजना के आवासों को और अधिक बेहतर बनाने के लिये समाज के समृद्ध वर्ग का सहयोग प्राप्त किया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने अधिकारियों से अपेक्षा की है कि प्रशासनिक स्तर पर निर्माण कार्य की मजबूती के लिए सामग्री की गुणवत्ता के साथ निर्माण की देख-रेख के प्रयासों में मैदानी सहयोग और नवाचार को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण सामग्री की लागत को कम करने, कीमतों में समन्वय, स्थानीय और हरित निर्माण सामग्री के उपयोग की संभावनाओं को तलाशा जाना चाहिए। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि आवास की मजबूती से कोई समझौता नहीं हो।

राज्यपाल ने कहा कि पीएम जनमन योजना जनजातीय समुदाय को समग्रता में लाभान्वित करने की योजना है। हितग्राहियों को लाभान्वित करने की दृष्टि से सबसे गरीब को सबसे पहले प्राथमिकता देना चाहिए और आवास मजबूत और सुविधाजनक हो। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा आवास निर्माण स्थल का निरीक्षण निर्माण कार्य की गुणवत्ता में सहयोग की दृष्टि से किया जाना चाहिए। स्थल चयन, आकार और निर्माण के दौरान लगने वाली सामग्री की उपलब्धता और गुणवत्ता संबंधी विभिन्न पहलुओं पर हितग्राहियों को सहयोग और मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए।

# गौशालाओं को स्वावलंबी बनाना जरूरी

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश गौसंवर्धन बोर्ड की मंत्रालय में हुई बैठक को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर गौशाला, प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। गौशालाएं गोबर, गौमूत्र आदि अपशिष्ट से धन अर्जित कर संपन्न बन सकती हैं। स्वावलंबी गौशालाएं विकसित करने के लिए दुग्ध उत्पादों सहित गौमूत्र-गोबर आदि से निर्मित सामग्री के विक्रय की व्यवस्था विकसित की जाए। साथ ही गौशालाओं में उपलब्ध स्थान का उपयोग सौर ऊर्जा से विद्युत उत्पादन के लिए भी किया जाए। प्रदेश के विभिन्न अंचलों में स्थानीय परिवेश के अनुरूप देसी नस्ल के गौपालन को प्रोत्साहित किया जाए। गौशालाओं के प्रबंधन में धार्मिक संस्थाओं और दानदाताओं को जोड़ें। प्रदेश में उपलब्ध पशुधन के अनुपात में पशु चिकित्सकों की संख्या कम है। गौवंश के बेहतर प्रबंधन और दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के लिए पशु चिकित्सकों की संख्या में बढ़ोतरी आवश्यक है। इस दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा अनुसार प्रदेश में देसी नस्ल के गौपालन को प्रोत्साहित करने के लिए गिर, साहीवाल, मालवी और नागौरी नस्ल के पशुधन को प्रोत्साहित किया जाए। प्रदेश के जनजातीय अंचलों में भी गौपालन गतिविधियों को बढ़ाने के लिए आवश्यक नवाचार किए जाएं।

## सुमन सखी चैटबॉट सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

**भोपाल,** उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया विज़न के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाओं में नवीनतम तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रदेश में जल्द ही सुमन सखी चैटबॉट सेवा प्रारंभ की जा रही है। सुमन सखी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चैटबॉट होगा, जो नागरिकों को गर्भावस्था के दौरान देखभाल, उच्च जोखिम कारकों की जानकारी, तथा महिलाओं से संबंधित सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं और सेवाओं की जानकारी आसानी से उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल प्रदेश में नागरिक-केंद्रित सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सेवा न केवल योजनाओं की जानकारी और सेवाओं तक त्वरित पहुंच उपलब्ध कराएगी, बल्कि शासन की पारदर्शिता, जनविश्वास को मजबूत करेगी।

मिशन डायरेक्टर एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना ने बताया कि सुमन सखी चैटबॉट राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश द्वारा मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एमपीएसईडीसी) के सहयोग से विकसित किया गया है। सुमन सखी चैटबॉट 24x7 उपलब्ध रहेगा और हिंदी भाषा में होगा, ताकि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की महिलाएं भाषा की किसी भी बाधा के बिना इसका लाभ उठा सकें। प्रारंभिक चरण में इसका फोकस मातृ स्वास्थ्य सेवाओं पर होगा और धीरे-धीरे अन्य प्रमुख योजनाएं भी इसमें शामिल की जाएंगी। नागरिक इसे व्हाट्सएप के माध्यम से उपयोग कर सकेंगे।

# उद्योग जगत की जरूरत और भारतीय ज्ञान परम्परा समावेशी पाठ्यक्रम का निर्माण करें - मंत्री श्री परमार

**भोपाल,** उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने मंत्रालय में तकनीकी शिक्षा विभाग की बैठक में विविध विभागीय गतिविधियों एवं कार्यों के क्रियान्वयन एवं प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री परमार ने निर्माण कार्यों एवं एसएफसी उपरांत स्वीकृत कार्यों की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सेवा भर्ती नियम-2004 के अंतर्गत नियुक्त उच्च पदों पर पूर्व से कार्यरत शिक्षकों के पेंशन प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री परमार ने शासकीय तकनीकी शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता नियमों का पुनरावलोकन कर समसामयिक बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के झाबुआ स्थित परिसर में संचालित यूआईटी के लिए यथावत सतत संचालन के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को भी कहा। उन्होंने तकनीकी शिक्षण संस्थानों में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के मापदंडों के अनुरूप शैक्षणिक पदों की भर्ती एवं प्रयोगशालाओं आदि के लिए आवश्यक मानव संसाधन की पूर्ति शीघ्र करने के निर्देश दिए। श्री परमार ने उद्योग जगत की आवश्यकता अनुरूप पाठ्यक्रम निर्माण के लिए क्षेत्रीय आवश्यकताओं एवं मांगों के व्यापक अध्ययन के साथ क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। पाठ्यक्रमों में भारतीय ज्ञान परम्परा के समावेश के लिए आवश्यक क्रियान्वयन करने को कहा। तकनीकी शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों को जापानी एवं जर्मनी भाषा सिखाने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार करने को कहा है।

## कृषि उद्योग समागम सीहोर में होगा

**भोपाल,** प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कृषि विकास एवं किसानों को आधुनिक तकनीकों से सीधे जोड़ने के दृष्टिकोण को क्रियान्वित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य शासन द्वारा इस वर्ष 'कृषि उद्योग समागम-2025 (एग्रीकल्चर इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव) का आयोजन नवंबर माह में सीहोर में किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन वृहद स्तर पर कई विभागों की सहभागिता से किया जाएगा। इसके सफल क्रियान्वयन के लिए राज्य शासन द्वारा समिति गठित की गई है।

समिति के अध्यक्ष सचिव, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग होंगे।

# सामाजिक-आर्थिक और जीवन के उन्नयन का प्रभावी माध्यम हैं पंचायतें

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों और योजनाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायतें सामाजिक-आर्थिक जीवन स्तर के उन्नयन का प्रभावी माध्यम हैं। शासन की कल्याणकारी योजनाओं और विकास गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन में पंचायतराज संस्थाओं की सक्रिय सहभागिता और उनकी व्यवस्थाओं में पारदर्शिता आवश्यक है। प्रदेश की सभी पंचायतों में सभी लोगों को मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता का आकलन कराते हुए, विकास गतिविधियां संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहारों से पहले सभी गांवों में साफ-सफाई सुनिश्चित करें। साथ ही धार्मिक पर्वों पर होने वाले भंडारों और धार्मिक आयोजनों को प्लास्टिक कचरा मुक्त बनाने में ग्राम पंचायतें पहल करें।

### प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए हों गतिविधियां संचालित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्राम स्तर की जरूरतों, प्राथमिकताओं और सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के उद्देश्य से स्थानीय स्तर पर सहभागी नियोजन और योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन आवश्यक है। स्थानीय स्तर पर कार्य कर रहे पंचायत प्रतिनिधियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए भी गतिविधियां संचालित की जाएं। प्रदेश में हो रहे नगरीय विस्तार को देखते हुए नगरों के पास के ग्रामों और ग्राम पंचायतों में अधोसंरचना विकास प्रबंधन के लिए विशेष व्यवस्था की जाए।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत बन रहे आवासों का निर्माण जलवायु की अनुकूलता और ग्रीष्म ऋतु के प्रभाव का आकलन करते हुए किया जाए। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में बन रहे पीएम आवास का डिजाइन ऐसा हो, जिससे इनकी विशेष पहचान बनी रहे। उन्होंने कहा कि स्वावलंबी रूप में संचालित हो रही गौशालाओं के प्रबंधन का दस्तावेजीकरण किया जाए तथा अन्य जिलों के गौशाला संचालक भी स्वावलंबी प्रबंधन प्रक्रिया का अनुसरण करें।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

### 'सेवा पखवाड़ा अभियान' में विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में होंगी विविध गतिविधियां

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशों के अनुपालन में, उच्च शिक्षा विभाग ने 17 सितम्बर से आरम्भ होने वाले 'सेवा पखवाड़ा अभियान' के अंतर्गत, प्रदेश के समस्त शासकीय एवं अशासकीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार, समस्त विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक विविध गतिविधियां आयोजित होंगी। इसके अनुसार 17 सितम्बर को स्वच्छता रैली तथा शैक्षणिक संस्थानों में स्वच्छता अभियान, 18 सितम्बर को पौधरोपण एवं पर्यावरण जागरूकता के लिए व्याख्यान, 19 सितम्बर को जैविक खेती के संबंध में जागरूकता रैली, किसानों के साथ चर्चा, 20 सितम्बर को सामाजिक कुरीतियों के प्रति जागरूकता व्याख्यान, संवाद एवं नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया जायेगा।

### मध्यप्रदेश को मिला 'बेस्ट स्टेट टूरिज्म बोर्ड' अवॉर्ड

**नई दिल्ली,** केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड को प्रतिष्ठित बेस्ट स्टेट टूरिज्म बोर्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया है। यह सम्मान नई दिल्ली के ली मेरिडियन में भव्य इंडिया ट्रैवल अवॉर्ड्स 2025 समारोह में प्रदान किया गया। इस राष्ट्रीय स्तर के सम्मान ने भारत के पर्यटन क्षेत्र में नवाचार, उत्कृष्टता और सतत विकास को लेकर मध्यप्रदेश की अग्रणी भूमिका को रेखांकित किया है।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

# नए वाहनों पर 'सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट' से मोटरयान कर में 50 प्रतिशत की छूट दिये जाने का निर्णय

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक हुई सम्पन्न

**भोपाल,** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रिपरिषद द्वारा पंजीकृत वाहन स्क्रेपिंग सुविधा में स्क्रेपिंग को बढ़ावा देने के लिए बीएस-I और पूर्ववती तथा बीएस-॥ व्यापक उत्सर्जन मानक मानदंडों वाले वाहनों को जारी 'सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट' के विरुद्ध पंजीकृत किये जाने वाले नए गैर परिवहन यानों तथा नए परिवहन वाहनों पर 50 प्रतिशत की मोटरयान कर में छूट प्रदान किये जाने की स्वीकृति शर्तों के अधीन प्रदान की गयी है।

समस्त यान जो व्यापक उत्सर्जन मानक भारत चरण 1 (बीएस-1) मानक और पूर्ववती व्यापक उत्सर्जन मानक मानदंडों अनुसार विनिर्मित किये गए हैं तथा मध्यम मालयान, भारी मालयान, मध्यम यात्री मोटरयान, भारी पात्री मोटरयान जो व्यापक उत्सर्जन मानक भारत चरण 2 (बीएस-II) मानदंडों के अनुसार विनिर्मित किये गए हैं, को इसके तहत छूट प्रदान की गयी है।

प्रदेश में वर्ष 2024-25 में 1563 नए वाहन पंजीकरण पर लगभग 17 करोड़ 5 लाख रुपये की छूट प्रदान की गई है। वर्तमान में BS-1 एवं BS-II श्रेणी के लगभग 99 हजार मोटरयान ऑनरोड हैं। इनको मोटरयान कर में 50 प्रतिशत छूट दिए जाने पर 100 करोड़ रुपये का वित्तीय भार आएगा। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा पंजीकृत वाहन स्क्रेपिंग सुविधा में स्क्रेपिंग को बढ़ावा देने के लिए मध्यप्रदेश को 200 करोड़ रुपये की विशेष सहायता प्राप्त होगी। भारत में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए भारत स्टेज (बीएस-1) उत्सर्जन मानदंडों को सबसे पहले अप्रैल 2000 में लाया गया था।

स्वीकृति अनुसार जिस व्यक्ति के नाम से तत्समय 'Certificate of Deposit धारित होगा उसी व्यक्ति के नाम पर नया वाहन क्रय किये जाने पर मोटर यान कर में छूट प्रदान की जाएगी। वाहन स्वामी द्वारा नया वाहन खरीदने पर प्रोत्साहन और लाभ प्राप्त करने के लिए, 'Certificate of Deposit एक आवश्यक और पर्याप्त दस्तावेज होगा, इस प्रमाण-पत्र की वैधता जारी होने की तिथि से 3 वर्ष होगी।

'सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट' इलेक्ट्रॉनिक रूप से विनिमय योग्य होगा। प्रत्येक नए मालिक को 'Certificate of Deposit' का हस्तांतरण फॉर्म 2 डी के अनुसार ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा। 'Certificate of Deposit' का एक बार उपयोग हो जाने पर, उस क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय या डीलर द्वारा उसे वाहन डेटाबेस में 'रद्द' के रूप में चिह्नित कर दिया जाएगा, जिसके द्वारा उक्त प्रमाण-पत्र के धारक को लाभ प्रदान किया गया है। मोटरयान कर में छूट तभी प्रदान की जाएगी, जब नया वाहन मध्यप्रदेश राज्य में पंजीकृत किसी आर.वी.एस.एफ. द्वारा ही जारी 'Cerificate of Deposit के विरुद्ध पंजीकृत किया जाये। यदि 'Certificate of Deposit' मध्यप्रदेश राज्य के अलावा किसी अन्य राज्य में स्थित आर.वी.एस.एफ. द्वारा जारी किया गया हो तो मोटरयान कर में छूट प्रदान नहीं की जाएगी।

मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश की नगर पालिका परिषद, नगर परिषदों के अध्यक्ष पद का निर्वाचन आगामी आम-निर्वाचन में प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा कराये जाने के लिए मध्यप्रदेश नगरपालिका (संशोधन) अध्यादेश 2025 लाये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। मध्यप्रदेश में नगरीय निकायों के अध्यक्ष पद का निर्वाचन प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा वर्ष 1999 से 2014 तक लगातार किया जाता रहा है। कोविड महामारी के आ जाने से वर्ष 2019 में निर्वाचन नहीं हो सके।

*(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)*

फैक्ट फाइल

डिजिटल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नवाचार का केंद्र बन रही है राजधानी भोपाल

# भारत के डिजिटल भविष्य का लॉन्चपैड बनने की ओर अग्रसर मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल अब डिजिटल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नवाचार का केंद्र बन रही है। यह हाईटेक इंडस्ट्रीज के लिए मनपसंद स्थान के रूप में स्थापित हुआ है। यह संभव हुआ है मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की विकासमूलक रणनीतिक सोच, योजनाबद्ध इंफ्रास्ट्रक्चर एवं ईको सिस्टम का विकास और भविष्योन्मुखी नीतियों के निर्माण से देशी-विदेशी कंपनियां मध्यप्रदेश को उद्योग लगाने के लिए चुन रही हैं। उन्हें प्रदेश में ईज-ऑफ-डूइंग बिजनेस और नीतिगत प्रक्रिया सहयोग भी मिल रहा है। सेमी-कंडक्टर और ड्रोन जैसे डीप-टैक उपक्रमों से लेकर एवीजीसी और डाटा सेंटर्स तक के लिये मध्यप्रदेश भारत के डिजिटल भविष्य का लॉन्चपैड बनता जा रहा है।

### ग्लोबल स्किल्स पार्क में नया क्रिएटिव हब

भोपाल में स्थापित हो रहा ग्लोबल स्किल्स पार्क, एवीजीसी-एक्सआर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस युवाओं को गेमिंग, एनीमेशन और वीएफएक्स के क्षेत्र में प्रशिक्षण और स्टार्ट-अप्स के लिए मंच देगा। इसमें एलईडी वर्चुअल प्रोडक्शन स्टूडियो, एआई लैब्स, मोशन कैप्चर सिस्टम और रेंडर फार्म्स जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी।

### ड्रोन ट्रेनिंग और शोध केंद्र बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

आईसर भोपाल में बन रहा ड्रोन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एआई-एनेबल्ड ड्रोन निर्माण, स्वदेशी प्रोटोटाइपिंग और एआर-वीआर आधारित प्रशिक्षण के अनूठे मंच के रूप में विकसित हो रहा है। यहां देश की पहली एआई-यूएवी डाटा रिपॉजिटरी भी स्थापित होगी, जो कृषि, आपदा प्रबंधन और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों के लिए नवाचारों को प्रेरित करेगी।

### सेमी-कंडक्टर निर्माण की इकाई

भारत के सेमी-कंडक्टर मिशन का अहम भागीदार कायनेस सेमीकॉन अब भोपाल के आईटी पार्क में अपनी इकाई स्थापित कर रहा है। इससे चिप डिज़ाइन, असेंबली और अनुसंधान को एक नई दिशा मिलेगी। यह कदम प्रदेश की डीप-टैक नीति को सशक्त करेगा।

### मध्यप्रदेश का पहला निजी ग्रीन डाटा सेंटर

एशिया का सबसे बड़ा रेटेड-4 हाइपर स्केल डाटा सेंटर ऑपरेटर, भोपाल के आईटी पार्क में ग्रीन डाटा सेंटर स्थापित कर रहा है। इमर्सिव कूलिंग जैसी तकनीकों से युक्त यह डाटा सेंटर जीरो-एमिशन लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए तैयार किया जा रहा है। यह क्लाउड और एआई कम्प्यूटिंग के क्षेत्र में प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

### इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर

भोपाल के बांदाखेड़ी में 209 एकड़ में फैला ईएमसी 2.0 क्लस्टर मोबाइल, सेमी-कंडक्टर, पीसीबी, एलईडी और ई-मोबिलिटी उद्योगों के लिए तैयार किया जा रहा है। इसमें रेडी-बिल्ट फैक्ट्री, टेस्टिंग लैब्स और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट जैसी सुविधाएं होंगी। इसमें 1500 करोड़ रुपये का निवेश होगा और इससे 75 हजार रोज़गार सृजित होंगे।

### मैन्युफैक्चरिंग से आत्मनिर्भरता की ओर

भोपाल में स्थापित हो रही प्रिंटेड सर्किट बोर्ड निर्माण इकाई राज्य के सेमी-कंडक्टर ईको सिस्टम को मजबूती प्रदान करेगी। यह रक्षा, ऑटोमोबाइल और औद्योगिक ऑटोमेशन जैसे क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम होगा।

राज्य सरकार उद्योगों को न केवल कम समय में मंजूरी और समाधान उपलब्ध करा रही है, बल्कि निवेशकों में दीर्घकालिक साझेदारी का भरोसा भी जगाने में सफल हो रही है। भोपाल की यह यात्रा केवल तकनीकी विकास की नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की नई कहानी लिखने का प्रारंभ है। मध्यप्रदेश नवाचार, ज्ञान और डिजिटल कौशल के केंद्र के रूप में उभर रहा है।

**शशांक मणि पांडे**
*(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)*

श्री सी.पी. राधाकृष्णन

## भारत के 15वें उपराष्ट्रपति बने

श्री सी.पी. राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति बन गए हैं। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में श्री राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति श्री राधाकृष्णन को बधाई दी है। श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव में श्री बी. सुदर्शन रेड्डी को हराकर जीत हासिल की। चुनाव के बाद राज्यसभा के महासचिव और निर्वाचन अधिकारी श्री पी.सी. मोदी ने परिणाम घोषित करते हुए बताया कि 781 सांसदों में से 767 ने मतदान किया, जिससे 98.2 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ। उपराष्ट्रपति के प्रत्याशी श्री सी.पी. राधाकृष्णन को 452 मत प्राप्त हुए। वहीं, श्री बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 मत मिले।

केरल में बना

## देश का पहला वरिष्ठ नागरिक आयोग

केरल देश का पहला राज्य बन गया है,जिसने वृद्ध आबादी का कल्याण, संरक्षण और पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिए वरिष्ठ नागरिकों के लिये एक आयोग का गठन किया है। पूर्व राज्यसभा सांसद और कोल्लम जिला पंचायत अध्यक्ष के. सोमप्रसाद को इस आयोग का पहला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। आयोग का मुख्यालय तिरुवनंतपुरम में स्थित होगा। यह आयोग, राज्य वरिष्ठ नागरिक आयोग अधिनियम, 2025 की धारा 3(1) के तहत गठित किया गया है। यह आयोग वृद्धावस्था से संबंधित सामाजिक पूर्वाग्रहों को दूर करने के लिए काम करेगा। इसके साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के कौशल, अनुभव और नवीन विचारों से अन्य लोगों को लाभान्वित करेगा। देश में सबसे अधिक वृद्ध आबादी वाले राज्यों में से एक, केरल में वर्ष 2026 के अंत तक एक-चौथाई लोगों की आयु 60 वर्ष से अधिक होने का अनुमान है।

महाआर्यमन सिंधिया

## मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष बने

महाआर्यमन सिंधिया मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के नए अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। 29 वर्षीय महाआर्यमन मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के 68 वर्ष के इतिहास में सबसे युवा अध्यक्ष बन गए हैं। अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद महाआर्यमान सिंधिया ने कहा कि मैं मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सभी सदस्यों को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए मुझ पर भरोसा जताया। मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की पिछली कार्यकारिणी ने भी बहुत अच्छा कार्य किया और मेरा प्रयास होगा कि उन्हीं कार्यों को आगे ले जाते हुए मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाऊ। निर्विरोध निर्वाचन पर उन्होंने कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन एक परिवार है।

विपिन शर्मा

## हॉलीवुड फिल्म 'मंकी मैन' के लिए एस्टार अवॉर्ड से सम्मानित

हॉलीवुड फिल्म 'मंकी मैन' में किन्नर का किरदार निभाने वाले दिग्गज बॉलीवुड अभिनेता विपिन शर्मा को 'एस्टार अवार्ड्स-2025' से सम्मानित किया गया। विपिन शर्मा को हाल ही में बैंकॉक में आयोजित 'एस्टार अवार्ड्स-2025' के उद्घाटन समारोह में बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिल्म साइंस एंड आर्ट्स (आईआईएफएसए) ने इस कार्यक्रम को आयोजित किया था। इन पुरस्कारों का उद्देश्य सिनेमा के क्षेत्र में उत्कृष्ट काम करने वालों को सम्मानित करना है। विपिन शर्मा ने अवॉर्ड पाने के बाद कहा कि पहले ही एस्टार अवार्ड्स में यह सम्मान पाकर मैं सचमुच अभिभूत हूं। ''मंकी मैन'' मेरे लिए एक खास सफर रहा है और दुनिया भर के दर्शकों के साथ इस एक्टिंग से जुड़ते देखना बहुत सुखद है।

लॉरेना रुइज

## मिस टीन इंटरनेशनल-2025 बनीं

मिस टीन इंटरनेशनल-2025 का खिताब स्पेन की लॉरेना रुइज ने अपने नाम किया। विश्व की सबसे बड़ी टीन ब्यूटी कॉम्पीटिशन के रूप में जानी जाने वाली इस प्रतियोगिता के फाइनल का आयोजन जयपुर में किया गया, जिसमें 24 देशों की प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इनमें कनाडा, जापान, कोलंबिया और मैक्सिको जैसे देश शामिल हैं। विजेताओं में भारत की काजिया लिज मेजो फर्स्ट रनर-अप, कोलंबिया की वलेरिया मोरालेस सेकंड रनर-अप, प्यूर्टो रीको की साब्रिना मारिया फेलिसियानो थर्ड रनर-अप और मेक्सिको की ग्रेशिया नोवेलो चौथे स्थान पर रहीं।

डॉ. दीपक मित्तल

## संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत नियुक्त

केंद्र सरकार ने अनुभवी राजनयिक डॉ. दीपक मित्तल को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया। वर्ष 1998 बैच के भारतीय विदेश सेवा अधिकारी मित्तल इससे पहले प्रधानमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त सचिव के पद पर कार्यरत थे। डॉ. दीपक मित्तल इससे पहले वर्ष 2020 से 2022 तक कतर में भारत के राजदूत रह चुके हैं। दोहा में उनके कार्यकाल के दौरान, भारत ने अगस्त 2021 में काबुल में तालिबान के सत्ता पर कब्ज़ा करने के कुछ सप्ताह बाद, उसके साथ पहला राजनयिक संपर्क स्थापित किया। डॉ. दीपक मित्तल ने वर्ष 2018 से 2020 तक दिल्ली स्थित विदेश मंत्रालय के मुख्यालय में पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान-ईरान डेस्क का भी काम किया है।

रजित पुन्हानी

## भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के सीईओ बने

केंद्र सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी रजित पुन्हानी को भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है। बिहार कैडर के 1991 बैच के आईएएस अधिकारी रजित पुन्हानी कौशल विकास एवं उद्यमिता सचिव हैं। कार्मिक मंत्रालय ने उनकी नियुक्ति की घोषणा की है। एफएसएसएआई, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है। पुन्हानी के पास केंद्र, राज्य और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर तीन दशक से ज्यादा का प्रशासनिक अनुभव है।

डेविड लैमी

## ब्रिटेन के उपप्रधानमंत्री बने

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने अपनी कैबिनेट में बदलाव करते हुए विदेश मंत्री डेविड लैमी को उप प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। यह कदम उस समय उठाया गया जब मौजूदा डिप्टी पीएम एंजेला रेनर ने टैक्स कम चुकाने के मामले में अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए इस्तीफा दे दिया था। एंजेला रेनर, जो हाउसिंग सेक्रेटरी का पद भी संभाल रही थीं, ने हाल ही में इंग्लैंड के दक्षिणी तट पर नया घर खरीदा था। जांच में यह सामने आया कि उन्होंने इस खरीद पर पूरा टैक्स नहीं चुकाया। इसके बाद विपक्ष और मीडिया के दबाव में उन्होंने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था।

भूपेंद्र गुप्ता

## एनएचपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक बने

केंद्र सरकार ने भूपेंद्र गुप्ता को भारत की अग्रणी जलविद्युत कंपनी और भारत सरकार का एक 'नवरत्न' उद्यम एनएचपीसी लिमिटेड का अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है, उन्होंने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। एनएचपीसी में शामिल होने से पूर्व, भूपेंद्र गुप्ता टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में निदेशक (तकनीकी) के पद पर कार्यरत थे। श्री गुप्ता एसजेवीएन लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के पद का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे हैं। श्री भूपेन्द्र गुप्ता के पास इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री और संचालन प्रबंधन में एमबीए की डिग्री है।

एंड्रयू होलनेस

## लगातार तीसरी बार जमैका के प्रधानमंत्री निर्वाचित

जमैका में हुए संसदीय चुनावों में प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है। यह चुनाव ऐसे समय में हुआ, जब देश भ्रष्टाचार, असमानता और आर्थिक समस्याओं से जूझ रहा है। नतीजों के अनुसार होलनेस की जमैका लेबर पार्टी ने 34 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि विपक्षी नेता मार्क गोल्डिंग की पीपुल्स नेशनल पार्टी को 29 सीटों पर जीत हासिल हुई। गोल्डिन ने एक संक्षिप्त भाषण में अपनी हार स्वीकार की और कहा कि उन्हें नतीजों से निराशा हुई है, लेकिन उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी की जीत को स्वीकार किया और उसे उनकी सफलता माना। जमैका में हुए आम चुनाव में जमैका प्रोग्रेसिव पार्टी, यूनाइटेड इंडिपेंडेंट्स कांग्रेस और नौ निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी हिस्सा लिया। इन उम्मीदवारों ने अलग-अलग क्षेत्रों से चुनाव लड़ा।

अनुपर्णा रॉय

## वेनिस फिल्म महोत्सव में मिला सर्वश्रेष्ठ निदेशक का पुरस्कार

भारतीय फिल्म निदेशक अनुपर्णा रॉय ने 82वें वेनिस फिल्म फेस्टिवल में सर्वश्रेष्ठ निदेशक का पुरस्कार अपने नाम किया है। ये पुरस्कार जीतने वाली अनुपर्णा रॉय पहली भारतीय बन गई हैं। उन्होंने ये पुरस्कार अपनी फिल्म 'सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज' के लिए जीता है। अनुपर्णा रॉय ने 82वें वेनिस फिल्म फेस्टिवल में ओरिजॉटी सेक्शन में ये अवॉर्ड जीता है। यह कैटेगरी सिनेमा में नए रुझानों पर केंद्रित है और इसमें पहली बार की गई रचनाएं, युवा प्रतिभाएं, इंडी फिल्में और अनकॉमन फिल्में शामिल हैं जो कम लोकप्रिय होकर भी लोगों पर बड़ा प्रभाव छोड़ती हैं। अनुपर्णा रॉय की फिल्म 'सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज' इस प्रतिष्ठित श्रेणी में चयनित होने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म भी थी।

अनुतिन चार्नविराकुल

## थाईलैंड के 32वें प्रधानमंत्री बने

अनुतिन चार्नविराकुल को थाईलैंड का नया प्रधानमंत्री बनाया गया है। चार्नविराकुल, थाईलैंड के 32वें प्रधानमंत्री हैं। चार्नविराकुल को थाईलैंड की प्रतिनिधि सभा में हुए मतदान में 492 में से 247 से ज्यादा वोट मिले। इससे उन्हें बहुमत हासिल हो गया। चार्नविराकुल और उनकी सरकार, थाईलैंड के राजा महा वजीरालोंगकोर्न से औपचारिक नियुक्ति मिलने के बाद पदभार ग्रहण करेगी। 58 वर्षीय चार्नविराकुल, भूमजैथाई पार्टी के नेता हैं और एक अनुभवी राजनेता के रूप में जाने जाते हैं। इससे पहले वह थाईलैंड के गृह मंत्री और उपप्रधानमंत्री भी रह चुके हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान वह देश के स्वास्थ्य मंत्री भी रह चुके हैं, लेकिन उनकी आलोचना हुई थी। इसके अलावा वह डिप्टी कॉमर्स मंत्री और डिप्टी स्वास्थ्य मंत्री भी रह चुके हैं।

## स्मृति शेष

## टीवी अभिनेत्री प्रिया मराठे का निधन

मशहूर टीवी अभिनेत्री प्रिया मराठे का 38 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। प्रिया हिन्दी और मराठी टीवी इंडस्ट्री का जाना-पहचाना नाम हैं। उन्होंने कई टीवी शोज और वेब सीरीज में काम किया है। प्रिया को कुछ सालों पहले कैंसर हुआ था। वो कैंसर से रिकवर भी कर रही थीं। लेकिन कुछ समय पहले फिर एक बार कैंसर उनकी बॉडी में फैलने लगा और उनके शरीर ने ट्रीटमेंट को रिस्पॉन्ड करना बंद कर दिया। उल्लेखनीय है कि प्रिया को टीवी सीरियल 'पवित्र' रिश्ता से नेम-फेम मिला था।

## हॉलीवुड अभिनेता ग्राहम ग्रीन का निधन

हॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता ग्राहम ग्रीन का 73 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। लंबे समय से बीमार चल रहे ग्रीन ने टोरंटो के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। 22 जून 1952 को ओंटारियो (कनाडा) में जन्मे ग्राहम ग्रीन आदिवासी पृष्ठभूमि से ताल्लुक रखते थे। फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले उन्होंने कई छोटे-मोटे काम किए। थियेटर से शुरुआत करने के बाद वर्ष 1979 में उन्होंने टीवी शो द ग्रेट डिटेक्टिव से डेब्यू किया। वर्ष 1983 में आई फिल्म रनिंग ब्रेव से उन्होंने बड़े पर्दे पर कदम रखा।

## दिग्गज फैशन डिजाइनर जियोर्जियो अरमानी का निधन

इटली के मशहूर फैशन डिजाइनर और अरमानी ग्रुप के फाउंडर जियोर्जियो अरमानी का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। अरमानी इटली को ग्लोबल फैशन में अग्रणी बनाने और हॉलीवुड सितारों के लिए कपड़े डिजाइन करने के लिए मशहूर थे। उन्होंने करीब 50 वर्षों तक फैशन की दुनिया में अपना दबदबा बनाए रखा और अरमानी को दुनिया के सबसे मशहूर लग्जरी ब्रांड्स में से एक बनाया। जियोर्जियो अरमानी अपने पिता यूगो अरमानी और मां मारिया रेमॉन्डी की दूसरी संतान थे। वो अपने बड़े भाई सर्जिओ और छोटी बहन रोसेना के साथ पियासेंजा में पले बढ़े। अरमानी के पिता यूगो एक शिपिंग कंपनी में अकाउंटेंट थे।

*(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)*

# मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर

**सहायक प्राध्यापक (भू-गर्भ शास्त्र) परीक्षा-2024 दिनांक 27.07.2025 (रविवार)**

## साक्षात्कार हेतु लघु सूची कृत अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची

**विज्ञप्ति क्र. - 8487/29/2025/अनु. 10** **इंदौर, दिनांक : 04.09.2025**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा **सहायक प्राध्यापक (भू-गर्भ शास्त्र) परीक्षा-2024** हेतु विज्ञापन जारी किया गया था जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

01. विज्ञापन क्रमांक-31/2024/30.12.2024 ऑनलाइन आवेदन अंतिम तिथि 26.03.2025

| | |
|---|---|
| (1) | शुद्धि पत्र क्रमांक-01/17-44/2024 दिनांक 26.03.2025 (सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी के विभिन्न विज्ञापनों के संबंध में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि में वृद्धि की सूचना)। |
| (2) | शुद्धि पत्र क्रमांक-02/17-44/2024 दिनांक 17.04.2025 सहायक प्राध्यापक, ग्रंथपाल एवं क्रीड़ा अधिकारी परीक्षा-2024 के आयोजन की सूचना विषयक)। |

02. उपरोक्त विज्ञापन के अंतर्गत सहायक प्राध्यापक (भू-गर्भ शास्त्र) परीक्षा- 2022 जिला मुख्यालय इंदौर के केन्द्रों पर दिनांक 27.07.2025 (रविवार) को दो सत्रों में प्रथम प्रश्न पत्र सामान्य अध्ययन प्रात: 10:00 से 11:00 बजे तक एवं द्वितीय प्रश्न पत्र (भू-गर्भ शास्त्र) दोपहर 01:00 से 04:00 बजे तक आयोजित की गई थी।

03. उपरोक्तानुसार जारी विज्ञापन एवं शुद्धि पत्रों के माध्यम से विज्ञापित पदों की कुल संख्या निम्नानुसार है :-

| श्रेणीवार/वर्गवार कुल विज्ञापित | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| क्र. | विवरण | UR | SC | ST | OBC | EWS | TOTAL |
| (अ) | कुल रिक्तियों की संख्या (TOTAL POST) | 3 | 2 | 2 | 6 | 2 | 15 |
| (ब) | अतिथि विद्वानों हेतु आरक्षित पदों की संख्या (Reser. For Guest faculty) | 1 | 1 | 1 | 2 | 1 | 6 |
| (स) | कुल रिक्तियों में से महिलाओं के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या (FEMALE) | 1 | 1 | 1 | 2 | 1 | 6 |
| (द) | कुल रिक्तियों में से दिव्यांगजन हेतु आरक्षित पद रिक्तियों की संख्या (PH) | LD(OH)-2 | | | | | 2 |

04. अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण से संबंधित लंबित न्यायालयीन प्रकरणों में माननीय न्यायालय द्वारा पारित अंतरिम आदेश के प्रकाश में सामान्य विभाग, मध्यप्रदेश शासन, भोपाल द्वारा जारी ''पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक, भोपाल, दिनांक 29 सितंबर 2022'' के अनुक्रम में विज्ञापित विज्ञापन क्रमांक -31/2024/27.12.2024 के अनुसार आयोग द्वारा बैठक दिनांक 10.07.2023 के निर्णय क्र.-55 में उल्लेखित प्रक्रिया के अनुपालन में तथा विद्यमान नियमानुसार लघु सूची कृत अर्ह अभ्यर्थियों की सूची तैयार की गई है।

**अर्हता सूची तैयार किए जाने हेतु निम्नांकित प्रक्रिया का पालन किया जा रहा है :-**

1. सामान्य प्रशासन विभाग के उपरोक्त पत्रानुसार प्रारंभिक परीक्षा/लिखित परीक्षा में चयनित (शॉर्टलिस्टेड) प्रावधिक अर्ह अभ्यर्थी परीक्षा के अगले प्रत्येक चरण (मुख्य परीक्षा, साक्षात्कार) में प्रावधिक रूप से ही सम्मिलित होंगे। माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय आने के उपरांत वह अपने संबंधित वर्ग (अन्य पिछड़ा वर्ग या अनारक्षित) में रोके गए 13 प्रतिशत पद के विरुद्ध ही चयनित होंगे न कि पूर्व घोषित हो चुके 87 प्रतिशत पद के विरुद्ध।
2. परीक्षा परिणामों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित) में अर्ह अभ्यर्थी अपने अपने भाग में ही बने रहेंगे। चयन के किसी भी स्तर पर ये एक दूसरे से अंतर परिवर्तन (इंटरचेंज) हेतु दावा नहीं कर सकेंगे। चयन प्रक्रिया के प्रत्येक अगले चयन हेतु इस आशय का अभिवचन पत्र भी अभ्यर्थियों से अनिवार्यत: प्राप्त किया जाए।

सामान्य प्रशासन विभाग के ''पत्र क्रमांक-एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक, भोपाल दिनांक 29 सितंबर 2022'' में दिए गए निर्देशों एवं आयोग के निर्णय अनुसार सहायक प्राध्यापक (भू-गर्भ शास्त्र) परीक्षा-2022 के अंतर्गत विज्ञापित पदों का परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग में घोषित किया जाना है। सहायक प्राध्यापक (भू-गर्भ शास्त्र) परीक्षा-2024 हेतु मुख्य भाग 87 प्रतिशत (14 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों) तथा (ब) प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनारक्षित श्रेणी हेतु) के पदों का रिक्ति विवरण विज्ञापन में प्रकाशित किया गया है। विज्ञापित पदों का विवरण निम्नानुसार है :-

| स. क्र. | पद का नाम | अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु विज्ञापित कुल पद | मुख्य भाग 87 प्रतिशत (14 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के पदों) | प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 13 प्रतिशत अनारक्षित श्रेणी हेतु) |
|---|---|---|---|---|
| 01 | सहायक प्राध्यापक (भू-गर्भ शास्त्र) परीक्षा- 2024 | 6 | 4 | 2 |

उपरोक्तानुसार सहायक प्राध्यापक (भू-गर्भ शास्त्र) परीक्षा-2024 के परीक्षा परिणाम में **मुख्य भाग-अ** के लिए साक्षात्कार हेतु विज्ञापित पदों के 3 गुना+समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से लघुसूचीकृत कुल-52 अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :-

**MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION**
**ASSISTANT PROFESSOR EXAM 2024 (GEOLOGY)-PART A (MAIN)**
**LIST OF CANDIDATES PROVISIONALLY SHORTLISTED FOR INTERVIEW**

| S. No. | Roll No. | S. No. | Roll No. | S. No. | Roll No. |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 710003 | 13. | 710135 | 25. | 710198 |
| 2. | 710011 | 14. | 710149 | 26. | 710201 |
| 3. | 710020 | 15. | 710150 | 27. | 710202 |
| 4. | 710021 | 16. | 710151 | 28. | 710210 |
| 5. | 710023 | 17. | 710156 | 29. | 710215 |
| 6. | 710033 | 18. | 710157 | 30. | 710227 |
| 7. | 710034 | 19. | 710160 | 31. | 710230 |
| 8. | 710039 | 20. | 710164 | 32. | 710231 |
| 9. | 710064 | 21. | 710167 | 33. | 710233 |
| 10. | 710066 | 22. | 710171 | 34. | 710235 |
| 11. | 710072 | 23. | 710176 | 35. | 710236 |
| 12. | 710093 | 24. | 710184 | 36. | 710240 |
| 37. | 710245 | 43. | 710274 | 49. | 710323 |
| 38. | 710246 | 44. | 710286 | 50. | 710330 |
| 39. | 710248 | 45. | 710292 | 51. | 710331 |
| 40. | 710267 | 46. | 710301 | 52. | 710337 |
| 41. | 710268 | 47. | 710303 | | |
| 42. | 710269 | 48. | 710308 | | |

**प्रावधिक भाग-ब** के लिए साक्षात्कार हेतु कुल विज्ञापित पदों के 3 गुना+समान अंक प्राप्त प्रावधिक रूप से साक्षात्कार हेतु लघुसूचीकृत कुल-20 अभ्यर्थियों की अनुक्रमांकवार सूची निम्नानुसार है :-

**MADHYA PRADESH PUBLIC SERVICE COMMISSION**
**ASSISTANT PROFESSOR EXAM 2024 (GEOLOGY)-PART B (PROVISIONAL)**
**LIST OF CANDIDATES PROVISIONALLY SHORTLISTED FOR INTERVIEW**

| S. No. | Roll No. | S. No. | Roll No. | S. No. | Roll No. |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 710001 | 8. | 710137 | 15. | 710251 |
| 2. | 710019 | 9. | 710144 | 16. | 710277 |
| 3. | 710070 | 10. | 710148 | 17. | 710279 |
| 4. | 710076 | 11. | 710187 | 18. | 710281 |
| 5. | 710095 | 12. | 710220 | 19. | 710313 |
| 6. | 710130 | 13. | 710223 | 20. | 710336 |
| 7. | 710133 | 14. | 710229 | | |

**साक्षात्कार हेतु अभिलेख प्रेषित करने के संबंध में निर्देश :-**

**मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, इंदौर**

**परिशिष्ट प्रपत्र - 01**

| | |
|---|---|
| विज्ञापन क्रमांक :- 31/2004 दिनांक 30.12.2024 | पद/परीक्षा का नाम :- सहायक प्राध्यापक (भू-गर्भ शास्त्र) परीक्षा-2024 |
| अनुक्रमांक-...................................................... | अभ्यर्थी का नाम :- ...................................................... |

| स. क्र. | दस्तावेज का विवरण | संलग्न दस्तावेजों के पृष्ठ क्रमांक | संलग्नक के पृष्ठों की कुल संख्या |
|---|---|---|---|
| 1 | उपरोक्त परीक्षा के लिए भरे गए ऑनलाइन आवेदन पत्र की छायाप्रति। | पृष्ठ क्र.-... से ... तक | ........... |
| 2 | उपरोक्त परीक्षा के प्रवेश पत्र की छायाप्रति। | पृष्ठ क्र.-... से ... तक | ........... |
| 3 | उपस्थिति पत्रक-1 मूल प्रति। | पृष्ठ क्र.-... से ... तक | ........... |
| 4 | व्यक्तिगत विवरण पत्रक-1 मूल प्रति एवं 5 छायाप्रतियां। (केवल मूल प्रति पर नम्बरिंग करना है। छायाप्रतियों पर नम्बरिंग नहीं करना है।) | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 5 | अनुप्रमाणन फॉर्म-3 मूल प्रति। | पृष्ठ क्र.-... से ... तक | ........... |
| 6 | घोषणा पत्र (किसी भी चयन/परीक्षा से विवर्जित (Debar) नहीं होने संबंधी) 01 मूल प्रति। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 7 | हाई स्कूल की अंकसूची। (छायाप्रति) | पृष्ठ क्र.-... से ... तक | ........... |
| 8 | हायर सेकेण्डरी की अंकसूची। (छायाप्रति) | पृष्ठ क्र.-... से ... तक | ........... |
| 9 | अर्हता से संबंधित समस्त वर्षों की अंकसूचियां एवं उपाधि (ऑनलाइन आवेदन दिनांक 10.04.2025 अथवा उसके पूर्व जारी) (छायाप्रति)। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 10 | यू.जी.सी. नेट/मध्यप्रदेश राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) उत्तीर्ण प्रमाण पत्र। (ऑनलाइन आवेदन दिनांक 10.04.2025 अथवा उसके पूर्व जारी) (छायाप्रति)। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 11 | प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में कार्यरत अतिथि विद्वानों के लिए निर्धारित प्रारूप में अध्यापन अनुभव प्रमाण पत्र। (ऑनलाइन आवेदन दिनांक 10.04.2025 अथवा उसके पूर्व जारी) (छायाप्रति)। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 12 | मध्यप्रदेश के मूल निवासी होने की स्थिति में म.प्र. राज्य का रोज़गार कार्यालय का जीवित पंजीयन प्रमाण-पत्र (आयोग कार्यालय में अभिलेख प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक का जारी प्रमाण पत्र) (छायाप्रति)। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 13 | मूल निवासी/स्थानीय निवासी प्रमाण-पत्र की प्रति। (प्रमाण-पत्र में प्रकरण क्रमांक गोलसील, जावक क्रमांक, दिनांक का उल्लेख होना आवश्यक है।) (ऑनलाइन आवेदन दिनांक 10.04.2025 अथवा उसके पूर्व जारी) (छायाप्रति)। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 14 | आरक्षित श्रेणी होने की स्थिति में सक्षम अधिकारी द्वारा जारी म.प्र. शासन का जाति प्रमाण पत्र। विवाहित महिलाओं के मामले में स्वयं के नाम के साथ पिता के नाम का जाति प्रमाण पत्र (जाति प्रमाण पत्र में जारी करने की दिनांक, गोल सील एवं प्रकरण क्रमांक का उल्लेख होना आवश्यक है। अन्य राज्य के जारी जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होंगे।) **(म.प्र. शासन की सेवाओं हेतु निर्धारित प्रारूप में जाति प्रमाण-पत्र मान्य होंगे)** (ऑनलाइन आवेदन दिनांक 10.04.2025 अथवा उसके पूर्व जारी) (छायाप्रति)। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 15 | म.प्र. का मूल निवासी होने की स्थिति में अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को क्रीमीलेयर श्रेणी के अंतर्गत न आने संबंधी प्रस्तुत किए जाने वाले घोषणा पत्र-01 मूल प्रति। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 16 | मध्यप्रदेश का मूल निवासी होने की स्थिति में ई.डब्ल्यू.एस. श्रेणी के अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन दिनांक 10.04.2025 अथवा उसके पूर्व जारी प्रमाण पत्र (छायाप्रति)। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 17 | महिला अभ्यर्थियों हेतु विवाहोपरांत उपनाम परिवर्तन की स्थिति में शपथ पत्र की प्रति। (छायाप्रति) | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 18 | शासकीय सेवक होने की स्थिति में विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति। अनापत्ति प्रमाण पत्र न हो तो परीक्षा के ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 10.04.2025 अथवा उसके पूर्व विभाग में अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्र की प्रति संलग्न करें। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 19 | मध्यप्रदेश शासन की सेवा में सेवारत होने की स्थिति में शासकीय सेवक हेतु अभिवचन पत्र-1 मूल प्रति। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 20 | अभ्यर्थी का स्वयं का पहचान पत्र। (आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र/पेन कार्ड/फोटोयुक्त बैंक पास बुक की प्रति/शासकीय कर्मचारी होने की स्थिति में नियोक्ता द्वारा जारी परिचय पत्र की प्रति/ड्रायविंग लायसेंस) (छायाप्रति) | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 21 | दिव्यांग अभ्यर्थी होने की स्थिति में दिव्यांगता के प्रमाण पत्र की छायाप्रति। (ऑनलाइन आवेदन दिनांक 10.04.2025 अथवा उसके पूर्व जारी) (छायाप्रति)। | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 22 | न्यायालयीन प्रकरण होने की स्थिति में अनुप्रमाणन फार्म के पृष्ठ क्रमांक 4 कंडिका 16 एवं पृष्ठ क्रमांक 17 में अंकित न्यायालयीन प्रकरण के संबंध में दस्तावेजों की छायाप्रति। (03 प्रतियों में) | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 23 | **आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विज्ञापित पदों के मुख्य भाग (87 प्रतिशत) एवं प्रावधिक भाग (13 प्रतिशत) के आधार अभ्यर्थी ''अभिवचन'' पत्र की पूर्ति कर आयोग कार्यालय में साक्षात्कार दिवस को अनिवार्यतः प्रस्तुत करना सुनिश्चित करेंगे।** | पृष्ठ क्र. - ........ से ...... तक | ........... |
| 24 | अन्य कोई दस्तावेज जो अभ्यर्थी प्रस्तुत करना चाहता है। | पृष्ठ क्र.-... से ... तक | ........... |
| | **कुल संलग्नक दस्तावेजोंकी संख्या (अंकों में)** | | |

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर :- ......................................

05. साक्षात्कार हेतु लघु सूची कृत अभ्यर्थी विज्ञापन अनुसार वांछित अपनी अर्हता संबंधी समस्त दस्तावेज उपरोक्त परिशिष्ट प्रपत्र-01 अनुसार क्रम में प्रमाण-पत्रों की प्रमाणित/स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न कर अभ्यर्थी अपना नाम, अनुक्रमांक, पृष्ठ क्रमांक एवं संलग्न दस्तावेज के कुल पृष्ठों की संख्या स्पष्टतः अंकित कर दिनांक 25.09.2025 तक आयोग कार्यालय प्रेषित करें। डाक विभाग या अन्य किसी माध्यम से प्रेषित किए गए अभ्यर्थियों के दस्तावेज आयोग कार्यालय में विलंब से प्राप्त होने पर आयोग जिम्मेदार नहीं होगा न ही इस संबंध में कोई पत्र व्यवहार मान्य किया जाएगा। अतः अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक अपने दस्तावेज आयोग कार्यालय भेजना सुनिश्चित करें। जिन अभ्यर्थियों के दस्तावेज अंतिम तिथि तक प्राप्त नहीं होंगे उनके विषय में यह माना जाएगा कि वे साक्षात्कार में भाग नहीं लेना चाह रहे हैं, उनकी उम्मीदवारी निरस्त कर आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। अभ्यर्थी द्वारा आवेदन पत्र में दी गई समस्त जानकारियों की आयोग कार्यालय द्वारा सूक्ष्म जांच करने के उपरांत सही पाए जाने पर ही अभ्यर्थी को साक्षात्कार की पात्रता होगी। साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।

06. ऐसे आवेदक जिनके अभिलेख आयोग कार्यालय में दिनांक 25.09.2025 तक प्राप्त नहीं होते हैं वे आयोग द्वारा निर्धारित विलम्ब शुल्क के साथ निर्धारित समयावधि में अपने अभिलेख आयोग कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर विलंब शुल्क की नगद राशि एम.पी.टी.सी. 6 के माध्यम से आयोग की लेखा शाखा में जमा कर सकते हैं :-

| | | |
|---|---|---|
| 01. | निर्धारित अंतिम तिथि के पश्चात् कार्यालयीन 05 दिवस तक राशि रुपये 3,000/- (तीन हजार मात्र)। | दिनांक 26.09.2025 से 03.10.2025 तक |
| 02. | साक्षात्कार हेतु आमंत्रण पत्र जारी होने के दिनांक के 01 दिवस पूर्व तक राशि रुपये 25,000/- (पच्चीस हजार मात्र)। | - |

उपरोक्तानुसार विलंब शुल्क के साथ निर्धारित तिथि के पश्चात् डाक अथवा अन्य किसी माध्यम से आयोग को प्रेषित किए गए आवेदकों के अभिलेख प्राप्त होने पर आयोग की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी न ही इस संबंध में कोई पत्र व्यवहार मान्य किया जाएगा।

**महत्वपूर्ण टीप :-**

1. सूची में दर्शाए गए परीक्षा परिणाम पूर्णतः प्रावधिक हैं। यदि अभ्यर्थी सहायक प्राध्यापक (भू-गर्भ शास्त्र) परीक्षा-2024 के लिए अधिसूचित नियमों एवं शर्तों को पूर्ण नहीं करते हैं तो साक्षात्कार हेतु उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जाएगी।
2. आरक्षित वर्ग के वे अभ्यर्थी जिनके प्राप्तांक अनारक्षित वर्ग के प्राप्तांकों के बराबर या अधिक हैं उन्हें नियमानुसार मुख्य तथा प्रावधिक दोनों ही भागों में अनारक्षित वर्ग में लघुसूचीकृत किया गया है।
3. सहायक प्राध्यापक (भू-गर्भ शास्त्र) परीक्षा-2024 के साक्षात्कार की दिनांक पृथक से घोषित की जाएगी।
4. न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
5. ऑनलाइन आवेदन पत्र में त्रुटिपूर्ण, अपूर्ण, असत्य जानकारी देने अथवा आयोग द्वारा जारी विज्ञापन में चाही गई वांछित औपचारिकताएं पूर्ण न करने के परिणाम स्वरूप चयन के किसी भी स्तर पर अभ्यर्थी की उम्मीदवारी निरस्त की जा सकेगी।
6. साक्षात्कार हेतु प्रावधिक रूप से अर्ह अभ्यर्थियों की सूची आयोग की वेबसाइट **www.mppsc.mp.gov.in** पर उपलब्ध है। यह स्पष्ट किया जाता है कि मुद्रण त्रुटियों के लिए आयोग जिम्मेदार नहीं होगा एवं आयोग कार्यालय में रखी परीक्षा परिणाम की सूची ही प्रमाणिक मानी जाएगी।
7. उपरोक्तानुसार जारी साक्षात्कार हेतु लघुसूचीकृत अभ्यर्थियों का अंतिम चयन परिणाम माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक SLP 8764/2023 एवं SLP 12398/2023 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा। उपरोक्त परीक्षा से संबंधित प्रचलित न्यायालयीन प्रकरणों का अंतिम चयन परिणाम माननीय न्यायालय के अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।
8. लिखित परीक्षा परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कोई तकनीकी त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि संज्ञान में आती है तो आयोग के पास परीक्षा परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
9. अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने अभिलेख **दिनांक 25.09.2025 तक** निम्न पते पर भेजना सुनिश्चित करें :-

प्रति,
सचिव,
मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग, रेसीडेंसी एरिया, इंदौर

अभ्यर्थी अपने अभिलेख के लिफाफे पर **सहायक प्राध्यापक (भू-गर्भ शास्त्र) परीक्षा-2024 के साक्षात्कार हेतु अभिलेख** अवश्य लिखें।

**जी-18409/51528/2025** — उप परीक्षा नियंत्रक

---

# OFFICE OF THE KRISHI UPAJ MANDI SAMITI HANUMANA DISTT. MAUGANJ (M.P.)

**No./188/2025-26/E-Tendering/** **Hanumana, Dated : 14.08.2025**

## NOTICE INVITING TENDER

Online Percentage Rate E - Tenders are invited from contractors registered with the Office of the Engineer in Chief, M.P. Public Works Department, Government of Madhya Pradesh (Centralized Registration Cell) for Construction of BOUNDARY WALL Mandi yard Hanumana & Repair of 500 MT Godown Sub Mandi yard Mauganj Distt. Mauganj (M.P.) **Tender Number : 2025_MPSAM_451078_1 (PAC amount Rs. 8.26 Lack).**The following works Tender to be received online up to 17:30 PM on 06.10.2025 Technical bid documents with EMD & Financial Offer to be received online only as per Detailed NIT. The tender documents can be obtained online on the **http://mptenders.gov.in** as per the Notice Published on the above Portal and detailed information can also be seen on website **www.mpmandiboard.gov.in**

**Note :-** Any corrigendum in this NIT, if required, shall be displayed only in our above portal regarding any matter included in this NIT or otherwise. Other details of Construction/ Development works and locations & key dates can also be seen on our website **www.mpmandiboard.gov.in**

M.P. Madhyam/122051/2025 R-51547/2025 **SECRETARY**

---

# कार्यालय मुख्य अभियंता
# लो.नि.वि., सागर, परिक्षेत्र सागर

**फोन नं. : 07582-220840, ईमेल आईडी : cepwdsagar@mp.nic.in**

**एनआईटी नं.-25/2025-26/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण** — **सागर, दिनांक : 08.09.2025**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा नवीन एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रण की जाती है :-

| पोर्टल टेंडर क्र. | जिला | ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (लाख में) | अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में) | कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित) | आमंत्रण |
|---|---|---|---|---|---|---|
| **क्र. एवं कार्य का नाम :-** 1. सागर परिक्षेत्र (सागर एवं दमोह जिला) में नागरिकों द्वारा शिकायतों के पंजीकरण एवं समयबद्ध समाधान (लोक पथ ऐप) हेतु नागरिक सहभागिता मॉडल के साथ जेट पैचर/वेलोसिटी पैचर मशीन से विभिन्न सड़कों के गढ्डे भरने का कार्य लं. 370 कि. मी. अनुमानित लागत रु. 1200.00 लाख | | | | | | |
| 2025_PWDRB_447898_1 | सागर | 1200.00 | 1000000.00 | 30000.00 | 36 माह | प्रथम |
| **क्र. एवं कार्य का नाम :-** 2. लो.नि.वि. उपसंभाग जतारा के अंतर्गत विभिन्न मार्गों का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित पी.ए.सी. 508.11 लाख<br>1. कडराई मुख्य मार्ग से सोनतला मुहल्ला तक मय पुलिया के निर्माण लं 2.00 कि.मी. पी.ए.सी. 221.05 लाख<br>2. ग्राम गौरा के सरकनपुर खरगापुर रोड के चौराहे से ग्राम मडोरी तक सड़क निर्माण लं 3.00 कि.मी. पी.ए.सी. 287.06 लाख | | | | | | |
| 2025_PWDRB_449830_1 | टीकमगढ़ | 508.11 | 508110.00 | 20000.00 | 10 माह | प्रथम |
| **क्र. एवं कार्य का नाम :-** 3. बडवारा गुखौर मुख्य मार्ग से मकरी पहुंच मार्ग लं 8.00 कि.मी. का निर्माण कार्य (विद्युत पोल शिफटिंग सहित) पी.ए.सी. 783.31 लाख | | | | | | |
| 2025_PWDRB_449903_1 | पन्ना | 783.31 | 783310.00 | 20000.00 | 12 माह | प्रथम |
| | | **2491.42** | | | | |

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in/** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 08.09.2025 समय 17.30 बजे से **दिनांक 24.09.2025 समय 17:30 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

**मुख्य अभियंता**
**जी-18465/51531/2025** — **लो.नि.वि., सागर, परिक्षेत्र सागर**

---

# कार्यालय कार्यपालन यंत्री
# लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड शिवपुरी, म.प्र.

**दूरभाष क्रमांक : 07492-223269**

**नि.आ.सू. क्रमांक 119/2025-26/लो.स्वा.यां.वि./खण्ड** — **शिवपुरी, दिनांक : 09.09.2025**

## निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से म.प्र. लोक निर्माण विभाग में नवीन केन्द्रीयकृत प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण के अपेण्डिक्स 2.10 में प्रतिशत दर पर ई-निविदायें Online आमंत्रित की जाती हैं।

**कार्य का नाम -** शिवपुरी जिले के विकासखण्ड पोहरी की निम्नानुसार नलजल प्रदाय योजनाओं के अंतर्गत शेष, आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी निर्माण, सम्पवेल निर्माण, पाप लाइन बिछाना, घरेलू नल कनेक्शन, विद्युत कनेक्शन इत्यादि कार्य।

| क्र. | निविदा सूचना क्रमांक | सिस्टम टेंडर क्रमांक | विकासखण्ड | ग्राम एवं मजरों का नाम | कार्य की अनुमानित लागत (रु. लाख में) | धरोहर राशि | निविदा प्रपत्र का मूल्य |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 119/ 2025-26 | 2025_ PHED_ 450257_1 | पोहरी | भटनावर | 371.01 | 371001 | 15000 |
| | | | | गाजीगढ़ | | | |
| | | | | भैंसरावन | | | |
| | | | | बूढदा | | | |

निविदा क्रय/डाउनलोड दिनांक - 16.09.2025 समय 10.30 बजे से
बिड सबमिशन प्रारम्भ दिनांक - 16.09.2025 समय 10.30 बजे से
बिड सबमिशन अंतिम दिनांक - **30.09.2025 समय 17.30 बजे तक**
तकनीकी बिड खोलने का दिनांक - 03.10.2025 समय 11.30 बजे से

**नोट -** यह निविदा का संक्षिप्त भाग है। विस्तृत जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय अथवा वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। समस्त संशोधन उक्त वेबसाइट पर प्रदर्शित किये जावेंगे। संशोधनों का पृथक से प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

**कार्यपालन यंत्री,**
**जी-18483/51532/2025** — **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, खण्ड शिवपुरी, म.प्र.**

---

# संचालनालय
# लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा
# मध्यप्रदेश भोपाल

**प.क. शाखा जय प्रकाश चिकित्सालय परिसर, भोपाल-462003**
**ई-मेल : fw.dhs@mp.gov.in, Website : health.mp.gov.in**

**क्रमांक/3/प.क./सेल-1/2025/598** — **भोपाल, दिनांक : 10.09.2025**

## विभागीय विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा संयुक्त भर्ती परीक्षा वर्ष 2024 के समूह -5 के अंतर्गत पद महिला बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता, (ए.एन.एम.-तृतीय श्रेणी) के परीक्षा परिणाम घोषित किये गये हैं, तदसंबंध में महिला बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता, (ए.एन.एम.-तृतीय श्रेणी) के पदों की पूर्ति हेतु काउंसलिंग प्रक्रिया दिनांक 12.09.2025 से **19.09.2025** तक प्रारंभ की जा रही है।

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा संयुक्त भर्ती परीक्षा वर्ष 2024 के समूह-5 के अंतर्गत पद महिला बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता, (ए.एन. एम.-तृतीय श्रेणी) के परीक्षा परिणाम में उत्तीर्ण अभ्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि काउंसलिंग की प्रक्रिया से संबंधित मैसेज अथवा जानकारी अभ्यर्थियों द्वारा मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल को प्रदाय किये गये मोबाइल नम्बर एवं ई-मेल पर ही प्रदाय की जावेगी। इसके अतिरिक्त काउंसलिंग से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट **health.mp.gov.in** पर देखें।

**संचालक**
**जी-18486/51533/2025** — **लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग**

## कार्यालय मुख्य अभियंता
## लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र उज्जैन

दूरभाष नं : 0734-2524462, ई-मेल : cepwdujjain@mp.nic.in

निविदा सूचना क्र. 11/सामान्य/मु.अ./2025-26/ उज्जैन, दिनांक : 04.09.2025

### निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु प्रतिशत दर के आधार पर निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

| क्र. | जिला | टेण्डर आई.डी. क्रमांक | कार्य का नाम | ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में) | कार्य की समयावधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | उज्जैन | 2025_ PWDRB_ 449002_pack1 | उपसंभाग बड़नगर के अंतर्गत बड़नगर मार्ग का टू-लेन रोड का शेष भाग (एन.एच.आई.) का निर्माण कार्य लम्बाई 8.70 कि.मी. (द्वितीय आमंत्रण) | 928.53 | 12 माह वर्षाकाल सहित |
| 2. | उज्जैन | 2025_ PWDRB_ 449003_pack 1 | लालपुर चिंतामन गणेश रेलवे स्टेशन से एन.एच.ए.आई. जक्शन तक मार्ग लम्बाई 6.20 कि.मी. एवं एम.आर.-24 ( इन्दौर मार्ग से चिंतामन रेलवे स्टेशन मार्ग) लम्बाई 2.74 कि.मी का निर्माण कार्य सिंहस्थ संभाग उज्जैन अंतर्गत। | 5810.07 | 15 माह वर्षाकाल सहित |

उपरोक्त वेबसाइट आर्नलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं ऑनलाइन बिड सबमिशन की **अंतिम दिनांक 22.09.2025 सायं 5.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

**जी-18489/51536/2025** **मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र उज्जैन**

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन)
## लोक निर्माण विभाग, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर

**NIT No. 23/2025/Centralized Tender/G/CE(B)/** **Date 09.09.2025**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

| स. क्र. | पोर्टल टेंडर क्र. | कार्य का नाम | जिला | ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में) | अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में) | निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में) | कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2025_ PWPIU_ 450267_1 | नेताजी सुभाष चंद्र बोस चिकित्सा महाविद्यालय जबलपुर की एकीकृत परियोजनाओं के उन्नयन एवं निर्माण हेतु वास्तुविद, डिजाईन एवं डी.पी.आर. कंसल्टेंसी सेवाओं की निविदा । प्रथम आमंत्रण | जबलपुर | 750.00 | 750000.00 | 20000.00 | 4 |
| 2 | 2025_ PWPIU_ 450400_1 | कार्यपालन यंत्री (भवन) लो.नि. वि. जबलपुर के निरीक्षण कार्य हेतु स्कार्पियो या समतुल्य वाहन लगाने के कार्य की निविदा। द्वितीय आमंत्रण | जबलपुर | 8.88 | 18000.00 | 2000.00 | 24 |
| 3 | 2025_ PWPIU_ 450415_1 | सहायक यंत्री (भवन) कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लो.नि. वि. जबलपुर के निरीक्षण कार्य हेतु बोलेरो या समतुल्य वाहन लगाने के कार्य की निविदा। द्वितीय आमंत्रण | जबलपुर | 7.20 | 15000.00 | 2000.00 | 24 |
| 4 | 2025_ PWPIU_ 450433_1 | सहायक यंत्री (भवन) कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लो.नि. वि. जबलपुर के निरीक्षण कार्य हेतु बोलेरो या समतुल्य वाहन लगाने के कार्य की निविदा। द्वितीय आमंत्रण | जबलपुर | 7.20 | 15000.00 | 2000.00 | 24 |

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptender.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे। 2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। 3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 12.09.2025 समय 9.00 से **दिनांक 26.09.2025 समय 18.00 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है। 4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

**जी-18548/51535/2025** **कार्यपालन यंत्री (भवन), लोक निर्माण विभाग जबलपुर**

## मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

**कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड, संभाग क्रमांक-02, भोपाल, Mobile No. : 9425601534**
**ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com**
**क्र.- मप्रपुआअविनि/845/पयं/भोपाल-02/तशा/2025**
**भोपाल, दिनांक 10.09.2025**

### प्रेस विज्ञप्ति

संचालनालय, जिला कार्यालय एवं विश्राम गृह सैनिक कल्याण भवन का निर्माण कार्य जिला भोपाल के निर्माण कार्य हेतु निविदा क्रमांक-14/2025-26 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक - MPPHCL/TENDER No. 2025_MPPHC_450812_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 06.10.2025 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/122021/2025 R-51540/2025 **परियोजना यंत्री**

## MADHYA PRADESH INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

**(A Government of M.P. Undertaking)**
**Regional Office, Sagar (M.P.), Tawa Complex, Bittan Market, E-5, Arera Colony, Bhopal, Phone : (O) +917552420301-2-3**

**Date : 12.09.2025**

### NOTICE INVITING TENDERS FOR YEAR - 2025-26

Online Tenders for the following works are invited on the E-procurement System portal **mptenders.gov.in** as detailed below :-

| NIT No. | Name of Work | Probable Amount of Contract |
|---|---|---|
| 05 Sagar | Annually Hiring of Different Vehicles (JCB, Tata Ace, Three-wheeler load Auto (Abbey or Any), Tractor with trolley and Tractor with mounted water tank, Pock lane, Man Power) for one year at different Industrial Areas of MPIDC, RO, Sagar (M.P.). | 60,83,500.00 |

Detailed NIT along with other details can be downloaded/viewed on above mentioned portal from **13.09.2025 10:30 Hrs.**

M.P. Madhyam/122048/2025 R-51546/2025 **EXECUTIVE ENGINEER**

## कौशल विकास संचालनालय म.प्र.

**क्र./कौ.वि.सं./म.प्र./स्टेट सेल/प्रवेश/2025/1342** **भोपाल, दिनांक : 10.09.2025**

### विज्ञप्ति
### म.प्र. की आईटीआई में प्रवेश सत्र-2025
### पहले आओ पहले पाओ (Round - 07) में प्रवेश के लिये सुनहरा अंतिम अवसर
### सीमित सीट - शीघ्र प्रवेश - प्रवेश की अंतिम तिथि 20.09.2025

### आवश्यक सूचना

म.प्र. स्थित शासकीय एवं प्रायवेट आईटीआई में संचालित एनसीवीटी/एससीवीटी के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिये आवेदकों को सूचित किया जाता है :-

- म.प्र. की शासकीय आईटीआई में आवेदकों को CTS की प्रवेश फीस दो किश्तों में जमा किये जाने की सुविधा प्रदान की गई है, जिसमें प्रथम किश्त प्रवेश के समय (ऑनलाइन) रु. 3250/- तथा द्वितीय किश्त राशि रु. 2840/- माह नवंबर/दिसंबर तक संबंधित आईटीआई में जमा किया जाना अनिवार्य होगा।
- राज्य के बाहर के आवेदकों को CTS की प्रवेश फीस दो किश्तों में जमा किये जाने की सुविधा प्रदान की गई है, जिसमें प्रथम किश्त प्रवेश के समय (ऑनलाइन) रु. 8250/- तथा द्वितीय किश्त राशि रु. 7500/- माह - नवंबर/दिसंबर तक संबंधित आईटीआई में जमा किया जाना अनिवार्य होगा।
- नये आवेदकों के लिये ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन निरंतर प्रारंभ है।
- प्रवेश 2025 के लिये पूर्व से रजिस्टर्ड (अप्रवेशित ) एवं नवीन आवेदक विभाग के पोर्टल **(www.dsd.mp.gov.in)** पर **''प्रवेश रजिस्ट्रेशन 2025''** पर जाकर आगामी राउण्ड के लिये निम्नानुसार कार्यवाही कर सकेंगे :-

| स. क्र. | की जाने वाली कार्यवाही | New Dates |
|---|---|---|
| 1. | **''पहले आओ - पहले पाओ'' राउण्ड एक्टेंशन**<br>• नवीन रजिस्ट्रेशन/च्वाइस फिलिंग/त्रुटि सुधार हेतु पोर्टल निरंतर प्रारंभ।<br>• कैंडिडेट स्वेच्छा से किसी 01 आईटीआई के किसी 01 ट्रेड की च्वाईस फिलिंग कर सकेंगे।<br>• समस्त रजिस्टर्ड कैंडिडेट को प्रवेश हेतु च्वाईस फिलिंग करना अनिवार्य है।<br>• च्वाईस लॉक करने के पश्चात संशोधन किया जाना संभव नहीं है। अत: केंडिडेट को सावधानी पूर्वक आईटीआई/व्यवसाय का चयन करना चाहिए।<br>• च्वाईस फिलिंग करने के पूर्व आईटीआई में व्यवसायवार रिक्त सीटों की संख्या अवश्य जांच कर लेवें।<br>• कैंडिडेट को प्रवेश के लिए रु. 50 का भुगतान कर च्वाइस लॉक करना होगा, तत्पश्चात अलॉटमेंट लेटर प्रिंट कर संबंधित आईटीआई में प्रवेश हेतु समस्त दस्तावेज की मूल प्रति एवं 02 सेट फोटोकॉपी सहित पहुँचकर वेरिफिकेशन उसी दिवस करवाना होगा।<br>• वेरिफिकेशन के पश्चात प्रवेश फीस का भुगतान कर प्रवेश स्लिप प्रिंट कर आईटीआई में जमा करना होगा।<br>• यदि कैंडिडेट द्वारा उपरोक्त प्रक्रिया को पूर्ण नहीं किया जाता है तो उनका अलॉटमेंट संस्था द्वारा अगले कार्यालयीन दिवस में दोपहर 02 बजे के पश्चात निरस्त कर रिक्त सीट अनुसार अन्य आवेदक को प्रवेश दिया जा सकेगा। | 11.09.2025 से 20.09.2025 |

**आवेदकों के लिये महत्वपूर्ण जानकारियां निम्नानुसार है :-**

- म.प्र. में एकलव्य योजना के अंतर्गत शासकीय आईटीआई धार (अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिये) एवं शासकीय महिला आईटीआई बैतूल (अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के लिये) हेतु छात्रावास, भोजन की व्यवस्था निःशुल्क एवं छात्रवृत्ति रु. 1000 प्रतिमाह प्रदान की जाती है।
- म.प्र. में अंबेड्कर योजना के अंतर्गत शासकीय महिला आईटीआई सीहोर (अनुसूचित जाति की छात्राओं के लिये) एवं शासकीय आईटीआई मुरैना (अनुसूचित जाति के छात्रों के लिये) हेतु छात्रावास, भोजन की व्यवस्था निःशुल्क एवं छात्रवृत्ति रु. 1000 प्रतिमाह प्रदान की जाती है।
- आईटीआई में महिलाओं के प्रवेश हेतु 35% सीटें आरक्षित की गई हैं, जिससे प्रदेश में महिलाओं का कौशल विकास में योगदान बढ़ेगा।
- इस वर्ष से प्रदेश की आईटीआई में 10 ट्रेड (Welder, Plumber, Weaving Technician, Welder-Fabrication, Driver Cum Mechanic, Dress Making, Sewing Technology, Mason, Wood Work Technician-Carpenter, Painter General) में 08वीं के आधार पर प्रवेश की प्रक्रिया की जा रही है।
- आवेदकों को सूचित किया जाता है कि 08वीं अर्हता वाले ट्रेड में यदि 10वीं के अंकों पर च्वाइस फिलिंग करना चाहते हैं तो रजिस्ट्रेशन फार्म में **''Both - 08वीं एवं 10वीं के आधार पर''** ऑप्शन का चयन अवश्य करें तथा 10वीं कक्षा के उत्तीर्ण प्राप्तांकों की प्रविष्टि अनिवार्यतः करें।
- आईटीआई के विभिन्न ट्रेड में प्रवेश की अधिक जानकारी के लिये नजदीकी शासकीय आईटीआई के हेल्पडेस्क पर अवश्य संपर्क करें। आईटीआई में प्रवेश फार्म भरने की व्यवस्था भी उपलब्ध है।
- समस्त आवेदकों को सूचित किया जाता है कि अंतिम तिथि के पूर्व प्रवेश की प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिये च्वाइस फिलिंग करना अनिवार्य है।

**प्रवेश पोर्टल पर किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संपर्क करें**

**फोन नं.: 9220407724, 9220407725, 9220407726, ई-मेल : mpiticounseling2025@gmail.com**

**संचालक**

**जी-18545/51534/2025** **कौशल विकास संचालनालय, म.प्र.**

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री
## लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, मऊगंज ( म.प्र.)

निविदा सू.क्र. 10/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./2025-26 मऊगंज, दिनांक : 08.09.2025

### ई-टेण्डरिंग निविदा आमंत्रण सूचना

(1) निम्नलिखित कार्यों हेतु **ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाइन निविदायें** एपेन्डिक्स 2.10 में प्रतिशत दर पर प्रमुख अभियन्ता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, भोपाल की नलकूपों के खनन एवं अन्य कार्य से संबंधित दिनांक 03.07.2018 से प्रभावशील एकीकृत दर सूची एवं निविदा सूचना जारी होने के दिनांक तक किए गए समस्त संशोधनों के आधार पर **केन्द्रीयकृत नवीन पंजीयन के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों** से निविदा ऑनलाइन टेण्डर प्रक्रिया के तहत आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाइन निविदा पब्लिशिंग का दिनांक 10.09.2025 डॉक्यूमेन्ट डाउनलोड/टेण्डर फार्म क्रय प्रारम्भ तिथि 10.09.2025 **टेण्डर फार्म क्रय की अंतिम तिथि 24.09.2025** बिड सबमिशन प्रारम्भ का दिनांक 10.09.2025 एवं बिड सबमिशन की अंतिम तिथि 24.09.2025 को सायं 5.30 बजे तक निर्धारित हैं। Manadatory 'A' & Financial Bid Open का दिनांक 26.09.2025 को अपरान्ह 3.30 बजे निर्धारित है।

(2) उक्त निविदा आमंत्रण सूचना विभागीय वेबसाइट **(http://www.mptenders.gov.in)** पर प्रदर्शित है।

(3) निविदाएँ, निर्धारित तिथि दिनांक 26.09.2025 को खोली जायेंगी।

(4) **कार्य का विवरण :-**

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड मऊगंज अन्तर्गत विकासखण्ड मऊगंज के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत ट्यूबवेल पर आधारित रेट्रोफिटेड पाइप जलापूर्ति का निर्माण, निष्पादन, आर.सी.सी. टंकी (OHT) सबमर्सिबल मोटर पंप की स्थापना, 90 दिवस के ट्रायल रन एवं कमिशनिंग आदि समस्त कार्य सामग्री एवं लेबर सहित।

| ई- टेण्डर नं. | योजना का नाम | विकासखण्ड | कार्य की अनु. लागत (रु. लाख में) | प्रतिभूति राशि रु. में | निविदा प्रपत्र का मूल्य | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 2025_PHED_449854_1 | देवतालाब, पिड़रिया सेंगर, सगरा, डिघौल, बरहटा, हरदी, बहेरी नानकार एवं हटवा सोरैहान | मऊगंज | 337.25 | 337250.00 | 15000.00 | 09 माह (वर्षाऋतु सहित) |

निविदा सूचना से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट **(http://www.mptenders.gov.in)** पर प्रदर्शित है।

**कार्यपालन यंत्री**

**जी-18567/51543/2025** **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, मऊगंज, जिला मऊगंज (म.प्र.)**

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन)
## लोक निर्माण विभाग, जिला- छिंदवाड़ा (म.प्र.)

**Phone No. : 07162-243214, E-mail : pwdpiu12cwa@gmail.com**

**जेम/2025/बी/6638738,6638750, 6638766, 6638725, 6638707** **दिनांक : 10.09.2025**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

| पोर्टल टेंडर क्र. | जिला | ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में) | अमानत राशि (ईएमडी) (रु.में) | ठेकेदार फर्म की श्रेणी | कार्य पूर्ण करने का समय |
|---|---|---|---|---|---|
| **स.क्र. एवं कार्य का नाम 1.** जिला छिन्दवाड़ा में आदिवासी विभाग के अंतर्गत 04 नग नवीन उ.मा.वि **(बाम्हनवाड़ा, जुन्नारदेव, निमोटी, बिछुआकला)** प्रत्येक भवन में 02 नग स्मार्ट क्लास रूम हेतु फर्नीचर उपलब्ध कराने और लगाने का कार्य। | | | | | |
| GEM/2025/B/6638738 | छिन्दवाड़ा | 79.42 | 238272.00 | शासन अंतर्गत पंजीकृत निर्माता (OEM)/ प्रदायकर्ता | 1 माह |
| **स.क्र. एवं कार्य का नाम 2.** जिला छिन्दवाड़ा में आदिवासी विभाग के अंतर्गत 04 नग नवीन उ. मा.वि. **(हनोतिया, झिरना, खुलसान, बिजोरी पठार)** प्रत्येक भवन में 02 नग स्मार्ट क्लास रूम हेतु फर्नीचर उपलब्ध कराने और लगाने का कार्य। | | | | | |
| GEM/2025/B/6638750 | छिन्दवाड़ा | 79.42 | 238272.00 | शासन अंतर्गत पंजीकृत निर्माता (OEM)/ प्रदायकर्ता | 1 माह |
| **स.क्र. एवं कार्य का नाम 3.** जिला छिन्दवाड़ा में आदिवासी विभाग के अंतर्गत 04 नग नवीन उ. मा.वि. **(तुमरागढ़ी, मोया, इटावा, कुकरपानी)** प्रत्येक भवन में 02 नग स्मार्ट क्लास रूम हेतु फर्नीचर उपलब्ध कराने और लगाने का कार्य। | | | | | |
| GEM/2025/B/6638766 | छिन्दवाड़ा | 79.42 | 238272.00 | शासन अंतर्गत पंजीकृत निर्माता (OEM)/ प्रदायकर्ता | 1 माह |
| **स.क्र. एवं कार्य का नाम 4.** जिला छिन्दवाड़ा में आदिवासी विभाग के अंतर्गत 05 नग 50 सीटर बालिका/बालक छात्रावास भवनों में **(झिरपा, चांवलपानी, रातामाटी, बटकाखापा, मुजावरमाल)** प्रत्येक भवन में 01 नग स्मार्ट क्लास रूम हेतु फर्नीचर उपलब्ध कराने और लगाने का कार्य। | | | | | |
| GEM/2025/B/6638725 | छिन्दवाड़ा | 101.76 | 305288.00 | शासन अंतर्गत पंजीकृत निर्माता (OEM)/ प्रदायकर्ता | 1 माह |
| **स.क्र. एवं कार्य का नाम 5.** जिला छिन्दवाड़ा में आदिवासी विभाग के अंतर्गत 03 नग 50 सीटर बालिका/बालक छात्रावास भवनों में **(कुण्डा, डुंगरिया, जुन्नारदेव)** प्रत्येक भवन में 01 नग स्मार्ट क्लास रूम हेतु फर्नीचर उपलब्ध कराने और लगाने का कार्य। | | | | | |
| GEM/2025/B/6638707 | छिन्दवाड़ा | 17.35 | 52061.00 | शासन अंतर्गत पंजीकृत निर्माता (OEM)/ प्रदायकर्ता | 1 माह |
| | **योग-** | **357.37** | | | |

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **https://gem.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 11.09.2025 समय 09.00 से **दिनांक 22.09.2025 समय 18.00** तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

**कार्यपालन यंत्री (भवन), लोक निर्माण विभाग**

जी-18605/51545/2025 **जिला छिन्दवाड़ा (म.प्र.)**

## मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी लिमिटेड

**(मध्यप्रदेश शासन, नगरीय विकास एवं आवास विभाग का उपक्रम)**

**5, अमरकंटक भवन, इन्दिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, भोपाल-11**

**फोन : 91755-2763060, 61, 62, ई-मेल : mpusipbpl@gmail.com**

### प्रतिनियुक्ति/संविदा नियुक्ति हेतु विज्ञापन

**क्र. MPUDC/PMU/2025/6902** **दिनांक : 08.09.2025**

मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड भोपाल में निम्न पद पर प्रतिनियुक्ति अथवा संविदा से पदपूर्ति किये जाने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं :-

| क्र. | पदनाम | पद संख्या | वेतनमान |
|---|---|---|---|
| 1. | प्रमुख अभियंता | 01 | 1,41,800-2,14,700 |

**नोट :-** 1. उपरोक्त पद की पूर्ति प्रतिनियुक्ति अथवा संविदा से की जायेगी। उक्त पद एकल होने से म.प्र. शासन का आरक्षण नियम लागू नहीं होंगे। 2. प्रतिनियुक्ति हेतु इच्छुक आवेदक अर्थात मध्यप्रदेश शासन के विभागों/भारत सरकार के विभागों में कार्यरत अधिकारी अपने आवेदन विभाग प्रमुख के माध्यम से अनापत्ति प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक समस्त प्रमाण पत्रों सहित, निर्धारित प्रपत्र में प्रेषित कर सकेंगे। 3. संविदा अवधि अधिकतम 03 वर्ष की होगी (प्रथम बार में एक वर्ष के लिए जो मूल्यांकन पश्चात दो बार एक-एक वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकेगा) अथवा 65 वर्ष की आयु सीमा तक जो भी पहले पूर्ण हो होगी। 4. सेवानिवृत्त कर्मचारियों के संबंध में सेवानिवृत्ति के समय वेतन संरचना (यथा संशोधित वेतनमान) में देय मूल वेतन एवं देय महंगाई भत्ते में से देय पेंशन (संराशीकरण के पूर्व की) एवं उस पर देय महंगाई राहत घटाने के पश्चात भुगतान योग्य एकमुश्त राशि, संविदा वेतन होगा (पे-माइनस पेंशन)। 5. संविदा नियुक्ति की दशा में आवेदक की आयु विज्ञापन प्रकाशन वर्ष की 1 जनवरी को 63 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए। 6. आवेदन पत्र **दिनांक 29.09.2025 सायं 5.00 बजे तक** कम्पनी कार्यालय में डाक अथवा व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत किये जा सकते हैं। लिफाफे पर आवेदित पद का नाम, स्पष्ट पता तथा मोबाइल नंबर अंकित करें। 7. समय सीमा के पश्चात् प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा। 8. न्यूनतम अनुभव संबंधी प्रमाण पत्र में योजना/परियोजना, किस पद पर एवं संपादित कार्यों का स्पष्ट विवरण होना चाहिए। 9. आवेदन का प्रारूप पदों के लिये न्यूनतम/वांछनीय, शैक्षणिक योग्यता तथा सेवा शर्तें अनुभव संबंधी विस्तृत विवरण, कम्पनी एवं विभाग की वेबसाइट **www.mpudc.co.in** एवं **www.mpurban.gov.in** पर उपलब्ध है। 10. आवेदन के संबंध में प्रबंध संचालक का निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होगा।

म.प्र. माध्यम/121949/2025 R-51538/2025 **प्रबंध संचालक**

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री
## लोक निर्माण विभाग (भ/प) खरगोन संभाग, खरगोन

**website : www.mp.gov.in/pwdmp**

**E-mail : eepwdkhargone@mp.nic.in, Phone No. : 07282-231213**

**निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 14/ व.ले.लि./2025-2026** **खरगोन, दिनांक : 08.09.2025**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

| टेंडर नं. | कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) | धरोहर राशि | निविदा प्रपत्र की राशि | ठेकेदार की श्रेणी | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| **स. क्र. एवं कार्य का नाम 1.** उपसंभाग बड़वाह के अंतर्गत ग्राम पंचायत डुडगांव नाले पिपलगोन रोड तक मार्ग निर्माण कार्य लं. 0.60 कि.मी.। | | | | | |
| 2025_PWDRB_449977_1 | 173.04 | 173040 | 12500 | केन्द्रीयकृत पी.डब्ल्यू. डी. पंजीकरण | 04 माह वर्षाकाल सहित |
| **स. क्र. एवं कार्य का नाम 2.** उपसंभाग बड़वाह के अंतर्गत काटकूट मार्ग सोरठी बारूल से भगवानपुरा आदिवासी फाल्या तक मार्ग निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण सहित लं. 1.00 कि.मी.। | | | | | |
| 2025_PWDRB_449979_1 | 148.70 | 148700 | 12500 | केन्द्रीयकृत पी.डब्ल्यू. डी. पंजीकरण | 04 माह वर्षाकाल सहित |
| **स. क्र. एवं कार्य का नाम 3.** उपसंभाग बड़वाह के अंतर्गत कदवालियां से अग्रवाल डिस्टलरी तक मार्ग निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण सहित लं. 0.90 कि.मी.। | | | | | |
| 2025_PWDRB_449980_1 | 129.98 | 129980 | 12500 | केन्द्रीयकृत पी.डब्ल्यू. डी. पंजीकरण | 04 माह वर्षाकाल सहित |
| **स. क्र. एवं कार्य का नाम 4.** उपसंभाग बड़वाह के अंतर्गत 02 मार्गों का डामर नवीनीकरण कार्य । कुल लं. 2.60 कि.मी.:- 1. कदवालियां पहुंच मार्ग लं. 1.20 कि.मी., 2. चितावद नीमखेड़ी भुलगांव मार्ग लं. 1.40 कि.मी.। | | | | | |
| 2025_PWDRB_449981_1 | 31.92 | 50000 | 5000 | केन्द्रीयकृत पी.डब्ल्यू. डी. पंजीकरण | 03 माह वर्षाकाल सहित |
| **स. क्र. एवं कार्य का नाम 5.** उपसंभाग मण्डलेश्वर के अंतर्गत कसरावद शासकीय महाविद्यालय में पार्किंग शेड, चेंजिंग रूम एवं अण्डर ग्राउण्ड वॉटर टैंक निर्माण कार्य। | | | | | |
| 2025_PWDRB_449982_1 | 28.09 | 50000 | 5000 | केन्द्रीयकृत पी.डब्ल्यू. डी. पंजीकरण | 04 माह वर्षाकाल सहित |
| **स. क्र. एवं कार्य का नाम 6.** उपसंभाग खरगोन के अंतर्गत डाबरिया से कुन्दा नगर मेन रोड खरगोन तक मार्ग मय विद्युतीकरण सहित निर्माण कार्य। कुल लं. 1.30 कि.मी.। | | | | | |
| 2025_PWDRB_449984_1 | 185.92 | 185920 | 12500 | केन्द्रीयकृत पी.डब्ल्यू. डी. पंजीकरण | 04 माह वर्षाकाल सहित |
| **योग** | **697.65** | | | | |

1. निविदा प्रपत्र से संबंधित समस्त विवरण बिना शुल्क के वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है। ऑनलाइन पेमेंट करने के पश्चात बिड डॉक्यूमेंट क्रय किया जा सकता है।
2. निविदा प्रस्तुत करते समय बिड प्रस्तुतकर्ता को निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करना आवश्यक है:-
   1. बिड डॉक्यूमेंट की खरीदी का प्रमाण, 2. अर्नेस्ट मनी जमा करने का प्रमाण, 3. चेक लिस्ट, 4. एफिडेविट। विस्तृत जानकारी बिड डाटा शीट में देखी जा सकती है।
3. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की दिनांक 10.09.2025 सुबह 10.00 से **दिनांक 23.09.2025 सायं 6.00 बजे** तक निर्धारित है।
4. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है। सभी दस्तावेज ऑनलाइन स्वीकार होंगे। भौतिक रूप से एफ.डी.आर. स्वीकार नहीं होगी।
5. निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन पेपर पब्लिकेशन में नहीं किया जाकर सिर्फ वेबसाइट पर ही किया जावेगा

**जी-18575/51544/2025** **कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. (भ/प) संभाग, खरगोन**

योजना

# भारत बना सबसे तेजी से प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्था

वैश्विक परिवेश में भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक प्रगति की एक प्रमुख चालक बनी हुई है। मजबूत घरेलू विकास कारकों, बेहतर मैक्रोइकोनॉमिक मूल तत्त्व और सूझबूझ भरी नीतियों के चलते विकास की गति में उछाल आ रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर श्री संजय मल्होत्रा का यह कथन भारत की आर्थिक प्रगति को रेखांकित करता है। भारत का आर्थिक प्रदर्शन प्रगति के साथ स्थिरता और दिशा की गहरी समझ को भी दर्शाता है। वास्तविक जीडीपी में 6.5 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी और मुद्रास्फीति के वर्षों बाद निम्नतम स्तर पर आने के साथ, देश ने यह साबित कर दिया है कि वह मूल्य स्थिरता के साथ विस्तार को संतुलित कर सकता है। साथ ही, पूंजीगत बाजारों में मजबूत भागीदारी, निर्यात के उच्चम स्तर और स्वस्थ विदेशी मुद्रा भंडार घरेलू और विदेशी, दोनों ही स्तर पर बढ़ते भरोसे की ओर इशारा करते हैं। विनिर्माण, सेवा और बुनियादी ढांचे जैसे प्रमुख क्षेत्र, लगातार निवेश और नीतिगत फोकस की मदद से आगे बढ़ रहे हैं। बाहरी जोखिम बने हुए हैं, लेकिन भारत की आधारभूत बातें मजबूत हैं।

### वर्ष 2025-26 में भी बेहतरी का अनुमान

भारत की अर्थव्यवस्था लगातार बढ़ रही है। यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के तौर पर उभरकर सामने आ रही है। भारत की जीडीपी वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत बढ़ी, जो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अर्थव्यवस्था के आकार और स्वास्थ्य का एक पैमाना होता है। यह किसी देश में उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं का कुल मूल्य है। वर्ष 2024-25 में वास्तविक जीडीपी बढ़ोतरी का अनुमान 6.5 प्रतिशत था। भारतीय रिजर्व बैंक को उम्मीद है कि वर्ष 2025-26 में भी यही दर जारी रहेगी। यह प्रदर्शन ऐसे समय में आया है, जब वैश्विक अर्थव्यवस्था अनिश्चितता का सामना कर रही है, जिससे भारत निरंतर प्रगति और भी महत्वपूर्ण हो गई है। मजबूत घरेलू मांग, घटती मुद्रास्फीति, मजबूत पूंजी बाजार और बढ़ते निर्यात की मदद से देश की तस्वीर व्यापक आर्थिक लचीलेपन और संतुलन की है। रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार, प्रबंधनीय चालू खाता घाटा और बढ़ते विदेशी निवेश जैसे प्रमुख संकेतक, भारत की दीर्घकालिक संभावनाओं में बढ़ते वैश्विक भरोसे को दर्शाते हैं।

### भारतीय अर्थव्यवस्था के स्थायित्व को दर्शाया

इस प्रदर्शन का आधार मजबूत घरेलू मांग है। ग्रामीण खपत में तेजी आई है, शहरी खर्च बढ़ रहे हैं, और निजी निवेश में तेजी आ रही है। कारोबार फैल रहे हैं, जिनमें से कई अपने अधिकतम उत्पादन स्तर के करीब कार्यान्वयन कर रहे हैं। साथ ही, सार्वजनिक निवेश लगातार उच्च बना हुआ है, विशेष रूप से इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में। वहीं वैश्विक परिस्थितियां नाजुक बनी हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र ने व्यापार तनाव, नीतिगत अनिश्चितताओं और सीमा पार निवेश में गिरावट का हवाला देते हुए वैश्विक अर्थव्यवस्था को 'अनिश्चितता के दौर' में बताया है। इसके बावजूद, भारत उभर कर सामने आ रहा है। वैश्विक संस्थाओं और उद्योग निकायों ने इसकी प्रगति की संभावनाओं पर भरोसा जताया है। बीते दशक में भारत की अर्थव्यवस्था का आकार तेजी से बढ़ा है। वर्ष 2014-15 में मौजूदा कीमतों पर जीडीपी 106.57 लाख करोड़ रुपये थी। यह आंकड़ा वर्ष 2024-25 में बढ़कर 331.03 लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद है, जो कि पिछले दस वर्षों में लगभग तीन गुना उछाल है। बीते साल ही नॉमिनल जीडीपी में 9.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। जबकि वास्तविक जीडीपी में 6.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

### मुद्रास्फीति नियंत्रण

भारत में मुद्रास्फीति में तेजी से गिरावट आई है, जिससे घर और कारोबार, दोनों को राहत मिली है। मई 2025 में, सालाना आधार पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति दर 2.82 प्रतिशत रही। यह फरवरी 2019 के बाद का निम्नतम स्तर है। खाद्यान्नों की कीमतें कम हुई हैं यह आमतौर पर कुल मुद्रास्फीति पर बड़ा असर डालती है। उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक (सीएफपीआई) ने मई 2025 में केवल 0.99 प्रतिशत की मुद्रास्फीति दर दर्ज की। यह अक्टूबर 2021 के बाद से देखी गई सबसे कम खाद्य मुद्रास्फीति है। ग्रामीण और शहरी खाद्य मुद्रास्फीति क्रमशः 0.95 प्रतिशत और 0.96 प्रतिशत पर लगभग समान थी। अप्रैल 2025 के मुकाबले, खाद्य मुद्रास्फीति में 79 बेसिस प्वाइंट्स की गिरावट आई, जो सब्जियों और अनाज जैसी जरूरी वस्तुओं में गिरावट दिखाती है।

जून 2025 में जारी की गई भारतीय रिजर्व बैंक की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के अनुसार, मुद्रास्फीति का आउटलुक अनुकूल बना हुआ है। फसल उत्पादन में बढ़ोतरी के चलते खाद्य कीमतों के स्थिर रहने की उम्मीद है। वैश्विक मोर्चे पर, आयातित मुद्रास्फीति का जोखिम फिलहाल कम दिखाई देता है। वैश्विक मांग में मंदी के कारण कच्चे तेल और अन्य वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण रहने की संभावना है। कुल मिलाकर, रिजर्व बैंक का मानना है कि मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत के अपने मध्यम अवधि के लक्ष्य के अनुरूप रहेगी।

### बाजार का भरोसा उच्चतम स्तर पर

देश के पूंजीगत बाजार तेजी से बढ़ रहे हैं। यह बाजार घरेलू बचत को निवेश में बदलकर आर्थिक प्रगति के लिए एक शक्तिशाली आधार हैं। वैश्विक तनाव और घरेलू अनिश्चितताओं के बीच, शेयर बाजार ने दिसंबर 2024 तक मजबूत प्रदर्शन बनाए रखा। इसने कई अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया, जिससे पता चलता है कि स्थानीय और वैश्विक दोनों तरह के निवेशक भारत के विकास पर कितना भरोसा करते हैं। खुदरा भागीदारी में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। खुदरा निवेशकों की संख्या वर्ष 2019 में 4.9 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2024 के अंत तक 13.2 करोड़ रुपये हो गई। यह बढ़ोतरी इक्विटी बाजारों में बढ़ती सार्वजनिक रुचि और देश की दीर्घकालिक क्षमता में विश्वास को दर्शाती है।

### विदेशी निवेश

भारत वैश्विक निवेशकों के लिए शीर्ष विकल्प बना हुआ है। देश में निवेशक-अनुकूल एफडीआई नीति है, जो स्वचालित मार्ग के जरिए अधिकांश क्षेत्रों में 100 प्रतिशत विदेशी स्वामित्व की अनुमति देती है। परिणामस्वरूप, वित्त वर्ष 2024-25 में एफडीआई प्रवाह बढ़कर 81.04 बिलियन अमेरिकी डॉलर (प्रोविजनल) हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 71.28 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दर्शाता है। यह वित्त वर्ष 2013-14 में मिले 36.05 बिलियन अमेरिकी डॉलर के दोगुने से भी अधिक है, जो दीर्घकालिक प्रगति को दर्शाता है।

सेवा क्षेत्र में एफडीआई 40.77 प्रतिशत बढ़कर 9.35 बिलियन अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गई, जबकि पिछले साल यह 6.64 बिलियन अमेरिकी डॉलर थी। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में, एफडीआई में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 16.12 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 19.04 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई।

### विदेशी मुद्रा भंडार

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 20 जून 2025 तक 697.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। यह भंडार 11 महीने से अधिक के माल आयात को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। इसका मतलब यह है कि भले ही निर्यात धीमा हो जाए, लेकिन भारत के पास जरूरी आयातों के भुगतान के लिए पर्याप्त विदेशी मुद्रा है। साथ ही, बाहरी कर्ज मध्यम स्तर पर बना हुआ है, जो मार्च 2025 तक सकल घरेलू उत्पाद का 19.1 प्रतिशत है। ये आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत की वित्तीय स्थिति स्वस्थ और स्थिर है।

**- हितेश शर्मा**

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

राष्ट्रीय अभियंता दिवस 15 सितम्बर

# राष्ट्र निर्माण में इंजीनियर्स का अहम योगदान

भारत में प्रति वर्ष 15 सितम्बर को राष्ट्रीय अभियंता दिवस मनाया जाता है। यह दिन न केवल भारत के महानतम अभियंता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती का प्रतीक है, बल्कि इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भारतीय प्रतिभा और नवाचार का भी उत्सव है। विश्व स्तर पर यह यूनेस्को द्वारा 4 मार्च को मनाए जाने वाले विश्व अभियंता दिवस से अलग है। इंजीनियर्स-डे हमें यह याद दिलाता है कि तकनीकी ज्ञान और वैज्ञानिक सोच केवल मशीनों और संरचनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र निर्माण की धड़कन है और जब हम इस दिन के महत्व को समझते हैं तो हमारी स्मृति में सबसे पहले जिस महान व्यक्तित्व का नाम आता है, वे हैं भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया। सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया का जीवन यह सिखाता है कि संकल्प, परिश्रम और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से असंभव को संभव बनाया जा सकता है।

### कौन थे मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया?

सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया का जीवन यह सिखाता है कि संकल्प, परिश्रम और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से असंभव को संभव बनाया जा सकता है। वे केवल इंजीनियर ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माता, दूरदर्शी योजनाकार और समाज सुधारक थे। 15 सितम्बर को जब हम इंजीनियर्स-डे मनाते हैं, तो यह सिर्फ उनके जन्मदिवस का उत्सव नहीं है, बल्कि यह हमारी प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है कि हम इंजीनियरिंग और विज्ञान की शक्ति का उपयोग जनहित और राष्ट्रहित के लिए करेंगे। मौजूदा दौर के युवा अभियंताओं के लिए सर विश्वेश्वरैया का जीवन एक प्रेरणा है कि कैसे तकनीक को केवल व्यवसाय या नौकरी तक सीमित न रखकर, उसे मानव कल्याण और राष्ट्र निर्माण के साथ जोड़ा जाए।

सर एम. विश्वेश्वरैया का जन्म 15 सितम्बर, 1861 को कर्नाटक के चिक्काबल्लापुर जिले में हुआ। सामान्य परिवार से आने के बावजूद वे बचपन से ही तेजस्वी और जिज्ञासु स्वभाव के थे। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने मैसूर विश्वविद्यालय से बी.ए. (कला स्नातक) की पढ़ाई पूरी की और इसके बाद पुणे के प्रतिष्ठित साइंस कॉलेज से सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। उनका संकल्प और लगन इतनी प्रबल थी कि वे जल्द ही भारत के सबसे सम्मानित और प्रतिभाशाली इंजीनियरों में गिने जाने लगे।

### इंजीनियरिंग में महान योगदान

- **बाढ़ नियंत्रण और सिंचाई परियोजनाएं :** सर विश्वेश्वरैया का सबसे बड़ा योगदान जल संसाधनों के प्रबंधन और सिंचाई के क्षेत्र में रहा। उन्होंने कृष्णा राजा सागर बांध (मैसूर) का निर्माण कराया, जो उस समय एशिया का सबसे बड़ा जलाशय था। इस परियोजना से बंजर भूमि उपजाऊ बन गई और लाखों किसानों की जिंदगी बदल गई। उनके प्रयासों से दक्षिण भारत में हरित क्रांति की मजबूत नींव पड़ी।
- **स्वचालित जल द्वार प्रणाली:** वर्ष 1903 में उन्होंने स्वचालित वियर फ्लडगेट का डिजाइन और पेटेंट कराया। इसे सबसे पहले पुणे के खड़कवासला बांध पर लगाया गया। यह एक क्रांतिकारी आविष्कार था, जिसने पानी के प्रवाह को नियंत्रित करना आसान बनाया और जल संरक्षण के नए रास्ते खोले।
- **शहरी नियोजन और हैदराबाद की बाढ़ समस्या :** वर्ष 1908 में हैदराबाद में भयंकर बाढ़ आई। सर विश्वेश्वरैया ने तत्कालीन निज़ाम सरकार को बाढ़ नियंत्रण की वैज्ञानिक योजना दी। उन्होंने एक अनोखी जल निकासी प्रणाली तैयार की, जिससे भविष्य में हैदराबाद बाढ़ से सुरक्षित रहा। हैदराबाद की जलापूर्ति प्रणाली में सुधार का श्रेय भी उन्हें जाता है।
- **औद्योगिक और तकनीकी संस्थान :** मैसूर के दीवान के रूप में (1912-1918) उन्होंने कई महत्वपूर्ण संस्थाओं और उद्योगों की स्थापना में अपना योगदान दिया। जैसे- मैसूर साबुन कारखाना, भद्रावती आयरन एंड स्टील वर्क्स, बैंक ऑफ मैसूर, मैसूर चेंबर ऑफ कॉमर्स, जयचामराजेंद्र पॉलिटेक्निक, इन संस्थाओं ने न केवल औद्योगिक विकास को गति दी, बल्कि कर्नाटक को आधुनिक भारत के प्रगतिशील राज्यों की श्रेणी में ला खड़ा किया।
- **प्रशासनिक सेवाओं में योगदान :** सर विश्वेश्वरैया केवल अभियंता ही नहीं, बल्कि कुशल प्रशासक और दूरदर्शी राजनेता भी थे। वर्ष 1912 में वे मैसूर रियासत के दीवान बने और लगभग सात वर्षों तक इस पद पर कार्य किया। उनके नेतृत्व में राज्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और उद्योग के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ। उन्होंने रेलवे नेटवर्क का विस्तार किया और ग्रामीण क्षेत्रों तक आधुनिक सुविधाएं पहुंचाईं।

भारत की स्वतंत्रता से काफी पहले ही सर विश्वेश्वरैया ने योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था की आवश्यकता को पहचाना। उन्होंने वर्ष 1934 में पुस्तक 'Planned Economy for India' लिखी, जिसमें औद्योगिकरण और संसाधनों के कुशल उपयोग की रूपरेखा प्रस्तुत की। उनकी दूसरी पुस्तक 'Reconstructing India' भी राष्ट्र निर्माण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। आज जब हम पंचवर्षीय योजनाओं, औद्योगिक नीतियों और आर्थिक सुधारों की बात करते हैं तो उसमें सर विश्वेश्वरैया की सोच की झलक स्पष्ट दिखाई देती है।

### सम्मान और पुरस्कार

उनकी असाधारण प्रतिभा और सेवाओं के लिए उन्हें अनेक सम्मान प्राप्त हुए, जैसे –

- **1911 :** कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ द इंडियन एम्पायर (C.I.E.)
- **1915 :** नाइट कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द इंडियन एम्पायर (K.C.I.E.)
- **1955 :** भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न'।

इसके अलावा उन्हें लंदन इंस्टीट्यूशन ऑफ सिविल इंजीनियर्स की मानद सदस्यता, भारतीय विज्ञान कांग्रेस की अध्यक्षता और अनेक विश्वविद्यालयों से मानद उपाधियां प्राप्त हुईं।

### विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग समाज के उत्थान और राष्ट्र निर्माण के लिए

सर विश्वेश्वरैया की जयंती को वर्ष 1968 से भारत में राष्ट्रीय अभियंता दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। यह दिवस केवल एक महान अभियंता को याद करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह पूरे देश को यह संदेश देता है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग समाज के उत्थान और राष्ट्र निर्माण के लिए किया जाए। इंजीनियर सिर्फ मशीनें बनाने वाले नहीं होते, बल्कि वे समाज की संरचना और भविष्य का निर्माण करते हैं।

### आज के संदर्भ में विश्वेश्वरैया की प्रासंगिकता

21वीं सदी का भारत जब जल संकट, शहरी भीड़भाड़, बाढ़-प्रबंधन, ऊर्जा की बढ़ती जरूरतों और औद्योगिक विकास जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब सर विश्वेश्वरैया की सोच और दृष्टि और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

वर्तमान इंजीनियर्स के योगदान की बात करें तो स्टेच्यू ऑफ यूनिटी, पंबन ब्रिज और चिनाब ब्रिज सिर्फ कंक्रीट और स्टील की संरचनाएं नहीं हैं, बल्कि ये भारत की इंजीनियरिंग प्रतिभा, दूरदर्शिता और साहस के प्रतीक हैं। ये दिखाते हैं कि भारतीय इंजीनियर असंभव सी लगने वाली चुनौतियों को भी अवसर में बदल सकते हैं।

**- रश्मि रंजन**

(लेखिका, पब्लिक पॉलिसी से जुड़े मुद्दों की जानकार हैं। समसामयिक विषयों पर लेखन करती हैं।)

### बिहार कर्मचारी चयन आयोग

**पद का नाम** - स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा के तहत सहायक प्रशाखा पदाधिकारी, योजना सहायक, कनीय सांख्यिकी सहायक, डाटा एंट्री ऑपरेटर ग्रेड-सी, अंकेक्षक
**पदों की संख्या** - 1481
**योग्यता** - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक तथा डाटा एंट्री ऑपरेटर पद के लिए स्नातक के साथ-साथ पीजीडीसीए या बीएससी आईटी होना जरूरी।
**अंतिम तिथि - 24 सितम्बर, 2025**
**वेब.** - https://www.onlinebssc.com

### आईजीआई एविएशन सर्विस प्रा. लि.

**पद का नाम** - एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ, लोडर
**पदों की संख्या** - 1446
**योग्यता** - एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ पद के लिए न्यूनतम कक्षा 12वीं उत्तीर्ण हो तथा लोडर पद के लिए कक्षा 10वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य।
**अंतिम तिथि - 21 सितम्बर, 2025**
**वेब.** - https://igiaviationdelhi.com

### राजस्थान लोक सेवा आयोग

**पद का नाम** - लेक्चरर
**पदों की संख्या** - 12
**योग्यता** - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से विधि में स्नातक की डिग्री।
**अंतिम तिथि - 25 सितम्बर, 2025**
**वेब.** - https://rpsc.rajasthan.gov.in

### सीमा सुरक्षा बल

**पद का नाम** - हेड कॉन्स्टेबल (रेडियो ऑपरेटर), हेड कॉन्स्टेबल (रेडियो मैकेनिक)
**पदों की संख्या** - 718
**योग्यता** - मान्यता प्राप्त बोर्ड या संस्थान से न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ कक्षा बारहवीं उत्तीर्ण हो तथा बारहवीं कक्षा में गणित, रसायन शास्त्र और भौतिकी विषय हो
**अंतिम तिथि - 23 सितम्बर, 2025**
**वेबसाइट** - https://rectt.bsf.gov.in

### दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड

**पद का नाम** - कोर्ट अटेंडेंट, रूम अटेंडेंट, सुरक्षा अटेंडेंट
**पदों की संख्या** - 334
**योग्यता** - पदानुसार
**अंतिम तिथि - 24 सितम्बर, 2025**
**वेब.** - https://dsssb.delhi.gov.in

### इंडियन रेयर अर्थ लिमिटेड

**पद का नाम** - ग्रेजुएट अप्रेंटिस, डिप्लोमा अप्रेंटिस, ट्रेड अप्रेंटिस
**पदों की संख्या** - 41
**योग्यता** - ग्रेजुएट अप्रेंटिस पद के लिए बैचलर इन इंजीनियरिंग (बीई), डिप्लोमा अप्रेंटिस पद के लिए इंजीनियरिंग में डिप्लोमा तथा ट्रेड अप्रेंटिस पद के लिए आईटीआई डिप्लोमा
**अंतिम तिथि - 20 सितम्बर, 2025**
**वेबसाइट** - https://www.irel.co.in

### यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

**पद का नाम** - मैनेजमेंट ट्रेनी, डिप्लोमा ट्रेनी, ग्रेजुएट ऑपरेशनल ट्रेनी, डिप्लोमा ट्रेनी
**पदों की संख्या** - 99
**योग्यता** - पदानुसार
**अंतिम तिथि - 24 सितम्बर, 2025**
**वेबसाइट** - **https://ucil.gov.in**

### गोवा शिपयार्ड लिमिटेड

**पद का नाम** - मैनेजमेंट ट्रेनी ( मैकेनिकल, इलेक्ट्रीकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, नेवल आर्किटेक्चर, फाइनेंस, रोबोटिक्स)
**पदों की संख्या** - 32
**योग्यता** - बीई/ बीटेक
**अंतिम तिथि - 24 सितम्बर, 2025**
**वेबसाइट** - https://goashipyard.in

### आयुध निर्माणी, तिरुचिरापल्ली

**पद का नाम** - ट्रेड्समैन
**पदों की संख्या** - 73
**योग्यता** - मैट्रिक उत्तीर्ण हो तथा संबंधित ट्रेड में एनसीटीवीटी प्रमाण पत्र हो।
**अंतिम तिथि - 21 सितम्बर, 2025**
**वेबसाइट** - www.aweil.in

### इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सोनेल सिलेक्शन

**पद का नाम** - क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के लिए ऑफिसर ( स्केल-I, स्केल-II, स्केल-III), ऑफिस असिस्टेंट (क्लर्क)
**पदों की संख्या** - 13217
**योग्यता** - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से किसी भी विषय में स्नातक डिग्री तथा अन्य वांछित योग्यताएं।
**अंतिम तिथि - 21 सितम्बर, 2025**
**वेबसाइट** - https://www.ibps.in

### इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड

**पद का नाम** - आईटीआई ट्रेड अप्रेंटिस
**पदों की संख्या** - 412
**योग्यता** - संबंधित ट्रेड में आईटीआई उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
**अंतिम तिथि - 22 सितम्बर, 2025**
**वेबसाइट** - https://www.ecil.co.in

### मुंबई पत्तन प्राधिकरण

**पद का नाम** - मुख्य प्रबंधक (व्यवसाय विकास, पर्यावरण, आइसीटी), वरिष्ठ प्रबंधक (व्यवसाय विकास, पर्यावरण, आइसीटी), प्रबंधक (व्यवसाय विकास, पर्यावरण, आइसीटी)
**पदों की संख्या** - 15
**योग्यता** - पदानुसार
**अंतिम तिथि - 23 सितम्बर, 2025**
**वेब.** - https://mumbaiport.gov.in

### इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड

**पद का नाम** - वरिष्ठ प्रबंधक, प्रबंधक, उप प्रबंधक, इंजीनियर, कनिष्ठ सचिव
**पदों की संख्या** - 19
**योग्यता** - पदानुसार
**अंतिम तिथि - 18 सितम्बर, 2025**
**वेब.** - https://engineersindia.com

### राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान

**पद का नाम** - सहायक प्रोफेसर (प्रिंट मीडिया, मनोविज्ञान, शिक्षा एवं प्रशिक्षण, सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन, सांख्यिकी एवं जन-सांख्यिकी), रीडर, लेखा अधिकारी, अकाउंटेंट, प्रोग्रामर, एआरओ, वरिष्ठ कलाकार
**पदों की संख्या** - 16
**योग्यता** - पदानुसार
**अंतिम तिथि - 26 सितम्बर, 2025**
**वेबसाइट** - https://nihfw.ac.in

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

मध्यप्रदेश की नदियां

# समृद्धि, संस्कृति और आध्यात्मिकता का प्रतीक है शिवना नदी

**मध्यप्रदेश की धरती को प्रकृति ने नदियों की विपुलता से समृद्ध किया है। इसलिए प्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है। नदियां जीवन और प्रकृति संवर्धन का आधार है। नदी तट पर कई संस्कृतियों का निर्माण और विकास हुआ है। जल, जीवन की इस विरासत से आपको परिचित करवाने के लिए रोज़गार और निर्माण में मध्यप्रदेश की नदियां स्तम्भ शुरू किया है। इस अंक में प्रस्तुत है मध्यप्रदेश की शिवना नदी का परिचय -**

**नदियां न केवल जल स्रोत हैं, बल्कि जीवन, संस्कृति, इतिहास और परंपराओं का आधार भी है। इन्हीं नदियों में एक विशेष स्थान रखती है शिवना नदी, जो अपने प्राकृतिक सौंदर्य, कृषि में योगदान, आध्यात्मिक महत्व और ऐतिहासिक धरोहर के लिए जानी जाती है। शिवना नदी की यात्रा एक साधारण जलधारा से कहीं अधिक है। यह उस जीवनधारा का प्रतीक है जो अनेक गांवों, खेतों और लोगों की आशाओं से जुड़ी हुई है। शिवना नदी मध्यप्रदेश और राजस्थान से बहने वाली प्रमुख नदी है।**

### उद्गम

शिवना नदी का उद्गम राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले स्थित शिवना नामक गांव में हुआ जिसकी कुल लंबाई 102 किलोमीटर है। यह नदी विभिन्न स्थानों से होते हुए अंत में चंबल नदी में विलय हो जाती है। यहां का भू-भाग चट्टानी संरचना और घने वनों से आच्छादित है, जो वर्षा के जल को संचित कर धीरे-धीरे जलधारा के रूप में बाहर लाता है।

### विशेष योगदान

शिवना नदी के किनारे छोटे-बड़े गांव बसे हैं जहां खेती, पशुपालन और अन्य व्यवसाय नदी के जल पर निर्भर हैं। नदी का प्रवाह कई छोटे-बड़े झरनों को साथ लेकर आगे बढ़ता है। अपने बहाव क्षेत्र में यह नदी खेतों को सींचती है, तालाबों को भरती है और गांवों की जल आवश्यकता पूरी करती है। यह नदी अनेक छोटे पुलों, घाटों और जल संरचनाओं से होकर गुजरती है। अनेक स्थानों पर नदी के किनारे पूजा स्थल और धार्मिक स्थलों का निर्माण हुआ है, जहां स्थानीय लोग स्नान, ध्यान और पूजा-अर्चना के लिए आते हैं। नदी का किनारा वर्ष भर जीवंत बना रहता है, विशेषकर श्रावण मास, महाशिवरात्रि और अन्य धार्मिक आयोजनों का समय आनंद देने वाला होता है।

### स्थानीय जन-जीवन में शिवना नदी का योगदान

शिवना नदी का सबसे बड़ा योगदान है आसपास के क्षेत्रों में कृषि और ग्रामीण जीवन को समृद्ध बनाना। नदी के किनारे उपजाऊ मिट्टी पाई जाती है, जो गेहूं, चना, सोयाबीन, मक्का, प्याज, लहसुन और धनिया जैसी फसलों की खेती के लिए अनुकूल है। वर्षा ऋतु के बाद जब नदी का जल खेतों तक पहुंचता है, तो किसानों की सिंचाई की समस्याएं काफी हद तक हल हो जाती हैं। नदी से निकाली गई नहरें और खेतों तक पहुंचने वाले जलमार्ग कृषि उत्पादन में वृद्धि करते हैं। कई गांवों में परंपरागत रूप से छोटे तालाब बनाए गए हैं, जिन्हें नदी से जल आपूर्ति मिलती है। इससे पशुपालन भी समृद्ध हुआ है क्योंकि पशु जल और चारे के लिए आश्रय पाते हैं। इसके अतिरिक्त, नदी के किनारे बसे गांवों में मछली पालन, सब्ज़ी उत्पादन और बागवानी जैसे व्यवसाय भी प्रचलित हैं। स्थानीय अर्थव्यवस्था में नदी का योगदान अप्रतिम है। कई परिवारों की आजीविका सीधे तौर पर नदी पर निर्भर है, जिससे यह क्षेत्र आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

इस नदी का प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र है। नदी के किनारे बने घाट, छोटे मंदिर, हरियाली से भरे तट और जलाशय पिकनिक स्पॉट और ध्यान केंद्रों के रूप में प्रसिद्ध हैं। विशेषकर वर्षा ऋतु में जब नदी जल से भर जाती है, तब यहां का दृश्य मन मोह लेता है। धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ ग्रामीण पर्यटन भी बढ़ रहा है। कई लोग शहरों से यहां प्राकृतिक वातावरण का आनंद लेने आते हैं। आसपास के गांवों में स्थानीय भोजन, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक आयोजनों का अनुभव पर्यटकों को मिलता है।

शिवना नदी का प्रवाह अनेक छोटी धाराओं और नालों से समृद्ध होता है। इनमें प्रमुख सहायक नदियां हैं कनास, कालीसिंध की छोटी धाराएं और स्थानीय जल स्रोत। ये सहायक नदियां वर्षा के दौरान शिवना में मिलती हैं और इसकी जलधारा को समृद्ध करती हैं। कई स्थानों पर जल संरक्षण संरचनाएं बनाई गई हैं जो इन सहायक नदियों से जल संग्रह कर आगे सिंचाई और पेयजल के लिए उपयोग करती हैं। सहायक नदियों के संगम स्थल धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यहां पर स्नान, पूजा, तर्पण आदि का आयोजन होता है। साथ ही, ये सहायक नदियां स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को भी संतुलित करती हैं और आसपास की जैव विविधता को संरक्षित करती हैं।

### महत्वपूर्ण दर्शनीय स्थल

शिवना नदी का नाम ही शिव से जुड़ा हुआ है, जिससे इसका आध्यात्मिक महत्व स्पष्ट होता है। शिवना नदी का आध्यात्मिक महत्व केवल स्थानीय गांवों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका जल दूर-दूर तक पवित्रता और पूजा के लिए उपयोग किया जाता है। विशेष रूप से मंदसौर जिले में स्थित प्राचीन अष्टमुखी पशुपतिनाथ मंदिर में भगवान शिव की प्रतिमा प्रतिष्ठित है। प्रतिमा के अभिषेक और स्नान के लिए शिवना नदी का जल लाया जाता है। यह मंदिर कई शताब्दियों पुराना माना जाता है और शिवभक्तों के लिए आस्था का केंद्र है। श्रद्धालुओं की ऐसी आस्था है कि शिवना नदी का जल स्वयं शिव का अनुग्रह है। यहां पर प्रतिवर्ष अक्टूबर और नवंबर में कार्तिक मास में 15 दिवसीय मेले का आयोजन किया जाता है। यह रात्रिकालीन मेला होता है जिसमें लगभग एक लाख से अधिक व्यक्ति सम्मिलित होते हैं। इसके अलावा मंदिर में विशेष पर्वों पर, जैसे महाशिवरात्रि, श्रावण मास और अन्य धार्मिक अवसरों पर शिवना नदी से लाये गये जल से अभिषेक होता है। यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है और आज भी उतनी ही श्रद्धा के साथ निभाई जाती है।

### नालछा माता मंदिर

मंदसौर बायपास मार्ग पर ग्राम नालछा माता मंदिर स्थित है। यह लगभग डेढ़ हजार वर्ष पुराना मंदिर है। यहां पर प्रतिवर्ष नवरात्रि के अवसर पर मेले का आयोजन किया जाता है।

### सौंधनी

मंदसौर नगर की पूर्व दिशा में सौंधनी में प्रसिद्ध विजय स्तंभ रखे हुए हैं। यह स्थल ऐतिहासिक और प्राचीन धरहोर के कारण लोगों के बीच पर्यटन का विशेष केन्द्र है।

शिवना नदी चितौड़गढ़ और मंदसौर जिले की जीवनधारा है। इसका उद्गम स्थल, प्रवाह मार्ग, सहायक नदियां, कृषि में योगदान, पर्यटन की संभावनाएं, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्व इसे एक विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं। यह नदी न केवल जल का स्रोत है, बल्कि ग्रामीण समाज की आशा, श्रद्धा और समृद्धि का प्रतीक है।

**- देवेन्द्र गोरे**
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

खेल चर्चा

### सुरुचि सिंह बनीं विश्व की नंबर वन पिस्टल निशानेबाज

**ऑकलैंड,** भारतीय निशानेबाज सुरुचि सिंह अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) द्वारा जारी महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल रैंकिंग में नंबर वन स्थान पर पहुंच गई हैं। इस वर्ष की शुरुआत में सीनियर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण करने के बाद, 19 वर्षीय सुरुचि सिंह ने 4162 अंकों के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल में विश्व में नंबर वन रैंकिंग हासिल की। रैंकिंग में चीन की पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन याओ कियानक्सुन ने 3195 अंकों के साथ इस वर्ग में दूसरा स्थान हासिल किया। चीन की वेई कियान 2178 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। सुरुचि सिंह ने हाल ही में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप 2025 में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित और महिला टीम स्पर्धाओं में दो कांस्य पदक जीते हैं, वे इस वर्ष शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने इस वर्ष म्यूनिख, लीमा और ब्यूनस आयर्स में हुए तीनों आईएसएसएफ विश्व कप में 10 मीटर एयर पिस्टल में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीते।

पुरुष हॉकी एशिया कप

# भारत चौथी बार बना एशियन हॉकी का चैम्पियन

**राजगीर,** भारत ने पुरुष हॉकी एशिया कप का खिताब जीत लिया है। बिहार के राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने गत चैम्पियन दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराया। भारत ने चौथी बार यह खिताब जीता। इस जीत के साथ भारत ने एफआईएच हॉकी विश्वकप-2026 में भी जगह बना ली।

**मैच की शुरुआत से ही भारत की बढ़त**

भारत ने पहले ही मिनट में गोल दागा पहले क्वार्टर के पहले ही मिनट में भारत से सुखजीत सिंह ने फील्ड गोल दाग दिया। भारत को 9वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक भी मिला, लेकिन जुगराज सिंह गोल नहीं कर सके। पहला क्वार्टर खत्म होने के बाद भारत 1-0 से आगे रहा। दूसरे क्वार्टर में भारत 2-0 से आगे हुआ। दूसरे क्वार्टर के शुरुआती 10 मिनट में दोनों ही टीमें गोल नहीं कर सकीं। फिर 28वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने फील्ड गोल किया और भारत को 2-0 की बढ़त दिला दी। दक्षिण कोरिया ने दबाव बनाने की कोशिश जरूर की, लेकिन टीम को गोल करने का मौका नहीं मिला।

तीसरे क्वार्टर में दिलप्रीत का एक और गोल तीसरे क्वार्टर के आखिरी मिनट में भारत से दिलप्रीत सिंह ने अपना दूसरा फील्ड गोल दाग दिया। राजकुमार पाल ने उन्हें गोलपोस्ट के करीब पास दिया था, दिलप्रीत ने मौके को भुनाया और आसान सा गोल दाग दिया। इसी के साथ भारत 3-0 से आगे हो गया। चौथे क्वार्टर में दोनों टीमों ने 1-1 गोल किया चौथे क्वार्टर के 5वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिल गया। अमित रोहिदास ने इस अवसर को भुनाया और गोल कर दिया। अगले ही मिनट में दक्षिण कोरिया को भी पेनल्टी कॉर्नर मिल गया। दक्षिण कोरिया के लिए सोन डायन ने गोल किया और स्कोर 4-1 कर दिया। 4-1 के स्कोर के साथ ही मैच खत्म हुआ और भारत ने चौथी बार एशिया कप जीत लिया।

भारत हॉकी एशिया कप-2025 में अजेय रहा, टूर्नामेंट के दौरान भारतीय टीम एक भी मैच नहीं हारी। भारतीय टीम ने ग्रुप स्टेज में चीन, जापान और कजाकिस्तान को हराया। चीन के खिलाफ मैच करीबी रहा, बाकी दोनों मैच भारत ने एकतरफा अंदाज में जीत लिए।

- भारत ने चौथी बार हॉकी एशिया कप का खिताब जीता है।
- भारत वर्ष 2003, 2007 और 2017 में भी एशियन चैम्पियन रह चुका है।
- दक्षिण कोरिया ने सबसे ज्यादा पांच बार जीता है हॉकी एशिया कप।

### भारतीय पुरुष कंपाउंड टीम ने जीता स्वर्ण पदक

**ग्वांग्जू,** भारत ने दक्षिण कोरिया में आयोजित विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक के साथ अपने अभियान की शुरुआत की है। ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेश फुगे की भारतीय टीम ने पुरुषों की कंपाउंड स्पर्धा के फाइनल में फ्रांस की टीम को 235-233 से हराया। मैच के शुरुआती तीन सेटों में दोनों टीमें 176-176 की बराबरी पर थीं, लेकिन चौथे सेट में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 59 अंक हासिल किए, जिसने फ्रांस पर दबाव बनाया। फ्रांस इस सेट में केवल 57 अंक ही बना सका और इस तरह भारत ने दो अंकों के अंतर से स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

### लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने क्रिकेट से लिया संन्यास

**नई दिल्ली,** भारत के दिग्गज लेग स्पिनर अमित मिश्रा ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। अमित मिश्रा ने अपना आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मुकाबला वर्ष 2017 में खेला था। वे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में तीन हैट्रिक लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं। ऐसा करने वाले वह इस फॉर्मेट में एकमात्र गेंदबाज भी हैं। इसके अलावा उन्होंने भारत के लिए शानदार गेंदबाजी भी की है। अमित मिश्रा ने 22 टेस्ट, 36 वन-डे और 10 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 76 टेस्ट, 64 वन-डे और 16 ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय विकेट लिए हैं।

## भारत ने सीएएफए नेशंस कप में हासिल किया तीसरा स्थान

**हिसोर,** भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम ने ओमान को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराकर सीएएफए नेशन्स कप फुटबॉल टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया। भारतीय फुटबॉल टीम ने ओमान को इतिहास में पहली बार शिकस्त दी। भारतीय टीम ने किसी अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल मैच में ओमान को पहली बार हराया है। निर्धारित और अतिरिक्त समय के बाद मुकाबला 1-1 से बराबर था जिसके बाद नतीजे के लिए शूटआउट का सहारा लिया गया।

**गुरप्रीत सिंह ने रोकी आखिरी पेनल्टी**

फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। मैच के पहले हाफ में दोनों ही टीमें कोई गोल नहीं कर पाईं। दूसरे हाफ की शुरुआत में ओमान की टीम भारतीय रक्षापंक्ति को भेदने में सफल रही। मैच के 55वें मिनट में यहमादी ने ओमान की ओर से गोलकर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। मैच में पिछड़ने के बाद भारतीय टीम ने भी पलटवार किया और मैच के 80वें मिनट में उदांता सिंह के गोल की

मदद से भारतीय टीम ने बराबरी हासिल कर ली। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक स्कोर 1-1 से बराबर रहने के बाद मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट में तय हुआ। पेनल्टी शूट आउट में बेहतर रैंकिंग वाली टीम ओमान ने अपने शुरुआती दो अवसर गंवा दिए, जबकि भारतीय गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने अंतिम पेनल्टी को रोक कर तीसरे चौथे स्थान के लिए खेले गए क्लासिफिकेशन मुकाबले में भारत की जीत सुनिश्चित की। पेनल्टी शूटआउट में भारत की ओर से लालियनजुआला छांगटे, राहुल भेके और जितिन एमएस ने गोल किए जबकि अनवर अली और उदांता सिंह गोल दागने में नाकाम रहे।

### इंग्लैंड ने दर्ज की वन-डे क्रिकेट की सबसे बड़ी जीत

**साउथैम्प्टन,** इंग्लैंड ने साउथ अफ्रीका को वन-डे क्रिकेट मैच में 342 रन से हराकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में रन के अंतर से सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड रहा। इससे पहले भारत ने वर्ष 2023 में श्रीलंका को 317 रन से हराया था। मैच में पहले बैटिंग करते हुए इंग्लैंड ने 414 रन बनाए। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम महज 72 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

### मेसी ने घरेलू मैदान पर जीत के साथ ली विदाई

**ब्यूनस आयर्स,** अर्जेंटीना के एस्टाडियो मोन्युमेंटल में फीफा विश्वकप क्वालिफाइंग फुटबॉल मुकाबले में मेजबान टीम ने वेनेजुएला पर 3-0 से शानदार जीत दर्ज की, लेकिन इस जीत से न तो अर्जेंटीना के खिलाड़ी खुश थे और न ही फैंस। इसकी एक बड़ी वजह उनके स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी का अपने देश में आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलना था। मेसी इसके बाद कभी भी अर्जेंटीना में कोई अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेलेंगे।

## भारत ने एशिया कप में जीत के साथ किया आगाज

**दुबई,** भारतीय क्रिकेट टीम ने एशिया कप में जीत के साथ शुरुआत की। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अपने पहले मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को सिर्फ 57 रन पर ऑलआउट कर दिया और 4.3 ओवर में सिर्फ एक विकेट खोकर 9 विकेट से जीत हासिल की।

मैच में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करने उतरी यूएई की टीम को सलामी बल्लेबाज अलीशान शराफू (22 रन) और मोहम्मद वसीम (19 रन) ने अच्छी शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 26 रन जोड़े। इन दोनों बल्लेबाजों के आउट होते ही भारतीय गेंदबाजों ने यूएई पर शिकंजा कस दिया और पूरी टीम को 57 रन पर समेट दिया। भारत के लिए कुलदीप यादव ने 4, शिवम दुबे ने 3 तथा जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने 1-1 विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने आक्रामक शुरुआत दिलाई। अभिषेक ने पारी की पहली गेंद पर छक्का लगाया और 16 गेंदों में 30 रनों की पारी खेली। इसके बाद शुभमन गिल (20 रन) और सूर्यकुमार (7 रन) ने महज 4.3 ओवरों में 93 गेंद शेष रहते भारत को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

- भारत ने किसी ट्वेंटी-20 मैच में गेंदें बाकी रहने के लिहाज से अपनी सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड बनाया।
- इससे पहले भारत का पिछला रिकॉर्ड 81 गेंद बाकी रहते जीत हासिल करने का था।
- भारत ने वर्ष 2021 में स्कॉटलैंड को 81 गेंद शेष रहते हराया था।

## यूएस ओपन अलकराज ने जीता कॅरियर का छठवां ग्रैंडस्लैम खिताब

**न्यूयॉर्क,** स्पेन के युवा टेनिस स्टार कार्लोस अलकराज ने इटली के जेनिक सिनर को हराकर यूएस ओपन-2025 का खिताब जीत लिया है। अलकराज ने यूएस ओपन के फाइनल में सिनर को 6-2, 3-6, 6-1, 6-4 से मात दी। कार्लोस अलकराज के लिए यह जीत कई मायनों में खास रही। अलकराज ने दूसरी बार यूएस ओपन खिताब जीता। यह उनका छठा ग्रैंडस्लैम खिताब रहा।

कार्लोस अलकराज इस जीत के साथ एक बार फिर शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। सितंबर 2023 के बाद वो पहली बार शीर्ष स्थान पर पहुंचे। इस शिकस्त के साथ सिनर के हार्ड कोर्ट ग्रैंडस्लैम में लगातार 27 मैच जीतने के रथ पर रोक लगी। सिनर को इससे

पहले जून-2025 में फ्रेंच ओपन फाइनल में भी अलकराज से शिकस्त मिली थी।

**रोजर फेडरर का जलवा बरकरार**

जानिक सिनर ने हार के बाद कहा कि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। इससे ज्यादा कुछ नहीं कर सकता था। यूएस ओपन में लगातार खिताब की रक्षा करने का सिलसिला थम सा चुका है। रोजर फेडरर ही थे, जिन्होंने वर्ष 2004 से 2008 तक अपने खिताब की यहां रक्षा की थी। इस कारनामे को कोई और खिलाड़ी दोहरा नहीं पाया है।

**मैच में अलकराज के सामने नहीं टिक सके सिनर**

मैच की शुरुआत हुई और अलकराज ने पहले ही गेम में सिनर की सर्विस तोड़ दी। अलकराज का पहले सेट में दबदबा रहा। उन्होंने दूसरा ब्रेक सुरक्षित रखते हुए 5-2 की बढ़त बनाई। हालांकि, सिनर ने दूसरे सेट में वापसी की और 3-6 से गेम अपने नाम किया। 1-1 की बराबरी के बाद अलकराज ने तीसरे सेट में जल्दी ब्रेक हासिल किया। उन्होंने बेसलाइन से अपनी शैली दिखाते हुए 3-0 की बढ़त बनाई। अलकराज ने लय हासिल की और एक और ब्रेक सुरक्षित करते हुए तीसरा सेट अपने नाम किया। चौथे सेट में भी अलकराज ने एकतरफा प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की।

- यह कार्लोस अलकराज के टेनिस कॅरियर का छठवां ग्रैंडस्लैम खिताब है।
- अलकराज अब तक 2-2 बार यूएस ओपन, फ्रेंच ओपन और विम्बलडन का खिताब जीत चुके हैं।
- वर्ष 2022 में भी अलकराज यूएस ओपन के चैम्पियन रहे थे।
- यह अलकराज के टेनिस कॅरियर का 23वां एटीपी एकल खिताब है।

### वर्स्टापेन ने जीती इटैलियन ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस

**मोंजा,** नीदरलैंड् के दिग्गज कार रेसर मैक्स वर्स्टापेन ने इटैलियन ग्रांप्री में खिताब के दावेदार और टीम मैक्लारेन के लैंडो नॉरिस और ऑस्कर पिएस्त्री को पछाड़कर शानदार जीत हासिल की है। वर्स्टापेन ने 53 लैप की इस रेस को एक घंटा 13 मिनट 24 सेकेंड में पूरा किया। रेस में नॉरिस दूसरे तथा पिएस्त्री तीसरे स्थान पर रहे, वहीं चार्ल्स लेक्लर्क ने चौथा तथा जॉर्ज रसेल ने पांचवां स्थान हासिल किया। फॉर्मूला-वन के मौजूदा सत्र में वर्स्टापेन की यह तीसरी जीत है। इससे पहले वह जापानी ग्रांप्री और इमिलिया रोमाग्ना ग्रांप्री रेस भी जीत चुके हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

## सामयिकी

## सेना की दस महिला अधिकारी लगाएंगी दुनिया का चक्कर

भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना की दस महिला अधिकारी एक ऐतिहासिक मिशन पर निकल पड़ी हैं। वे आईएएसवी त्रिवेणी पर सवार होकर पूरी दुनिया का चक्कर लगाएंगी। यह पहली बार है जब तीनों सेनाओं की महिला अधिकारी ऐसा कर रही हैं। सेना ने बताया कि इस अभियान में 26 हजार से अधिक समुद्री मील की दूरी तय की जाएगी।

वे भू-मध्य रेखा को दो बार पार करेंगी और तीन बड़े कैंपों को भी पार करेंगी। इंडियन आर्मी ने एक्स पोस्ट में बताया कि टीम दक्षिण महासागर और ड्रेक पैसेज जैसे दुनिया के सबसे कठिन समुद्री मार्गों का सामना करेंगी। यह अभियान भारत की समुद्री यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह वर्दी में नारी शक्ति, तीनों सेनाओं की एकता और साहस की भावना को दर्शाता है। 11 सितंबर से महिला अफसरों का यह सफर शुरू हुआ। आईएएसवी त्रिवेणी एक खास नाव है। यह 50 फुट लंबी और पूरी तरह से स्वदेशी है।

यह लंबी दूरी की यात्राओं के लिए बिल्कुल सही है। महिला अफसरों को इस पर दुनिया घूमने का मौका मिल रहा है। इसे पहले 7 अप्रैल, 2025 को शुरू किया गया त्रि-सेवा अखिल महिला नौकायन अभियान ने समुद्र में लगभग 55 दिनों में 3 हजार 600 समुद्री मील की दूरी तय की। यह पहली बार था जब भारतीय सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं की महिला चालक दल ने त्रिवेणी पर सवार होकर मुंबई-सेशेल्स-मुंबई मार्ग पर एक अंतर्राष्ट्रीय नौकायन यात्रा की थी।

## जापान के प्रधानमंत्री इशिबा ने दिया इस्तीफा

जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने एलडीपी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया। इस कदम से दुनिया की एक बड़ी अर्थव्यवस्था राजनीतिक अनिश्चितता के एक नए दौर में पहुंच गई है। पिछले अक्टूबर में प्रधानमंत्री बनने के बाद से, इशिबा को लगातार चुनावों में हार का सामना करना पड़ा है। जापान में उनकी सरकार अल्पमत (कम सीटों वाली) है, जिससे नीतियां लागू करना और मुश्किल हो गया है। जुलाई में हुए उच्च सदन के चुनाव में भी सत्तारूढ़ गठबंधन बहुमत से चूक गया था। जुलाई में हुए चुनाव में एलडीपी और उसकी सहयोगी पार्टी को सिर्फ 47 सीटें मिलीं। इनके पास पहले 75 सीटें थीं। 248 सदस्य वाले इस सदन में साधारण बहुमत पाने के लिए उन्हें कम से कम 125 सीटें चाहिए थीं।

*(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)*

### प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों को किया संबोधित

# नई जीएसटी दरें देश के लिए समर्थन और विकास की दोहरी खुराक - श्री मोदी

- आइए एक आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में काम करें।
- हर परिवार की बचत बढ़ेगी और हमारी अर्थव्यवस्था को भी नई ताकत मिलेगी।
- युवा पीढ़ी को इस लक्ष्य की ओर प्रेरित करने में हमारे शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।
- हमने ऑनलाइन मनी गेम्स को रोकने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों को संबोधित करने के उपरांत उनसे भेंट की

शिक्षक न केवल वर्तमान को, बल्कि राष्ट्र के भविष्य को भी आकार देते हैं और इससे उनकी भूमिका राष्ट्रीय सेवा के सर्वोच्च रूपों में से एक बन जाती है। इस वर्ष के पुरस्कार विजेताओं की तरह, देश भर में लाखों शिक्षक निष्ठा, प्रतिबद्धता और सेवा भावना के साथ शिक्षा के प्रति समर्पित हैं। यह बात प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों को संबोधित करते हुए कही। शिक्षकों का सम्मान केवल एक रिवाज नहीं, बल्कि उनके आजीवन समर्पण और प्रभाव का सम्मान है। राष्ट्र ने हमेशा गुरु-शिष्य परंपरा का सम्मान किया है। भारत में, गुरु केवल ज्ञान प्रदाता ही नहीं, बल्कि जीवन के मार्गदर्शक भी होते हैं। 'जैसे-जैसे हम एक विकसित भारत के निर्माण की दृष्टि से आगे बढ़ रहे हैं, यह परंपरा हमारी ताकत बनी हुई है। आप जैसे शिक्षक इस विरासत के जीवंत प्रतीक हैं। आप न केवल साक्षरता प्रदान कर रहे हैं, बल्कि युवा पीढ़ी में राष्ट्र के लिए जीने की भावना भी भर रहे हैं।'

### सशक्त समाज की आधारशिला हैं शिक्षक

प्रधानमंत्री ने कहा कि शिक्षक एक मज़बूत राष्ट्र और सशक्त समाज की आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक पाठ्यक्रम और पाठ्यचर्या में समयबद्ध बदलाव की ज़रूरत के प्रति भी संवेदनशील होते हैं और शिक्षा को समय की बदलती मांगों के अनुरूप बनाते हैं। देश के लिए किए जा रहे सुधारों में भी यही भावना झलकती है। सुधार निरंतर और समय के अनुकूल होने चाहिए।

### भारत 21वीं सदी में प्रवेश कर रहा है

श्री मोदी ने कहा कि जीएसटी स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े आर्थिक सुधारों में से एक था। इसने देश को कई करों के जटिल जाल से मुक्ति दिलाई। अब, जब भारत 21वीं सदी में प्रवेश कर रहा है, जीएसटी सुधार का यह नया चरण, जिसे मीडिया में कुछ लोग 'जीएसटी 2.0' कह रहे हैं, वास्तव में समर्थन और विकास की दोहरी खुराक है। यह सुधार आम परिवारों के लिए बचत बढ़ाने और आर्थिक गति को मज़बूत करने के दोहरे लाभ प्रदान करता है।

### आर्थिक विकास को एक नया बल मिलेगा

प्रधानमंत्री ने नवीनतम जीएसटी सुधारों को भारत के आर्थिक परिवर्तन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया और कहा कि इन सुधारों ने देश की फलती-फूलती अर्थव्यवस्था में पाँच प्रमुख रत्न जोड़े हैं। पहला, कर प्रणाली काफी सरल हो गई है। दूसरा, भारतीय नागरिकों के जीवन स्तर में और सुधार होगा। तीसरा, उपभोग और आर्थिक विकास को एक नया बल मिलेगा। चौथा, कारोबार करने में आसानी बढ़ेगी, जिससे अधिक निवेश और रोज़गार सृजन होगा। पांचवां, सहकारी संघवाद की भावना, केंद्र और राज्यों के बीच साझेदारी और सुदृढ़ होगी, जो एक विकसित भारत के लिए अत्यंत आवश्यक है।

### जीएसटी परिषद ने लिया ऐतिहासिक फैसला

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैंने वादा किया था कि दिवाली और छठ पूजा से पहले लोगों के लिए दोहरा उत्सव होगा। इसी भावना के अनुरूप, जीएसटी परिषद ने एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। अब मुख्य रूप से जीएसटी की दो श्रेणियां हैं, 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत। ये नई दरें नवरात्रि के पहले दिन, 22 सितंबर, से लागू होंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि नवरात्रि की शुरुआत से करोड़ों परिवारों के लिए ज़रूरी चीज़ें और भी सस्ती हो जाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि इस साल धनतेरस और भी ज्यादा जीवंत होगा, क्योंकि दर्जनों वस्तुओं पर कर में काफी कमी की गई है।

## पानी में छिपे माइक्रोप्लास्टिक को ढूंढेगा नया बायोसेंसर

हर साल 1 से 4 करोड़ टन माइक्रोप्लास्टिक पर्यावरण में फैलते हैं, जिनकी पहचान मुश्किल और महंगी होती है। अब वैज्ञानिकों ने स्यूडोमोनास एरुजिनोसा बैक्टीरिया से एक ऐसा बायोसेंसर विकसित किया है, जो प्लास्टिक से जुड़ते ही हरे रंग का फ्लोरोसेंस सिग्नल देता है और कुछ घंटों में ही पानी में मौजूदा माइक्रोप्लास्टिक का पता लगा लेता है।

### बैक्टीरिया से विकसित तकनीक

एसीएस सेंसर नामक जर्नल में प्रकाशित शोध के अनुसार, इस बायोसेंसर को नॉन इंफेक्शियस स्ट्रेन बैक्टीरिया से तैयार किया गया। वैज्ञानिकों ने इसमें दो जीन जोड़े, जिनमें से एक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी पर ग्रीन फ्लोरोसेंट प्रोटीन बनाता है। इसे समुद्री पानी के सैंपल में डाला गया, जहां फ्लोरोसेंस के आधार पर 100 पार्ट्स प्रति मिलियन तक माइक्रोप्लास्टिक कण मिले। रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी से यह भी साफ हुआ कि इनमें बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक थे।

### तेज और सस्ता उपाय

शोधकर्ताओं के मुताबिक मौजूदा डिटेक्शन तकनीकें महंगी और समय लेने वाली हैं। नया बायोसेंसर न केवल तेजी और सटीकता से काम करता है बल्कि ट्रेडिशनल प्लास्टिक के साथ बायोडिग्रेडेबल पॉलिमर जैसे मिथाइल सेल्यूलोज की भी पहचान करता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह तरीका बड़े पैमाने पर परमॉनीटरिंग और पाल्यूशन हॉटस्पॉट पहचानने में बेहद असरकार साबित हो सकता है। हालांकि माइक्रोप्लास्टिक पहले से ही भोजन, पानी और हवा तक में पहुंच चुका है।

## रूसी कैंसर वैक्सीन के सभी टेस्ट सफल

रूस ने कैंसर के खिलाफ लड़ाई में एक नई सफलता हासिल की है। वहां की फेडरल मेडिकल एंड बायोलॉजिकल एजेंसी (एफएमबीए) ने कैंसर की वैक्सीन तैयार की है। एफएमबीए प्रमुख वेरोनिका स्क्वोर्त्सोवा ने कहा कि रूसी एंटरोमिक्स कैंसर वैक्सीन अब इस्तेमाल के लिए तैयार है।

एमआरएनए-बेस्ड इस वैक्सी ने सभी प्रीक्लिनिकल टेस्ट को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। जिससे इसकी सुरक्षा और प्रभावशीलता साबित हो गई है। इस टीके का प्रारंभिक लक्ष्य कोलोरेक्टल कैंसर (कोलन कैंसर) होगा। रूस की समाचार एजेंसी टीएएसएस की रिपोर्ट के अनुसार, रूस की कैंसर वैक्सीन ने शानदार प्रदर्शन किया है।

# वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत पर ध्यान देना आवश्यक - श्री गोयल

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने 56वें ईईपीसी इंडिया राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्थिति में चाहे कितनी भी बड़ी समस्या क्यों न आ जाए, भारत एक राष्ट्र के रूप में एकजुट है। उन्होंने कहा कि देश में किसी भी संकट से उबरने की क्षमता है।

श्री गोयल ने कहा कि व्यवसायों को स्वदेशी उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, क्योंकि इससे न केवल भारत के विकास में मदद मिलेगी, बल्कि देश की वित्तीय सुरक्षा भी मजबूत होगी। उन्होंने आगाह किया कि हाल ही में यह देखा गया है कि कोई भी देश निर्यात नियंत्रण लगा सकता है या महत्वपूर्ण उत्पादों को भारत पहुंचने से रोक सकता है, जिससे व्यवसायों के लिए बाधाएं पैदा हो सकती हैं। इसलिए आत्मनिर्भर भारत पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

### भारत तेजी से आगे बढ़ेगा

श्री गोयल ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि 'शून्य दोष, शून्य प्रभाव' के आदर्श वाक्य के साथ भारत और भी तेजी से आगे बढ़ेगा। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया कि भारत में अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद बनें और दुनिया भर में बेचे जाएं।

### मेड इन इंडिया उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करें

श्री गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नवाचार के महत्व पर जोर देते हुए स्वदेशी उत्पादों का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि भारत के 1.4 अरब लोगों, व्यवसायों और व्यापार को मेड इन इंडिया उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जो व्यवसाय आयात पर निर्भर हैं, वे ऐसे उत्पादों पर विचार कर सकते हैं जिन्हें भारत में ही खरीदा और बनाया जा सकता है। भारत की मजबूती व्यापार और एमएसएमई क्षेत्र पर निर्भर करती है, जो देश के व्यवसायों की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि भारत का आत्मविश्वास इतना मजबूत है कि यह और मजबूत होता जाएगा और किसी के आगे नहीं झुकेगा। ईईपीसी की यात्रा का ज़िक्र करते हुए उन्होंने बताया कि वर्ष 1955 में निर्यात 1 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, जबकि आज यह 116 अरब अमेरिकी डॉलर है। उन्होंने कहा कि समय के साथ इंजीनियरिंग क्षेत्र बड़े लक्ष्यों और ज्यादा मजबूती के साथ और आगे बढ़ेगा।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- दीपक सक्सेना, मुद्रक- दीपक सक्सेना द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।